Hindi First anguage
IV Class

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

FREE

मुसकान 4

प्रथम भाषा हिंदी
कक्षा-4 की पाठ्यपुस्तक

Hindi Reader
(First Language)
Class - IV

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

बच्चो! इन सूचनाओं पर ध्यान दीजिए...

* यह पाठ्यपुस्तक आप के स्तर और रुचियों के अनुरूप बनायी गयी है। इससे आप भाषा के सभी कौशलों का विकास कर सकते हैं। इसके लिए आप अध्यापक का मार्गदर्शन व सहयोग ले सकते हैं।
* पाठ के अभ्यास करने के लिए गाइड, सब्जेक्ट मटेरियल, क्वश्चन बैंक आदि का उपयोग नहीं करना चाहिए। इनके अतिरिक्त 'शब्दकोश' का उपयोग करने से पाठ व अभ्यास आसानी से कर सकते हैं। इसके साथ-साथ समाचार पत्र, पुस्तकालय की पुस्तकें, बाल साहित्य आदि का पठन करना चाहिए, जिससे रचनात्मक व सारांशात्मक आकलन के उत्तर आसानी से लिखे जा सकें।
* हर पाठ के प्रारंभ में उन्मुखीकरण का चित्र दिया गया है। इस चित्र के माध्यम से आप सबसे पहले संज्ञा शब्दों, क्रिया शब्दों और सोच-विचार के वाक्यों की पहचान करेंगे।
* हर पाठ में 'सुनिए-बोलिए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर सोच-विचार कर देने चाहिए। इन प्रश्नों के उत्तर विचारात्मक होने चाहिए। इससे आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
* हर पाठ में 'पढ़िए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर पाठ पढ़कर देने चाहिए। पढ़ो अभ्यास का उद्देश्य आपमें पढ़ने व अर्थग्राह्यता की क्षमता का विकास करना है।
* हर पाठ में 'लिखिए' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में देना चाहिए। इसे हम 'स्वरचना' भी कहते हैं। आपको अपने विचार लिखित रूप में व्यक्त करना चाहिए।
* हर पाठ में 'शब्द-भंडार' व 'भाषा की बात' के अभ्यास दिये गये हैं। इन अभ्यासों का हल समूहों में बैठकर करना चाहिए। आवश्यकतानुसार अध्यापक का सहयोग लेना चाहिए।
* 'परियोजना कार्य' स्वयं करके सीखने का कार्य है। इसे आप को व्यक्तिगत या समूह में बैठकर करना चाहिए।
* हर पाठ में 'सृजनात्मक अभिव्यक्ति' अभ्यास के प्रश्न दिये गये हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर मौखिक, लिखित अथवा प्रदर्शन (अभिनय) के रूप में देने चाहिए जिससे आप में भाषा का सृजनशील विकास हो।
* स्वमूल्यांकन के लिए 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' शीर्षक से एक तालिका दी गयी है। आपको अपनी भाषाई क्षमता की जाँच स्वयं करनी चाहिए।

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य—भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह—

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं; रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SALE

मुसकान 4

प्रथम भाषा हिंदी
कक्षा-4 की पाठ्यपुस्तक

Hindi Reader
(First Language)
Class - IV

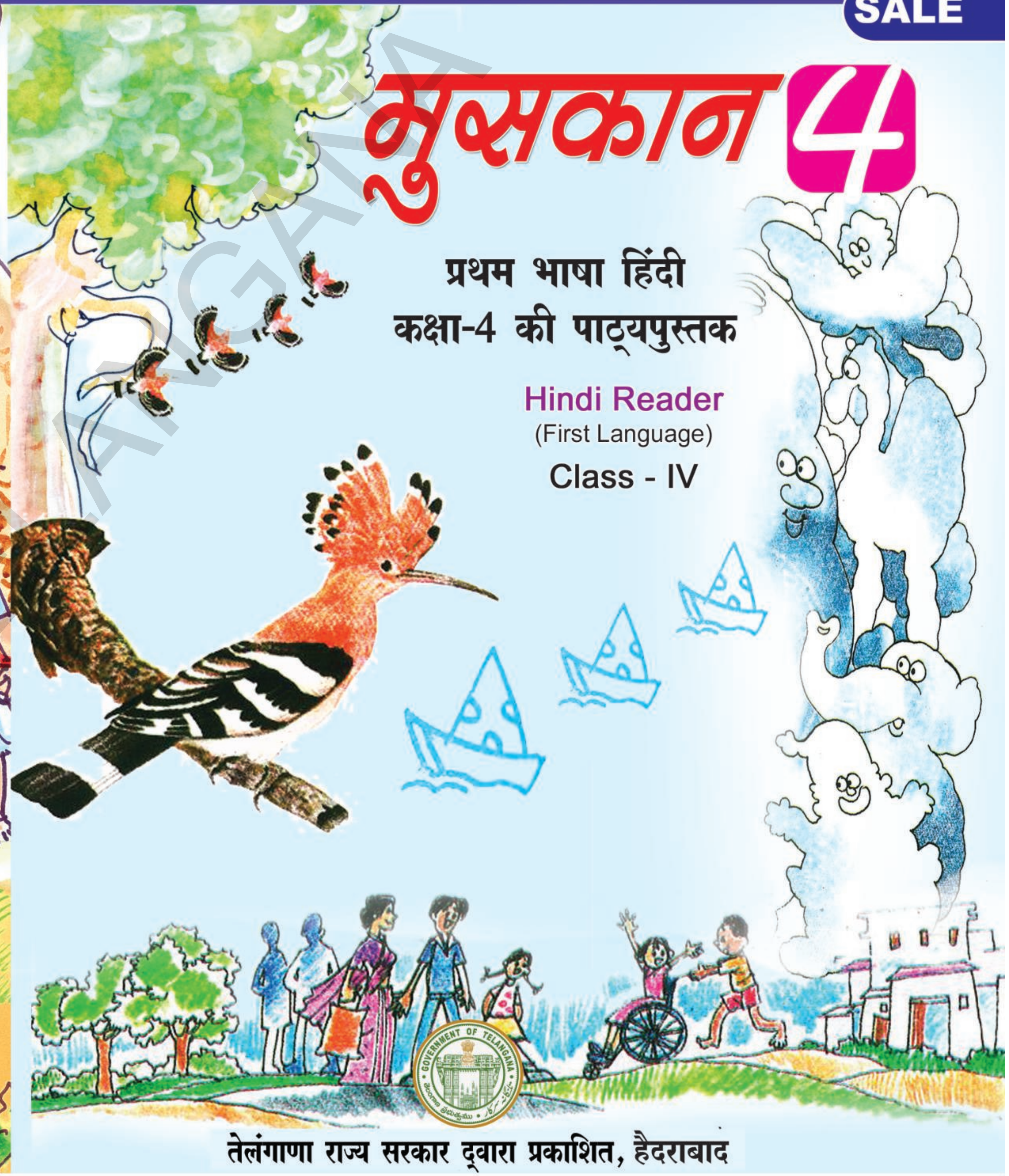

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

SCERT TELANGANA

मुसकान - 4

कक्षा - 4 हिंदी (प्रथम भाषा)
Class-4 Hindi (First Language)

संपादक

प्रो. टी.वी. कट्टीमनी
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय

प्रो. शकुंतला रेड्डी
क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

प्रो. शुभदा वांजपे
प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय

डॉ. अनीता गांगुली
सहायक प्रोफेसर, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद

विषय विशेषज्ञ

डॉ. रमाकांत अग्निहोत्री
सेवानिवृत्त भाषाविद्
भारतीय भाषा आधार-पत्र
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

श्री सुवर्ण विनायक
शैक्षिक सलाहकार
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, हैदराबाद

समन्वयक

डॉ. पी. शारदा
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं
प्रशिक्षण परिषद्, हैदराबाद

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
जी.एच.एस, काचीगुड़ा,
श्री साई नगर, सैदाबाद, हैदराबाद

सलाहकार – लिंग संवेदनशीलता तथा बाल लैंगिक प्रताड़ना
श्रीमती चारू सिन्हा, I.P.S., निदेशक, ACB, तेलंगाणा, हैदराबाद

पाठ्य पुस्तक एवं प्रकाशन समिति

श्री. ए. सत्यनारायण रेड्डी
निदेशक
एस.सी.ई.आर.टी, हैदराबाद

डॉ. एन उपेन्दर रेड्डी
प्रोफेसर, पाठ्यक्रम
व पाठ्यपुस्तक विभाग
एस.सी.ई.आर.टी, हैदराबाद

श्री पी. सुधाकर
निदेशक
सरकारी पाठ्य पुस्तक प्रेस,
हैदराबाद

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित, हैदराबाद

विद्या से आगे बढ़ो।
विनय से रहो।

क़ानून का आदर करो।
अधिकार प्राप्त करो।

SCERT TELANGANA

© Government of Telangana State, Hyderabad.

First Published 2013

New Impressions 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019

All rights reserved.

No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form or by any means without the prior permission in writing of the publisher, nor be otherwise circulated in any form of binding or cover other than that in which it is published and without a similar condition including this condition being imposed on the subsequent purchaser.

The copy right holder of this book is the Director of School Education, Hyderabad, Telangana State.

This Book has been printed on 70 G.S.M. Maplitho
Title Page 200 G.S.M. White Art Card

Free Distribution by T.S. Government 2019-20

Printed in India
at the Telangana State Govt. Text Book Press,
Mint Compound, Hyderabad,
Telangana State.

— o —

SCERT TELANGANA

आमुख

बालक भाषा अधिगम साधारणतया सहज व व्यावहारिक रूप में करते हैं। एन.सी.एफ-2005, आर.टी.ई-2009, ए.पी.एस.सी.एफ-2011 एवं आधार पत्र-2011 के सुझावों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य पुस्तक का सृजन किया गया है।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2005 सुझाती है कि बच्चों के जीवन को बाहर के जीवन से जोड़ा जाना चाहिए। यह सिद्धांत किताबी ज्ञान की उस विरासत से विपरीत है जिसके प्रभाववश हमारी व्यवस्था आज तक स्कूल और घर के बीच अंतराल बनाए हुए है। नयी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या पर आधारित पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें इस बुनियादी विचार पर अमल करने का प्रयास है। इस प्रयास में हर विषय को एक मजबूत दीवार से घेर देने और जानकारी को रटा देने की प्रवृत्ति का विरोध शामिल है। आशा है कि यह कदम हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में वर्णित बाल- केंद्रित व्यवस्था की दिशा में काफी दूर तक ले जाएँगे।

इस प्रयत्न की सफलता अब इस बात पर निर्भर है कि स्कूलों के प्राचार्य और अध्यापक बच्चों को कल्पनाशील गतिविधियों और सवालों की मदद से सीखने और सीखने के दौरान अपने अनुभव पर विचार करने का कितना अवसर देते हैं। हमें यह मानना होगा कि यदि जगह और समय की आज़ादी दी जाए तो बच्चे बड़ों द्वारा सौंपी गई सूचना सामग्री से जुड़कर और जूझकर नए ज्ञान का सृजन करते हैं। शिक्षा के विविध साधनों एवं स्रोतों को अनदेखा किए जाने का प्रमुख कारण पाठ्यपुस्तक को परीक्षा का एकमात्र आधार बनाने की प्रवृत्ति है। सृजन और पहल को विकसित करने के लिए ज़रूरी है कि बच्चों को सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार माने और बनाएँ, उन्हें ज्ञान की निर्धारित खुराक का ग्राहक मानना छोड़ दें।

यह उद्देश्य स्कूल की दैनिक जिंदगी और कार्यशैली में काफ़ी फेरबदल की माँग करते हैं। दैनिक समय-सारिणी में लचीलापन इतना ही जरूरी है, जितना वार्षिक कैलेंडर के अमल में चुस्ती, जिससे शिक्षण के लिए नियत दिनों की संख्या हकीकत बन सके। शिक्षण और मूल्यांकन की विधियाँ भी इस बात को तय करेंगी कि यह पाठ्यपुस्तक स्कूल में बच्चों के जीवन को मानसिक दबाव तथा बोरियत की जगह खुशी का अनुभव बनाने में कितनी प्रभावी सिद्ध होंगी। बोझ की समस्या से निपटने के लिए पाठ्यक्रम निर्माताओं ने विभिन्न चरणों में ज्ञान का पुनःनिर्धारण करते समय बच्चों के मनोविज्ञान एवं अध्यापन के लिए उपलब्ध समय का ध्यान रखने की पहले से अधिक सचेत कोशिश की है । इस कोशिश को और गहराने के यत्न में यह पाठ्यपुस्तक सोच-विचार और विस्मय, छोटे समूहों में बातचीत एवं बहस और हाथ से की जाने वाली गतिविधियों को प्राथमिकता देती हैं।

पाठ्यपुस्तक के विकास एवं निर्माण हेतु प्रशिक्षण देने के लिए प्रो.रमाकांत अग्निहोत्री तथा सुवर्ण विनायक और पाठों के चयन तथा सुझाव देने के लिए विद्या भवन सोसाईटी के विषय विशेषज्ञों श्री कुमार अनुपम तथा श्री प्रदीप झा को विशेष आभार प्रकट किया जाता है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा, हैदराबाद प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से एन.सी.ई.आर.टी. की ओर से गठित पाठ्य पुस्तक निर्माण समिति के परिश्रम के लिए कृतज्ञता व आभार व्यक्त करती है।

इस पाठ्यपुस्तक के विकास में कई शिक्षकों ने योगदान किया। इस योगदान को संभव बनाने के लिए हम उनके प्रयासों के आभारी हैं। हम उन सभी संस्थाओं और संगठनों के प्रति कृतज्ञ हैं जिन्होंने अपने संसाधनों, सामग्री तथा सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। इस पुस्तक के निर्माण में जिन लेखकों और कवियों की रचनाओं को सम्मिलित किया गया हैं, उसके लिए उन साहित्यकारों और प्रकाशन संस्थाओं के प्रति परिषद आभार व्यक्त करती है। व्यवस्थागत सुधारों और अपने प्रकाशनों में निरंतर निखार लाने के प्रति समर्पित राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा, हैदराबाद टिप्पणियों एवं सुझावों का स्वागत करेगी जिनसे भावी संशोधनों में मदद ली जा सके।

निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, तेलंगाणा राज्य

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

वंदेमातरम्

वंदेमातरम् वंदेमातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
सस्यश्यामलाम् मातरम् वंदेमातरम्
शुभ्रज्योत्सना पुलकित यामिनी
पुल्ल कुसुमिता द्रुमदल शोभिनी
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी
सुखदाम् वरदाम् मातरम्
वंदेमातरम्

-बंकिमचंद्र चटर्जी

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्ताँ हमारा।
हम बुलबुलें हैं इसकी, ये गुलसिताँ हमारा।।

परबत वो सबसे ऊँचा, हमसाया आसमाँ का।
वो संतरी हमारा, वो पासबाँ हमारा।।

गोदी में खेलती हैं, इसकी हज़ारों नदियाँ।
गुलशन है जिनके दम से, रश्क-ए-जिनाँ हमारा।।

मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिंदी हैं हम, वतन है हिंदोस्ताँ हमारा।।

- मोहम्मद इक़बाल

SCERT TELANGANA

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे!
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब, सिंध, गुजरात, मराठा,
द्राविड़, उत्कल बंग।
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा
उच्छल जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा!
जन-गण-मंगलदायक जय हे!
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे! जय हे! जय हे!
जय, जय, जय, जय हे!

- रवींद्रनाथ टैगोर

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है और समस्त भारतीय मेरे भाई-बहन हैं। मैं अपने देश से प्रेम करता हूँ और इससे प्राप्त विशाल एवं विविध ज्ञान-भंडार पर मुझे गर्व है। मैं सर्वदा इस देश एवं इसके ज्ञान-भंडार के अनुरूप बनने का प्रयास करूँगा। मैं अपने माता-पिता और अध्यापकों तथा समस्त गुरुजनों का आदर करूँगा और प्रत्येक व्यक्ति के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं जीव-जंतुओं से भी प्रेमपूर्वक व्यवहार करूँगा। मैं अपने देश और उसकी जनता के प्रति अपनी भक्ति की शपथ लेता हूँ। उनके मंगल एवं समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है।

- पैडिमर्रि वेंकट सुब्बाराव

SCERT TELANGANA

सहभागी गण

श्रीमती जयश्री लोहारेकर
राज्य हिंदी संसाधक
जी.एच.एस. काचीगुड़ा,
श्री साई नगर, सैदाबाद, हैदराबाद

श्रीमती संगीता पांडे
कीज हाईस्कूल फॉर गर्ल्स,
सिकंदराबाद

श्री बाबूराव
जेड.पी.एस.एस, सिकिन्द्रापूर
जाक्रानपल्ली मंडल, निज़ामाबाद

श्रीमती ए.वी. रमणा
जी.एच.एस जमीस्तानपूर
माणिकेश्वरनगर, हैदराबाद

मुहम्मद सुलेमान अली 'अदिल'
राज्य हिंदी संसाधक,
तेलंगाणा राज्य

श्रीमती जी. किरण
राज्य हिंदी संसाधक
जी. एच. एस. फॉर डेफ,
मलकपेट, हैदराबाद

डॉ. सैयद एम.एम. वजाहत
राज्य हिंदी संसाधक
जी.एच.एस. शंखेश्वर बाज़ार,
सईदाबाद, हैदराबाद

डॉ. राजीव कुमार सिंह
राज्य हिंदी संसाधक
यू.पी.एस. याडारम, मेडचल,
रंगारेड्डी, तेलंगाणा राज्य

श्री सय्यद मतीन अहमद
राज्य हिंदी संसाधक,
तेलंगाणा राज्य

श्री सुरेश कुमार मिश्रा
राज्य हिंदी संसाधक,
तेलंगाणा राज्य

चित्रांकन

के रघुवीर गौड़
डाईट, करीमनगर

के. पार्वती
हिंदु कॉलेज हाई स्कूल, गुंटूर

लेआउट डिज़ाइन

कुर्रा सुरेश बाबु, एम.ए., एम.फिल., बी.टेक.

SCERT TELANGANA

अध्यापकों के लिए सूचनाएँ

1. 160 कार्यदिवसों को दृष्टि में रखकर यह पुस्तक बनायी गयी है।
2. बच्चों द्वारा अर्जित की जाने वाली दक्षताएँ पाठ्यपुस्तक में क्रमबद्ध की गयी हैं। यह देखना है कि बच्चे उन्हें अवश्य अर्जित करें। पुस्तक की चार इकाइयाँ हैं। कुल तेरह पाठ हैं। इकाई में दिये गये पाठों को हिसाब से पूरा करना है।
3. हर पाठ को उस पाठ में दी गयी दक्षताओं के अनुसार पूरा करना है।
4. प्रतिदिन मातृभाषा पढ़ाने के लिए नब्बे मिनट का समय दिया जाएगा। इन नब्बे मिनटों में पहले पैंतालीस मिनट पढ़ाये जाने वाले अभ्यास कार्य करवाएँ। अगले पैंतालीस मिनटों में उस दिन पढ़ाये जाने वाले अंशों से संबंधित अभ्यास सामूहिक रूप से करवायें। पिछड़े बच्चों पर अध्यापक व्यक्तिगत रूप से ध्यान दें और उनसे उनके स्तर के अनुसार अभ्यास करवायें।
5. पाठ की क्रिया उन्मुखीकरण चित्र से लेकर 'क्या मैं ये कर सकता हूँ?' तब तक चलनी चाहिए।
6. चित्र द्वारा उन्मुखीकरण करते समय बच्चों से स्वतंत्रतापूर्वक बातचीत करवायें। इसके लिए प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न भी पूछें।
7. उन्मुखीकरण चित्र पर बातचीत करने और छात्रों से पाठ पढ़ाने के लिए एक कालांश निर्धारित करें। तीन से चार कालांशों का उपयोग पाठ पढ़ाने के लिए करें।
8. शेष पाँच से छह कालांशों में अभ्यास कार्य छात्रों से पाठशाला में ही करवायें।
9. प्रतिदिन भाषा के लिए दिये नब्बे मिनटों में से पहले पैंतालीस मिनटों में अभ्यास कार्यों के बारे में सूचनाएँ दें। बच्चों द्वारा किये गये कार्य की जाँच करें और उन्हें निर्देश दें। अगले पैंतालीस मिनटों में छात्रों से व्यक्तिगत रूप से अभ्यास कार्य करवायें।
10. पहले पैंतालीस मिनटों में पढ़ाये जाने वाले पाठ और अभ्यास प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी अवश्य दें। पढ़ाये जाने वाले कालांश में निम्नलिखित बातों पर अवश्य ध्यान दें। सभी बच्चों की सहभागिता अत्यावश्यक है। अध्यापक कम बोलें, बच्चों को बातचीत के अधिक अवसर दें। बच्चों से प्रश्न पूछें। उन्हें स्वयं भी प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करें। इस कार्य के लिए कक्षा कक्ष गतिविधि द्वारा या समूह कार्य द्वारा अधिगम प्रक्रिया का निर्वाह करें।
11. एक पाठ को पढ़ाने के लिए निम्नलिखित सोपानों का पालन करें-
    - चित्र के बारे में प्रश्न पूछें।
    - शीर्षक की घोषणा करें।
    - पाठ का उद्देश्य और विवरण दें।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

- व्यक्तिगत वाचन करवायें और काठिन्य निवारण करें।
- पाठ के चित्रों पर बातचीत करें।
- पाठ पढ़ायें।
- अभ्यास करवायें।
- स्वमूल्यांकन-क्या मैं ये कर सकता हूँ? करवायें।

विशेष शिक्षण

- उपर्युक्त तरीके से पहले पैंतालीस मिनटों में इस तरह पाठ का अधिगम करें कि बच्चे पाठ में दी गयी दक्षताएँ अर्जित कर सकें।
- अगले पैंतालीस मिनटों में उस दिन पढ़ाये जाने वाले अंशों या दक्षताओं से संबंधित अभ्यास करवायें। इसे निम्न तरीके से पूरा करें-

दक्षताएँ	**पूरा करने का तरीका**
-सुनना, सोचकर बोलना	- पूर्ण कक्षा कक्ष क्रिया
- पढ़ना	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य
- लिखना	- समूह लेखन या व्यक्तिगत लेखन
- शब्द-भंडार	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य
- सृजनात्मक अभिव्यक्ति	- सामूहिक कार्य
- प्रशंसा	- सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य
- भाषा की बात	- व्यक्तिगत कार्य
- परियोजना कार्य	-सामूहिक कार्य या व्यक्तिगत कार्य

SCERT TELANGANA

क्या कहाँ है?

इकाई	क्र.सं.	पाठ का नाम	विधा	महीना	पृष्ठ संख्या
I	1.	मन के भोले-भाले बादल	कविता	जून	01
	2.	जैसा सवाल वैसा जवाब	कहानी	जुलाई	07
		कोई लाके मुझे दे!	पठन हेतु	जुलाई	14
	3.	गेंद का कमाल	कहानी	जुलाई	15
II	4.	दोस्त की पोशाक	हास्य कहानी	अगस्त	25
		नसीरुद्दीन का निशाना	पठन हेतु	अगस्त	34
		जंगल में स्कूल	पठन हेतु	सितंबर	36
	5.	नाव बनाओ नाव बनाओ	कविता	सितंबर	39
	6.	दान का हिसाब	कहानी	सितंबर	47
	7.	कौन?	कविता	सितंबर	59
III	8.	स्वतंत्रता की ओर	संस्मरण	अक्तूबर	67
		साबरमती के संत	पठन हेतु	अक्तूबर	79
	9.	वाह! क्या बात है।	संवाद	नवंबर	81
	10.	पढ़क्कू की सूझ	हास्य कविता	नवंबर	89
IV	11.	सुनिता की पहिया कुर्सी	कहानी	दिसंबर	97
	12.	हुद-हुद	लेख	दिसंबर	107
		घोंसला	कविता	जनवरी	116
	13.	मुफ़्त ही मुफ़्त	कहानी	फरवरी	117
		आओ चले पिकनिक पर	पठन हेतु	फरवरी	129
		उलझन	पठन हेतु	फरवरी	132

SCERT TELANGANA

इस पाठ्य पुस्तक से बच्चों द्वारा अर्जित की जानेवाली दक्षताएँ

सुनना-बोलना
- गीत, सूचनाएँ, कहानियाँ, वार्तालाप, निबंध आदि सुनकर अर्थ ग्रहण कर सकेंगे। अपने शब्दों में बोल सकेंगे।
- जाने और सुने गये अंशों के बारे में स्पष्ट उच्चारण के साथ सही क्रम में बोल सकेंगे, गीत गा सकें, अभिनय कर सकेंगे।
- विभिन्न परिस्थितियों में संदर्भोचित भाषा का उपयोग कर सकेंगे।

पढ़ना
- गीत सूचनाएँ, कहानियाँ, वार्तालाप, निबंध आदि धाराप्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे। पढ़े गए अंशों से संबंधित प्रश्नों का समाधान कर सकेंगे।
- पढ़े गए अंशों के शब्दों को संदर्भानुसार ग्रहण कर सकेंगे।
- पर्याय शब्द, विलोम शब्द, युग्म शब्द पहचान सकेंगे।

लिखना
- पढ़े गए विषयों को समझ सकेंगे, बोल सकेंगे, लिख सकेंगे।
- विभिन्न रूपों में पाये जाने वाले बाल-साहित्य को धाराप्रवाह के साथ पढ़ सकेंगे और अर्थ समझ कर बोल सकेंगे।
- पाठ्यपुस्तक में पीछे दिए गए शब्दों के अर्थ समझ सकेंगे और उनका उपयोग कर सकेंगे।
- जाने, सुने और देखे हुए विषयों- कहानियों, स्व-अनुभव, पसंद-नापसंद आदि के बारे में पाँच वाक्यों में अपने शब्दों में लिख सकेंगे।
- लिखते समय, सही शब्दों को क्रमानुसार, विराम चिह्नों का उपयोग करते हुए-बिना त्रुटियों के लिख सकेंगे।

शब्द-भंडार
- शब्द भंडार का संदर्भोचित उपयोग कर सकेंगे, अपने वाक्यों में प्रयोग कर सकेंगे।
- दिए गए शब्दों से नए शब्द बना सकेंगे, उनका उपयोग कर सकेंगे।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति
- कविता, कहानियाँ आगे बढ़ा सकेंगे। वार्तालाप, आत्मकथा, पत्र आदि लिख सकेंगे।
- चित्र उतारकर रंग भर कर उनके बारे में लिख सकेंगे।

प्रशंसा
- सहपाठियों, महिलाओं, अन्य वर्गों, अन्य संस्कृतियों, भाषाओं, महानुभावों आदि की प्रशंसा कर सकें।

भाषा की बात
- अर्थपूर्ण वाक्य बना सकें। वाक्य में कर्ता, कर्म, क्रिया पहचान सकें।

SCERT TELANGANA

इकाई-I

1 मन के भोले-भाले बादल

प्रश्नः

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. इस चित्र को देखकर आप का मन क्या करने को चाहता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

झब्बर-झब्बर बालों वाले
गुब्बारे से गालों वाले
लगे दौड़ने आसमान में
झूम-झूम कर काले बादल।

कुछ जोकर-से तोंद फुलाए
कुछ हाथी-से सूँड़ उठाए
कुछ ऊँटों-से कूबड़ वाले
कुछ परियों-से पंख लगाए

आपस में टकराते रह-रह
शेरों से मतवाले बादल।

कुछ तो लगते हैं तूफ़ानी
कुछ रह-रह करते शैतानी
कुछ अपने थैलों से चुपके
झर-झर-झर बरसाते पानी

नहीं किसी की सुनते कुछ भी
ढोलक-ढोल बजाते बादल।

रह-रहकर छत पर आ जाते
फिर चुपके ऊपर उड़ जाते
कभी-कभी ज़िद्दी बन करके
बाढ़ नदी-नालों में लाते

फिर भी लगते बहुत भले हैं
मन के भोले-भाले बादल।

-कल्पनाथ सिंह

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. इस कविता को हाव भाव के साथ गाइए।
2. कविता में बादलों की तुलना किन-किन पशुओं के साथ की गई है?
3. यदि बरसात न होती तो क्या होता?
4. बरसात होते ही आप क्या करना चाहते हैं?
5. कविता की कौनसी पंक्तियाँ आप को सबसे अच्छी लगी? और क्यों?

पढ़िए

(अ) कविता में 'ए' से अन्त होने वाले शब्दों को पेंसिल से रेखांकित कीजिए और (`) से अंत होने वाले शब्दों को पेंसिल से गोला लगाइए।

(आ) कविता में कुछ युग्म शब्दों का प्रयोग हुआ है जैसे- **झब्बर-झब्बर।** उन्हें पेंसिल से रेखांकित कीजिए।

(इ) कविता की पहली आठ पंक्तियों में कवि ने बादलों की तुलना किन-किन से की है।

(ई) जोड़ी बनाइए।

मतवाले	सूँड
हाथी-सी	बादल
परियों से	कूबड़
ऊँटों से	पंख

(उ) कविता के आधार पर इन प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए।

1. बादल किस के समान गरजते हैं? ----------
2. बादल अपने थैलों से क्या गिराते हैं? ----------
3. कविता में किस वाद्य यंत्र का नाम लिया गया? ----------
4. जब बादल ज़िद्दी बनते हैं तो क्या होता है? ----------
5. बादल सब को कैसे लगते हैं? ----------

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

(ऊ) कविता में निम्न भावों को व्यक्त करने वाली पंक्तियाँ लिखिए। बादल कभी-कभी ज़िदृदी बनकर इतना बरसते हैं कि नदियों में बाढ़ आ जाती है।

लिखिए

1. तूफ़ानों से बादल का क्या नाता है? बादलों को तूफ़ानी क्यों कहा जाता है?
2. आकाश में क्या-क्या दिखाई देता है?
3. बरसात होते ही आप क्या करना चाहते हैं?
4. वर्षा के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।
5. कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

शब्द भंडार

वर्णमाला

स्वरः अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजनः क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ
ट ठ ड ढ ण (ड़ ढ़)
त थ द ध न
प फ ब भ म
य र ल व
श ष स ह
क्ष त्र ज्ञ श्र

वर्णमाला के आधार पर शब्द बनाकर तालिका में लिखिए।

दो वर्ण वाले	तीन वर्ण वाले	चार वर्ण वाले
______	______	______
______	______	______
______	______	______
______	______	______
______	______	______

2. कविता में युग्म शब्द आए हैं।
जैसे :- झूम-झूम
ऐसे ही अन्य युग्म शब्द लिखिए।

----------- ----------- ----------- ----------- -----------

SCERT TELANGANA

3. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।**

1. आकाश में बादल छाए हैं।

   -------------   -------------

2. बादल मतवाले बन गए हैं।

   -------------   -------------

3. झर-झर-झर बरसाते पानी।

   -------------   -------------

4. कविता में प्रयुक्त इन शब्दों को पढ़िए।

   1. काले-काले बादल

      ऐसे ही अन्य शब्द लिखिए।

   ---------------------- टमाटर ---------------------- पेड़

   ---------------------- घाँस ---------------------- पानी

   ---------------------- दूध

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

आकाश में विभिन्न आकार के बादल आपने देखें होंगे। जैसे हाथी की सूँडवाले परियों के आकार वाले, गुब्बारे वाले कुछ अन्य आकार वाले बादलों के चित्र बनाइए और दो-दो वाक्य उन पर लिखिए।

प्रशंसा

आपके साथियों ने बादलों के अलग-अलग आकार बनाये हैं। साथियों के चित्रों में आप को कौन-कौन से अच्छे लगे हैं। क्यों? प्रशंसा करते हुए पाँच वाक्य लिखिए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

भाषा की बात

नीचे एक अनुच्छेद दिया जा रहा है। इसे ध्यान से पढ़िए।

हैदराबाद में राघव और केशव नाम के दो भाई रहते थे। उनके घर में एक गौरी नाम की गाय थी। गाय हर दिन चार लीटर दूध देती थी। दोनों भाई दूध, दही का सेवन करते थे। माँ उन्हें दूध से बनी मिठाइयाँ भी खिलाती थी। जो शब्द रेखांकित किए गए हैं, उन्हें संज्ञा कहा जाता है। रेखांकित शब्दों को निम्न लिखित तालिका में उचित स्थान पर लिखिए।

व्यक्ति	वस्तु	स्थान	जानवर
-------	-------	-------	-------
-------	-------	-------	-------
-------	-------	-------	-------

निम्न वाक्यों के रेखांकित शब्दों के वचन बदलकर वाक्य पुनः लिखिए।

1. मोहन का थैला छोटा था।
   ----
2. नानी ने परियों की कहानी सुनाई।
   ----
3. हमने चिड़िया घर में हाथी देखा।
   ----
4. बादल का रंग काला है।

परियोजना कार्य

बरसात संबंधी एक कविता ढूँढकर सुंदर अक्षरों में लिखकर कक्षा में प्रदर्शित कीजिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

2 जैसा सवाल वैसा जवाब

प्रश्नः

1. चित्र में कौन-कौन दिखाई दे रहे हैं?
2. सिंहासन पर बैठे राजा का नाम क्या हो सकता है?
3. इस चित्र में राजा के निकट खड़े हुए आदमी का नाम क्या हो सकता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

बादशाह अकबर अपने मंत्री बीरबल को बहुत पसंद करता था। बीरबल की बुद्धि के आगे बड़े-बड़ों का भी कुछ नहीं चल पाता था। इसी कारण कुछ दरबारी बीरबल से जलते थे। वे बीरबल को मुसीबत में फँसाने के तरीके सोचते रहते थे।

अकबर के एक खास दरबारी ख्वाजा सरा को अपनी विद्या और बुद्धि पर बहुत अभिमान था। बीरबल को तो वे अपने सामने निरा बालक और मूर्ख समझते थे। लेकिन अपने ही मानने से तो कुछ होता नहीं! दरबार में बीरबल की ही तूती बोलती और ख्वाजा साहब की बात ऐसी लगती थी जैसे नक्कारखाने में तूती की आवाज़। खाजा साहब की चलती तो वे बीरबल को हिंदुस्तान से निकलवा देते लेकिन निकलवाते कैसे!

एक दिन ख्वाजा ने बीरबल को मूर्ख साबित करने के लिए बहुत सोच-विचार कर कुछ मुश्किल प्रश्न सोच लिए। उन्हें विश्वास था कि बादशाह के उन प्रश्नों को सुनकर बीरबल के छक्के छूट जाएँगे और वह लाख केशिश करके भी संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाएगा। फिर बादशाह मान लेगा कि ख्वाजा सरा के आगे बीरबल कुछ नहीं है।

ख्वाजा साहब अचकन-पगड़ी पहनकर दाढ़ी सहलाते हुए अकबर के पास पहुँचे और सिर झुकाकर बोले, ''बीरबल बड़ा बुद्धिमान बनता है। आप भी उसकी लंबी-चौड़ी बातों के धोखे में आ जाते हैं। मैं चाहता हूँ कि आप मेरे तीन सवालों के जवाब पूछकर उसके दिमाग़ की गहराई नाप लें। उस नकली अक्ल-बहादुर की कलई खुल जाएगी।''

ख्वाजा के अनुरोध करने पर अकबर ने बीरबल को बुलाया और उनसे कहा, ''बीरबल! परम ज्ञानी ख्वाजा साहब तुमसे तीन प्रश्न पूछना चाहते हैं। क्या तुम उनके उत्तर दे सकोगे?''

SCERT TELANGANA

बीरबल बोले, ''जहाँपनाह! ज़रूर दूँगा। खुशी से पूछें।''

ख्वाजा साहब ने अपने तीनों सवाल लिखकर बादशाह को दे दिए।

अकबर ने बीरबल से ख्वाजा का पहला प्रश्न पूछा, ''संसार का केंद्र कहाँ है?''

बीरबल ने तुरंत ज़मीन पर अपनी छड़ी गाड़कर उत्तर दिया, ''यही स्थान चारों ओर से दुनिया के बीचों-बीच पड़ता है। यदि ख्वाजा साहब को विश्वास न हो तो वे फ़ीते से सारी दुनिया को नापकर दिखा दें कि मेरी बात गलत है।''

अकबर ने दूसरा प्रश्न किया, ''आकाश में कितने तारे हैं?''

बीरबल ने एक भेड़ मँगवाकर कहा, ''इस भेड़ के शरीर में जितने बाल हैं, उतने ही तारे आसमान में हैं। ख्वाजा साहव को इसमें संदेह हो तो वे बालों को गिनकर तारों की संख्या से तुलना कर लें।''

अब अकबर ने तीसरा सवाल किया, ''संसार की आबादी कितनी है?''

बीरबल ने कहा, ''जहाँपनाह! संसार की आबादी पल-पल पर घटती-बढ़ती रहती है क्योंकि हर पल लोगों का मरना-जीना लगा ही रहता है। इसलिए यदि सभी लोगों को एक जगह इकट्ठा किया जाए तभी उनको गिनकर ठीक-ठीक संख्या बताई जा सकती है।''

बादशाह तो बीरबल के उत्तरों से संतुष्ट हो गये लेकिन ख्वाजा साहब नाक-भौंह सिकोड़कर बोले, ''ऐसे गोलमोल जवाबों से काम नहीं चलेगा जनाब!''

बीरबल बोले, ''ऐसे सवालों के ऐसे ही जवाब होते हैं। पहले मेरे जवाबों को गलत साबित कीजिए, तब आगे बढ़िए।''

ख्वाजा साहव से फिर कुछ बोलते नहीं बना।

आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा निशुल्क वितरण

सुनिए-बोलिए

(क) पाठ का शीर्षक 'जैसा सवाल वैसा जवाब' आपको कैसा लगा? क्यों?
(ख) ख्वाजा सरा के तीनों सवालों के क्या अन्य जवाब भी हो सकते हैं? बताइए।
(ग) यदि आप ख्वाजा सरा की जगह होते तो बीरबल को हराने के लिए कौन-कौन से सवाल पूछते?

पढ़िए

1. पाठ में परम ज्ञानी किसे बताया गया है?
2. बीरबल ने दरबार में भेड़ क्यों मँगवाया था?
3. आप को बीरबल का कौन-सा उत्तर अच्छा लगा। लिखिए।
4. ख्वाजा सरा के द्वारा पूछा गया प्रश्न " संसार का केंद्र कहाँ है?" इस प्रश्न का उत्तर बीरबल ने क्या दिया?
5. नीचे दिये गये अर्थों के मुहावरे ढूँढ़ कर लिखिए।
   1. जयजयकार होना ----------------------
   2. हालत खराब होना ----------------------
   3. बड़ी-बड़ी बातें करना ----------------------
   4. पसंद नहीं करना ----------------------
6. पाठ के पहले दो अनुच्छेदों को ध्यान से पढ़िए। नीचे दी गई तालिका की पूर्ति कीजिए।

अंश	कारण
☞ दरबारी बीरबल से जलते थे।	----------------------
☞ दरबारी बहुत तरीके सोचते थे।	----------------------
☞ ख्वाजा सरा को अभिमान था।	----------------------
☞ ख्वाजा सरा बीरबल को समझते थे।	----------------------
☞ बीरबल की बुद्धि के आगे	----------------------

SCERT TELANGANA

लिखिए

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए।
   (क) बादशाह अकबर किसे बहुत पसंद करते थे? -----------
   (ख) बीरबल से कौन जलते थे? -----------
   (ग) बीरबल से कौन तीन सवाल पूछना चाहते थे? -----------
   (घ) ख्वाजा साहब का बस चलता तो वे क्या करते? -----------
2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।
   (अ) पाठ में बादशाह को जहाँपनाह के नाम से भी संबोधित किया गया है। बादशाह के लिए अन्य संबोधन लिखिए।
   (आ) ख्वाजा सरा का बस चलता तो वह बीरबल को हिंदुस्तान से निकाल देता। आपका बस चलता तो आप अपनी कौनसी इच्छा पूरी करेंगे?
   (इ) यदि आप ख्वाजा सरा की जगह होते तो बीरबल से कौनसा सवाल पूछते?

शब्द भंडार

(अ) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. विश्वास :--
2. बुद्धिमान :--
3. कोशिश :--
4. अभिमान :--
5. मूर्ख :--
6. संसार :--

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

(आ) भेड़ की खाल से बनायी जाने वाली कोई तीन चीज़ों के नाम लिखिए।

-------------- -------------- --------------

(इ) पाठ में कुछ योजक (-) शब्द आये हैं। जैसे - सोच-विचार, अचकन-पगड़ी। उन्हें चुनकर लिखिए।

-------------- -------------- -------------- -------------- --------------

(ई) नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ अपनी मातृभाषा में लिखिए।

साबित, अभिमान, कोशिश, गहराई, संदेह, संतुष्ट

-------- -------- -------- -------- -------- --------

उ) नीचे दिए गए शब्दों को रेखा खींचकर उनके अर्थ से मिलाइए।

क	ख
मुसीबत	घमंड
अभिमान	बुद्धिमान
विश्वास	जनसंख्या
अक्ल-बहादुर	सिद्ध करना
आबादी	आफ़त
साबित करना	भरोसा

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

'जैसा सवाल वैसा जवाब' कहानी आपने पढ़ी है, अकबर बीरबल की अन्य रोचक कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रशंसा

अकबर ने बीरबल की बुद्धिमानी की सदा प्रशंसा की। आपके मित्रों में यदि कोई ऐसा हाज़िर जवाब है तो प्रसंग बताइए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

I. नीचे लिखे वाक्य पढ़िए -

1. मैं **<u>बस</u>** में बैठकर स्कूल जाती हूँ।
2. ख्वाजा सरा का **<u>बस</u>** चलता तो वे बीरबल को निकाल देते।
3. **<u>बस</u>!** अब रुक जाओ।
4. **<u>बस</u>** दो दिन की तो बात है। मैं आ जाऊँगी।

ऊपर लिखे वाक्यों में **बस** शब्द के अर्थ अलग-अलग हैं। अब इसी तरह **<u>चल</u>** शब्द से वाक्य बनाइए।
(संकेत - चल, चल-चल, चला चल, चलना, चलती, चलो)

II. पाठ में कई मुहावरें आए हैं, इन मुहावरों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. छक्के छूटना
2. लम्बी-चौड़ी बातें करना

III. ह्रस्व-दीर्घ मात्राओं का भिन्न रूपों में प्रयोग होता है,
जैसे क-कि,क-की
कि- इसका प्रयोग किसी संबोधन वाले वाक्यों में पाया जाता है।
जैसे- मैं चाहता हूँ कि आप मेरे प्रश्नों का उत्तर दे।
की- इसका प्रयोग वाक्य में प्रयुक्त शब्द के बीच के संबंध को सूचित करने के लिए किया जाता है।
जैसे- बहादुर की कलई खुल गयी।
अब आप भाषा के ऐसे परिवर्तन को ध्यान देते हुए तीन वाक्य बनाइए।

परियोजना कार्य

चतुराई से संबंधित कोई कहानी को लिखकर कक्षा में प्रदर्शित करें।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर एक छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

कोई लाके मुझे दे!

कुछ रंग भरे फूल
कुछ खट्टे-मीठे फल
थोड़ी बाँसुरी की धुन
थोड़ा जमुना का जल
कोई लाके मुझे दे!

एक सोना जड़ा दिन
एक रूपों भरी रात
एक फूलों भरा गीत
एक गीतों भरी बात
कोई लाके मुझे दे!

एक छाता छाँव का
एक धूप की घड़ी
एक बादलों का कोट
एक दूब की छड़ी
कोई लाके मुझे दे!

एक छुट्टी वाला दिन
एक अच्छी-सी किताब
एक मीठा-सा सवाल
एक नन्हा सा जवाब
कोई लाके मुझे दे!

-दामोदर अग्रवाल

SCERT TELANGANA

3 गेंद का कमाल

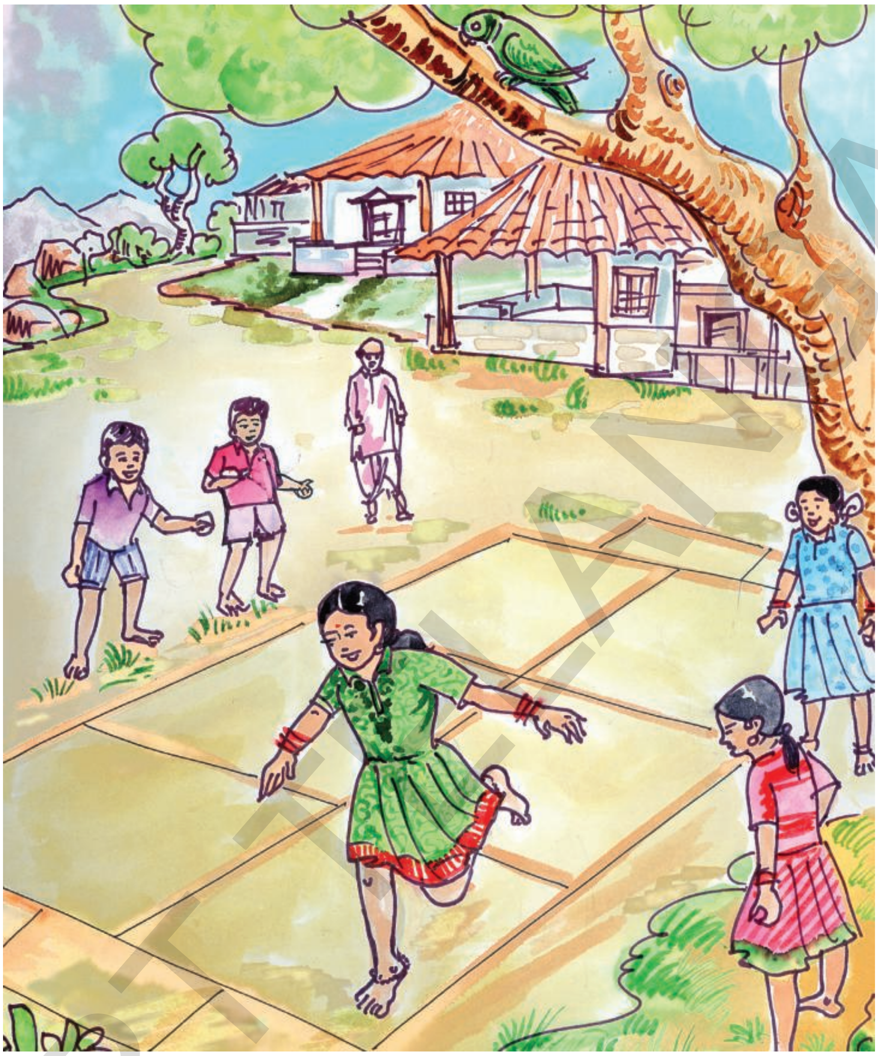

प्रश्नः

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. बच्चे क्या खेल रहे हैं?
3. क्या आपने यह खेल खेला है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

गर्मी की छुट्टियाँ थीं। दोपहर के समय दिनेश घर में बैठा कोई कहानी पढ़ रहा था। तभी पेड़ के पत्तों को हिलाती हुई कोई वस्तु धम से घर के पीछे वाले बगीचे में गिरी। दिनेश आवाज़ से पहचान गया कि वह वस्तु क्या हो सकती है। वह एकदम से उठकर बरामदे की चिक सरका कर बगीचे की ओर भागा।

''अरे अरे, बेटा कहाँ जा रहा है? बाहर लू चल रही है।'' दिनेश की माँ मशीन चलाते-चलाते एकदम ज़ोर से बोलीं। परंतु दिनेश रुका नहीं। उसने पैरों में चप्पल भी नहीं पहनी। जून का महीना था। धरती तवे की तरह तप रही थी। पर दिनेश को पैरों के जलने की भी चिंता नहीं थी। वह जहाँ से आवाज़ आई थी, उसी ओर भाग चला।

सामने की क्यारी में भिंडियों के ऊँचे-ऊँचे पौधे थे। एक ओर सीताफल का घना पेड़ फैला हुआ था। क्यारियों के चारों ओर हरे-हरे केले के वृक्ष लहरा रहे थे। दिनेश ने जल्दी -जल्दी भिंडियों के पौधों को उलटना-पलटना आरंभ किया। जब वहाँ कुछ नहीं मिला तो उसने सारा सीताफल का पेड़ छान मारा।

बराबर में ही घूँस ने गड्ढे बना रखे थे। ढूँढ़ते-ढूँढ़ते जब उसकी निगाह उधर गई तो उसने देखा कि गड्ढे के ऊपर ही एक बिल्कुल नई चमचमाती गेंद पड़ी है।

दिनेश ने हाथ बढ़ा कर गेंद उठा ली। लगता था जैसे किसी ने उसे आज ही बाज़ार से खरीदा है। उसने उसे उलट-पलटकर देखा परंतु कुछ भी समझ में नहीं आया।

नज़र उठाकर उसने पास की तिमंज़िली इमारत की ओर देखा कि हो सकता है किसी बच्चे ने इसे ऊपर से फेंका हो परंतु उस इमारत के इस ओर खुलने वाले सभी दरवाज़े और खिड़कियाँ बंद थे। छत की मुँडेर से लेकर नीचे तक तेज़ धूप चिलचिला रही थी।

फिर कौन खरीद सकता है नई गेंद? दिनेश ने सुधीर, अनिल, अरविंद, आनंद, दीपक-सभी के नाम मन में दोहराए। यदि गेंद खरीदी भी है तो इस दोपहरी में इसे नीचे कौन फेंकेगा!

हो न हो, यह गेंद बाहर से ही आई है। उसने सड़क पर बने गोल चक्कर के बगीचे की ओर देखा

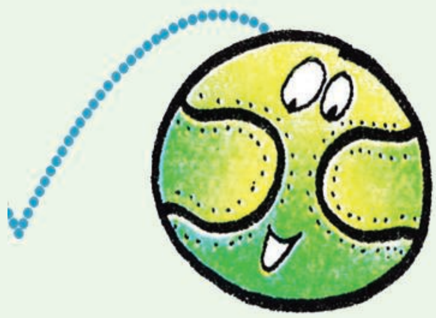

SCERT TELANGANA

परंतु वहाँ पर केवल दो-चार गायें ही दिखाई पड़ी जो पेड़ों के नीचे सुस्ता रही थीं। उसे ध्यान आया कि जाने कितनी बार अपने मोहल्ले की बच्चों की गेंदें क्रिकेट खेलते हुए दूर चली गई और फिर कभी नहीं मिलीं। एक बार तो एक गेंद एक चलते हुए ट्रक में भी जा पड़ी थी।

तभी भीतर से माँ की आवाज़ आई, ''अरे दिनेश, तू सुनेगा नहीं? सब अपने अपने घरों में सो रहे हैं और तू धूप में घूम रहा है।''

दिनेश गेंद को हाथ में लिए हुए भीतर आ गया। ठंडे फ़र्श पर बिछी चटाई पर वह लेट गया और सोचने लगा-भले ही यह गेंद मोहल्ले में से किसी की न हो, परंतु ईमानदारी इसी में है कि एक बार सबसे पूछ लिया जाए।

गर्मी की छुट्टियाँ थीं। बच्चों के खेलने की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक क्लब बनाया हुआ था। उस क्लब में सभी बच्चों के लिए बल्ले थे और गेंद खरीदने के लिए वे आपस में क्लब का चंदा देकर पैसे इकट्ठा कर लेते थे।

शाम को सारे बच्चे इकट्ठा हुए। दिनेश ने सभी से पूछा, ''मुझे एक गेंद मिली है। अगर तुममें से किसी की गेंद खो गई हो, तो उसकी पहचान बताकर गेंद मुझसे ले सकते हैं।''

तभी अनिल बोला, ''गेंद तो मेरी खो गयी है।''

''कब खोई थी तेरी गेंद?''

''यही कोई चार महीने पहले।''

''तो वह गेंद तेरी नहीं है'' दिनेश ने कहा।

''फिर वह मेरी होगी'' सुधीर ने तुरंत उस पर अपना अधिकार जताते हुए कहा।''

''वह कैसे'', दिनेश ने पूछा।

''तू मुझे गेंद दिखा

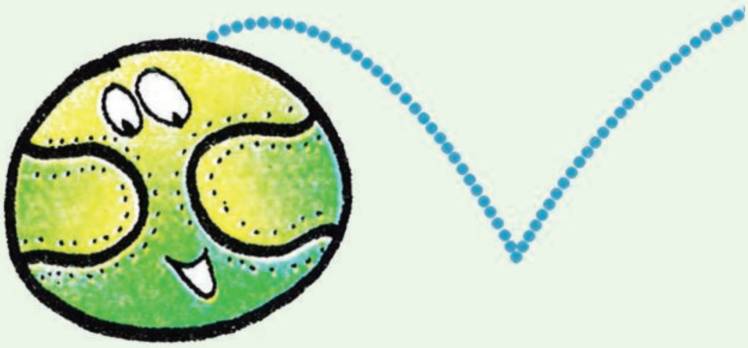

SCERT TELANGANA

दे, मैं अपनी निशानी बता दूँगा।''

''वाह! यह कैसे हो सकता है?'' दिनेश बोला, ''गेंद देखकर निशानी बताना कौन-सा कठिन है! बिना देखे बता, तब जानूँ।''

तभी ऊपर से दीपक उतर गया। दीपक अपना मतलब सिद्ध करने तथा अवसर पड़ने पर सभी को मित्र बना लेने में चतुर था। गेंद की बात सुनकर दीपक बोला,

''गेंद मेरी है।''

''कैसे तेरी है?'' सभी ने एक साथ पूछा, ''कल ही तो तू कह रहा था कि इस बार तेरे पापा तुझे गेंद लाने के लिए पैसे नहीं दे रहे हैं।''

''मेरी गेंद तो पाँच महीने पहले खोई थी'', दीपक ने कहा, ''जब बड़े भैया की शादी हुई थी न, तभी सुनील ने मेरी गेंद छत पर से नीचे फेंक दी थी।''

दिनेश अच्छी तरह जानता था कि यह गेंद दीपक की नहीं है। दीपक की गेंद पाँच महीने पहले खोई थी। और यह कभी हो ही नहीं सकता कि गेंद पाँच-छह महीने पड़ी रहे और उस पर मिट्टी का एक भी दाग न लगे।

दीपक ने कहा, ''मैं कुछ नहीं जानता। गेंद मेरी है। वह मेरी है और सिर्फ़ मेरी है।''

''अरे जा जा, बड़ा आया गेंदवाला! क्या सबूत है कि यही गेंद नीचे फेंकी थी'', अनिल ने पूछा।

दीपक ने कहा, ''हाँ, सबूत है।

SCERT TELANGANA

मुझे गेंद दिखा दो, मैं फ़ौरन बता दूँगा।''

दिनेश ने देखा कि झगड़ा बढ़ रहा है। गेंद हथियाने के लिए दीपक सुधीर और सुनील का सहारा ले रहा है।

वह जानता था कि यदि गेंद दीपक के पास चली गई तो ये तीनों मिलकर खेलेंगे।

''अच्छा मैं गेंद ला रहा हूँ। परंतु जब तक पक्का सबूत नहीं मिलेगा, मैं किसी को दूँगा नहीं'', दिनेश ने कहा।

गेंद आ गई। दीपक उसे देखते ही बोला, ''यह मेरी है, यही मेरी गेंद। यह लाल रंग का निशान मेरी ही गेंद पर था।''

''वाह! सभी गेंदों पर ऐसे ही निशान होते हैं'', अनिल ने दिनेश का साथ देते हुए कहा।

दीपक ने फ़िर ज़ोर लगाया, ''मैं अपने पापा से कहलवा सकता हूँ कि गेंद मेरी है।''

''अरे जा, ऐसे तो मैं अपने बड़े भाई से कहलवा सकता हूँ कि गेंद दिनेश की है।'' अनिल ने कहा।

''कुछ भी हो गेंद मेरी है'', दीपक ने उसे धरती पर मारते हुए कहा ''धरती पर टप्पा पड़ते हुए मेरी गेंद में से ऐसी ही आवाज़ आती थी।''

''मेरे साथ बाज़ार चल। दुकानों पर जितनी गेंदें हैं, सभी के टप्पे की आवाज़ ऐसी ही होगी'', अनिल ने फिर उसकी बात काट दी।

''अच्छी बात है, तो मैं इसे सड़क पर फेंक दूँगा। देखूँ कैसे कोई खेलेगा।'' दीपक ने जैसे ही गेंद को सड़क पर फेंकने के लिए हाथ उठाया कि अनिल और दिनेश ने उसे पकड़ लिया। अब दीपक ने रुआँसे होते हुए अपना अंतिम हथियार आज़माया। बोला, ''या तो गेंद मुझे दे दो, नहीं तो मैं इसके पैसे सुनील से लूँगा।''

अब तो सुनील, दीपक और सुधीर का गुट मज़बूत होने लगा था। तीनों का ही कहना था कि गेंद दीपक की है और उसे ही मिलनी चाहिए।

दिनेश तब तक चुप था। वास्तव में दिनेश का मन उस समय सबके साथ मिलकर

SCERT TELANGANA

उस गेंद से खेलने को कर रहा था। बोला, ''अब चुप भी रहो झगड़ा बाद में कर लेंगे। अपने-अपने बल्ले ले आओ, पहले खेल लें।''

पाँच मिनट के भीतर ही खेल आरंभ हो गया। दिनेश बल्लेबाजी कर रहा था। अभी दो-चार बार ही खेला था कि वह चमकदार नई गेंद एकदम ज़ोर से उछली और दरवाज़ा पार कर सड़क पर जाते हुए एक स्कूटर में बनी सामान रखने की जालीदार टोकरी में जा गिरी। स्कूटर वाले को शायद पता भी नहीं चला। तेज़ी से चलते हुए स्कूटर के साथ गेंद भी चली गई।

बच्चे पहले चिल्लाते हुए स्कूटर के पीछे भागे, परंतु जल्दी ही सब रुक गए। वे समझ गए थे कि स्कूटर के पीछे भागना बेकार है। एक पल के लिए सभी ने एक-दूसरे की ओर देखा और फिर सभी ठहाका मार कर हँस पड़े।

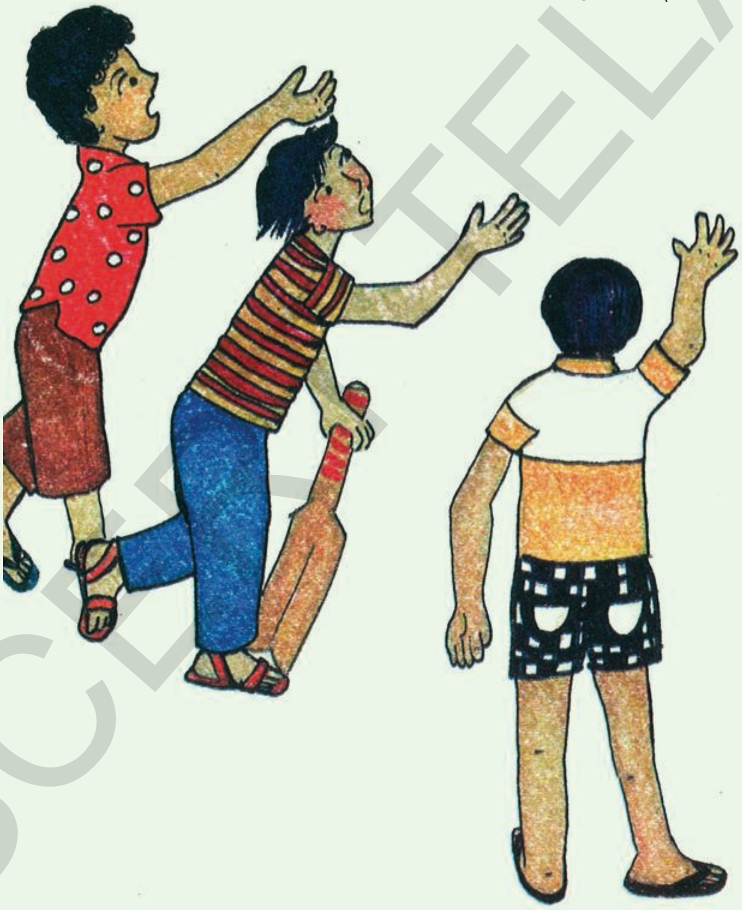

- शांताकुमारी जैन

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. गेंद का नाम सुनते ही आपके मन में क्या-क्या बातें आती हैं?
2. दीपक बार-बार गेंद को अपनी क्यों बता रहा होगा?
3. क्या परायी गेंद को अपनी गेंद मान सकते हैं? क्यों?
4. आप मित्रों के साथ खेलना चाहते हैं, समूह में खेलने का मज़ा कैसा होता है? बताइए।

पढ़िए

1. गेंद को कहाँ - कहाँ ढूँढ़ा गया?
2. दिनेश ने हाथ बढ़ाकर गेंद उठा ली। 'गेंद' का वर्णन कीजिए?
3. दिनेश लेटे-लेटे क्या सोचने लगा?
4. दीपक ने गेंद को अपना बताने के लिए उसके बारे में कौन-कौन सी बातें बनायी?
5. नई गेंद कौन खरीद सकता है - यह सोचते हुए दिनेश ने मन में किनके नाम दोहराए?
6. दीपक कैसा था? उसके बारे में बताइए।
7. दिनेश का मन सबके साथ मिलकर गेंद खेलने को कर रहा था। वह बोला --- -- (रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)
8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में दीजिए।
   1. दोपहर के समय दिनेश क्या कर रहा था? -----------
   2. धरती कैसे तप रही थी? -----------
   3. सामने की क्यारियों में कौनसे पौधे थे? -----------
   4. दिनेश को गड्ढे के ऊपर क्या दिखाई पड़ा? -----------
   5. सबसे पहले गेंद पर अपना अधिकार किसने जताया? -----------

SCERT TELANGANA

9. निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

1. दिनेश घर से बाहर भागा तब उसकी माँ ने क्या कहा?
2. दीपक कौनसे मामले में चतुर था?
3. दिनेश ने किसी को भी गेंद देने के बारे में क्या कहा? दिनेश की बल्लेबाज़ी में गेंद कहाँ उछल गयी?

लिखिए

I निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के लिए खेलने की सुविधा किस तरह की गई थी?
2. दिनेश के बारे में पाँच वाक्य लिखिए।
3. मित्रों के साथ खेलने में कितना मज़ा आता है-अपने शब्दों में लिखिए।
4. गर्मी की छुट्टियों में आपके मोहल्ले में आप किस प्रकार का खेल खेलते हैं?
5. मान लो आपको अपने स्कूल में क्लब बनाना है - उसके नियमों के बारे में लिखिए।
6. साथी हाथ बढ़ाना। - इस वाक्य पर पाँच वाक्य लिखिए।

शब्द भंडार

1. बेल पर लगने वाली एवं पौधों पर लगने वाली सब्जियों के नाम लिखिए।

बेल	पौधा
--------------- --------------- ---------------	--------------- --------------- ---------------

2. एक ही सब्जी या फल के नाम अलग-अलग स्थान पर अलग-अलग होते हैं। नीचे ऐसे कुछ नाम दिये गये हैं।

सीताफल	कांदा	बटाटा	अमरूद	तोरी	शरीफ़ा
काशीफल	बैंगन	तरबूज	घीया	कद्दू	कुम्हडा

SCERT TELANGANA

बताइए कि आपके घर, शहर या कस्बे में इनमें से कौन-कौन से शब्द इस्तेमाल किये जाते हैं? शेष नामों का इस्तेमाल किन-किन स्थानों पर होता है? पता कर लिखिए।

3. नीचे लिखे शब्दों के अर्थ लिखिए।

जैसे- **अधिकार** का अर्थ है **हक**

तुरंत ------------------	सिद्ध ------------------
निशानी ------------------	हथियार ------------------

4. कौन कहाँ रहता हैं? सही उत्तर पर घेरा लगाइए।

i.	दिनेश	एक मंज़िला मकान / तिमंज़िला मकान
ii.	घूँस	माँद में / गड्ढे में
iii.	गाय	गौशाला / बिल
iv.	घोड़ा	छत्ता / अस्तबल
v.	शेर	घर / माँद
vi.	बंदर	पेड़ों पर / घर में

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. किसी क्रिकेट खेल का आँखों देखा हाल का वर्णन कीजिए।

प्रशंसा

यदि आपकी पुस्तिका खो गई, आपके मित्र ने उसे खोजने में आपकी सहायता की। आप उसकी प्रशंसा में क्या कहना चाहेंगे? लिखिए।

SCERT TELANGANA

भाषा की बात

वाक्य ध्यान से पढ़िए।

गेंद ले रहा हूँ।

बॉल घेत आहे.

బంతి తీసుకుంటున్నాను.

Taking the ball.

उपरोक्त वाक्यों में हिंदी,मराठी और तेलुगु भाषा के वाक्यों में क्या समानता है और अंग्रेज़ी के वाक्य में क्या अंतर है। चर्चा कीजिए।

परियोजना कार्य

गेंद से खेले जाने वाले खेलों के नाम पता कीजिए और लिखिए। किसी एक खेल के बारे में लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर संवाद लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई-II

4. दोस्त की पोशाक

प्रश्नः

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. इस चित्र को देखकर आप क्या सोचते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

एक बार नसीरुद्दीन अपने बहुत पुराने दोस्त जमाल साहब से मिले। अपने पुराने दोस्त से मिलकर वे बड़े खुश हुए। कुछ देर गपशप करने के बाद उन्होंने कहा, '' चलो दोस्त, मोहल्ले में घूम आएँ।''

जमाल साहब ने जाने से मना कर दिया और कहा, '' अपनी इस मामूली सी पोशाक में मैं लोगों से नहीं मिल सकता।''

नसीरुद्दीन ने कहा, '' बस इतनी सी बात !''

नसीरुद्दीन तुरंत उनके लिए अपनी एक भड़कीली अचकन निकाल कर लाए और कहा, '' इसे पहन लो। इसमें तुम खूब अच्छे लगोगे। सब देखते रह जाएँगे।''

बन ठन कर दोनों घूमने निकले। दोस्त को लेकर नसीरुद्दीन पड़ोसी के घर गए। नसीरुद्दीन ने पड़ोसी से कहा,'' ये हैं मेरे खास दोस्त, जमाल साहब। आज कई सालों बाद इन से मुलाकात हुई है। वैसे जो अचकन इन्होंने पहन रखी है, वह मेरी है।''

यह सुन कर जमाल साहब पर तो मानों घड़ों पानी पड़ गया। बाहर निकलते ही मुँह बनाकर उन्होंने नसीरुद्दीन से कहा, '' तुम्हारी कैसी अकल है ! क्या यह बताना ज़रूरी था कि यह अचकन तुम्हारी है? तुम्हारा पड़ोसी सोच रहा होगा कि मेरे पास अपने कपड़े हैं ही नहीं।''

नसीरुद्दीन ने माफ़ी माँगते हुए कहा, ''गलती हो गई। अब ऐसा नहीं कहूँगा।''

अब नसीरुद्दीन उन्हें हुसैन

SCERT TELANGANA

SCERT TELANGANA

साहब से मिलवाने ले गए। हुसैन साहब ने गर्मजोशी से उनका स्वागत सत्कार किया। जब जमाल साहब के बारे में पूछा तो नसीरुद्दीन ने कहा,

“ जमाल साहब मेरे पुराने दोस्त है और इन्होंने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है।”

जमाल साहब फिर नाराज़ हो गए। बाहर आकर बोले, “ झूठ बोलने को किसने कहा था तुमसे?”

“ क्यों? ” नसीरुद्दीन ने कहा, “तुमने जैसा चाहा, मैंने वैसा ही तो कहा।”

“ पोशाक की बात कहे बिना काम नहीं चलता क्या? उसके बारे में न कहना ही अच्छा है” जमाल साहब ने समझाया।

जमाल साहब को लेकर नसीरुद्दीन आगे बढ़े। तभी एक अन्य पड़ोसी मिल गए। नसीरुद्दीन ने जमाल साहब का परिचय उनसे करवाया, “ मैं आप का परिचय अपने पुराने दोस्त से करवा दूँ। यह हैं जमाल साहब और इन्होंने जो अचकन पहनी है उसके बारे में मैं चुप ही रहूँ तो अच्छा है।”

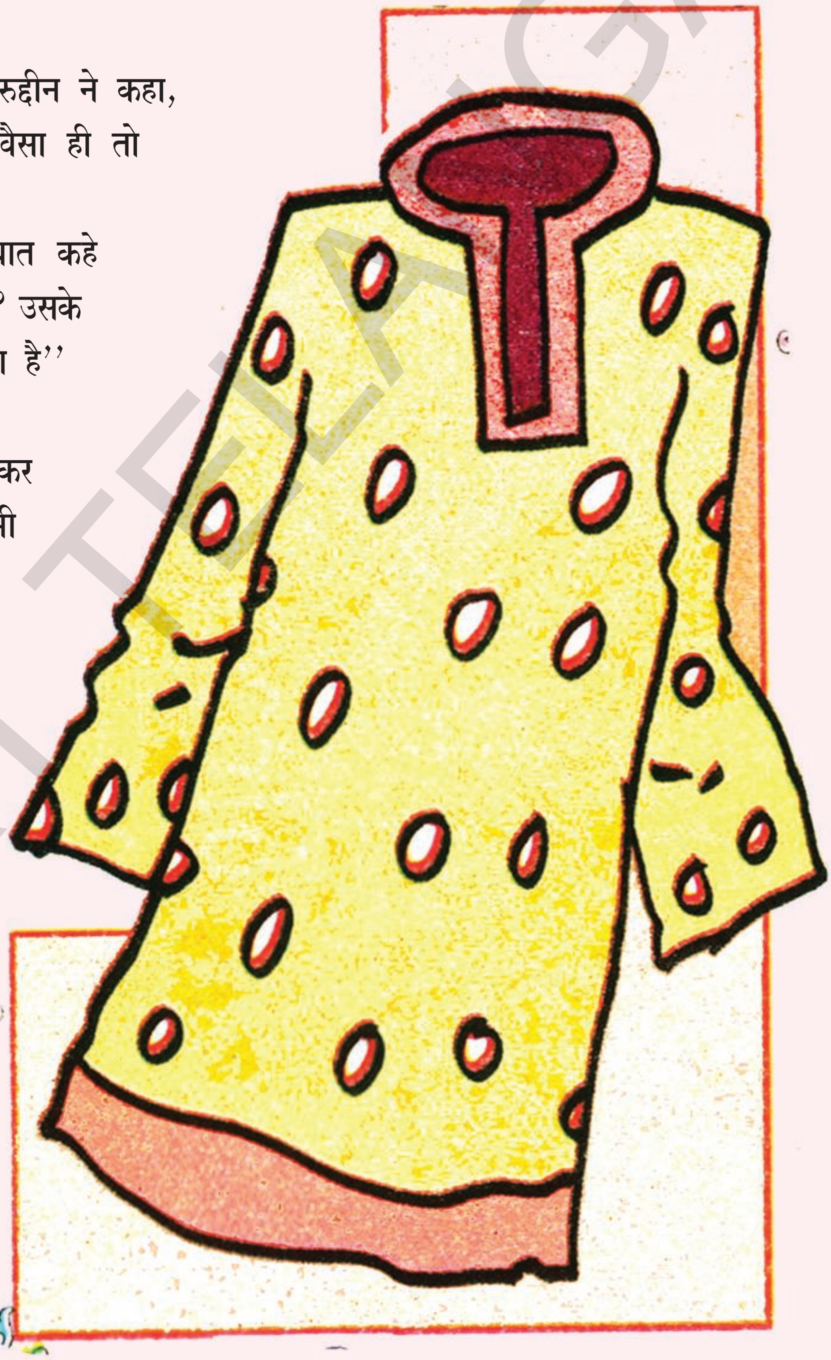

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. आप के दोस्तों के नाम बताइए।
2. आप कौन-कौन सी पोशाकें पहनते हैं? आप को कौनसी पोशाक अच्छी लगती है? क्यों?
3. पाठ के अंत में नसीरुद्दीन ने जो कहा, उस पर जमाल साहब ने क्या-क्या सोचा होगा?
4. आप किन-किन अवसरों पर बनते-ठनते हैं?
5. आप बन ठन कर कहाँ-कहाँ जाते हैं?
6. नसीरुद्दीन अपने दोस्त को मोहल्ला दिखाने ले गए। आप अपने दोस्त से मिलते हैं तब क्या-क्या करते हैं?

पढ़िए

क) पाठ के आधार पर निम्नलिखित वाक्य किसने कहा, बताइए।

1. "चलो दोस्त मोहल्ले में घूम आएँ। " --------------------
2. "तुम्हारी कैसी अकल?" --------------------
3. "झूठ बोलने को किसने कहा था तुम्हें" -------------------
4. "मैं आपका परिचय अपने पुराने दोस्त से करवा दूँ।" -----------

ख) निम्नलिखित अनुच्छेद धाराप्रवाह के साथ पढ़िए।

अब नसीरुद्दीन उन्हें हुसैन साहब से मिलवाने ले गए। हुसैन साहब ने गर्म जोशी से उनका स्वागत सत्कार किया। जब जमाल साहब के बारे में पूछा तो नसीरुद्दीन ने कहा, " जमाल साहब मेरे पुराने दोस्त हैं और इन्होंने जो अचकन पहनी है वह इनकी अपनी ही है।"

अब वाक्यों को पूरा कीजिए।

हुसैन साहब ने --

जमाल साहब --

जो अचकन पहनी है --

SCERT TELANGANA

ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. एक बार नसीरुद्दीन किससे मिले?
2. नसीरुद्दीन अपने दोस्त को लेकर घूमने कहाँ गये?
3. जमाल साहब ने जाने से क्यों मना किया?
4. हुसैन साहब ने उनका स्वागत कैसे किया?
5. जमाल साहब नाराज़ क्यों हुए?

घ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. अपने पुराने दोस्त से मिलकर वे बड़े ------------- हुए।
2. अपनी इस ----------- सी पोशाक में मैं लोगों से नहीं मिल सकता।
3. आज कई सालों बाद इनसे ---------- हुई है।
4. मेरे पास अपने -------------- हैं ही नहीं।
5. ---------------- बोलने को किसने कहा था तुमसे?

लिखिए

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

1. जमाल साहब मामूली पोशाक में लोगों से क्यों नहीं मिलना चाहते थे?
2. आप को भड़कीले रंगों की पोशाक पसंद है, या हल्के रंग की ? क्यों?
3. क्या आपने कभी किसी के कपड़े पहने हैं? यदि हाँ तो क्यों? यदि न तो क्यों?
4. अपने मित्र को अपने घर आप के जन्म दिन पर आने का निमंत्रण दीजिए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो वाक्यों में दीजिए।

1. आप के दोस्त आप के घर आते हैं, तब आप उन्हें कहाँ ले जाते हैं?
2. आप किन-किन अवसरों पर बनते-ठनते हैं?
3. आप के पड़ोस में कौन-कौन रहते हैं? आप को किस पड़ोसी का पहनावा अच्छा लगता है? क्यों?

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार वाक्य में दीजिए।

1. पाठ के आधार पर नसीरुद्दीन के स्वभाव का वर्णन कीजिए।
2. पाठ के आधार पर कोई चार प्रश्न बना कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए।
3. तीसरे मकान से बाहर निकल कर जमाल साहब ने नसीरुद्दीन से क्या कहा होगा?
4. नसीरुद्दीन अपनी अचकन के बारे में हमेशा क्यों बताते होंगे?

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(क) नीचे कुछ पोशाकों के चित्र व नाम दिए गए हैं। पोशाकों के नीचे नाम लिखिए।

पैजामा, पैंट, शर्ट, साड़ी, फ्राक, धोती, शरारा

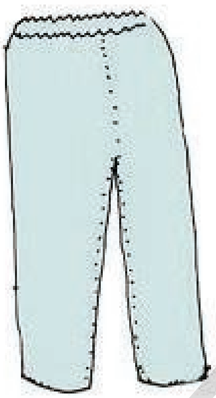

____

____

____

____

____

____

____

SCERT TELANGANA

(ख) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

गपशप, पड़ोसी, स्वागत, परिचय, नाराज़

(ग) जब हुसैन साहब ने अपनी बेगम को नसीरुद्दीन और जमाल साहब से मुलाकात का किस्सा सुनाया तब उन दोनों में जो बातचीत हुई उसे लिखकर बताइए।

बेगम :- कौन आया था?
हुसैन साहब :- नसीरुद्दीन अपने दोस्त के साथ आया था।
बेगम :-
हुसैन साहब :-
बेगम :-
हुसैन साहब :-
बेगम :-
हुसैन साहब :-
बेगम :-
हुसैन साहब :-

भाषा की बात

1. नसीरुद्दीन एक **भड़कीली अचकन** निकालकर लाए।
भड़कीली शब्द बता रहा है कि अचकन कैसी थी।
कहानी में से ऐसे ही और शब्द छाँटिए जो किसी के बारे में कुछ बताते हों। उन्हें छाँटकर नीचे दी गई जगह में लिखिए।
पुराना दोस्त -----------, -----------, -----------

2. साहब-बीबी - इसका अर्थ है, पति-पत्नी, निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर वाक्य फिर से लिखिए।
जैसे-
बादशाह दरबार में बैठे थे।
बेगम दरबार में बैठी थी।

SCERT TELANGANA

i. <u>राजा</u> ने आदेश दिया।

----

ii. <u>शहज़ादा</u> बगीचे में टहल रहा था।

----

iii. <u>राजकुमार</u> ने बात मान ली।

----

iv. <u>नौकर</u> पानी लेकर आया।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

प्रस्तावना चित्र के आधार पर एक कहानी लिखिए।

प्रशंसा

अपनी गलती को स्वीकार करने के लिए आप क्या-क्या करेंगे?

परियोजना कार्य

पाठ में मुहावरों का प्रयोग हुआ है। मुहावरे सुनकर मन में एक चित्र सा बनता है। आप किन्हीं पाँच मुहावरों को ढूँढ़िए और उनके अर्थ लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता हूँ। भाव बता सकता/सकती हूँ।		
2. इस तरह के पाठ पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर पात्राभिनय कर सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

पढ़िए... आनंद लीजिए

नसीरुद्दीन का निशाना

एक दिन नसीरुद्दीन अपने दोस्तों के साथ बैठे बतिया रहे थे। बात ही बात में उन्होंने गप्प मारना शुरू कर दिया, ''तीरंदाज़ी में मेरा मुकाबला कोई नहीं कर सकता। मैं धनुष कसता हूँ, निशाना साधता हूँ और तीर छोड़ता हूँ, शूँ... ऊँ... ऊँ। तीर सीधे निशाने पर लगता है।'' दोस्तों को विश्वास नहीं हुआ। उन्होंने नसीरुद्दीन की परीक्षा लेने का फ़ैसला किया। एक दोस्त भागा-भागा गया और तीर-धनुष खरीदकर ले आया। नसीरुद्दीन को थमाते हुए उसने कहा, ''ये लो तीर-धनुष और अब साधो अपना निशाना उस लक्ष्य पर। देखते हैं कि तुम सच बोल रहे हो या झूठ।''

नसीरुद्दीन फँस गए। उन्होंने धनुष अपने हाथों में उठाया, डोर खींची, निशाना साधा और छोड़ दिया तीर को।

शूँ... ऊँ... ऊँ।

तीर निशाने पर नहीं लगा। बल्कि वह तो बीच में ही कहीं गिर गया।

''हा ! हा ! हा ! हा ! हा !'' सभी दोस्त हँसने लगे।

''क्या यही तुम्हारा बेहतरीन निशाना था?'' उन्होंने कहा।

''नहीं, नहीं ! हरगिज़ नहीं ! यह तो काज़ी का निशाना था। मैं तो तुम्हें दिखा रहा था कि काज़ी कैसे निशाना लगाता है'', इतना कहते हुए

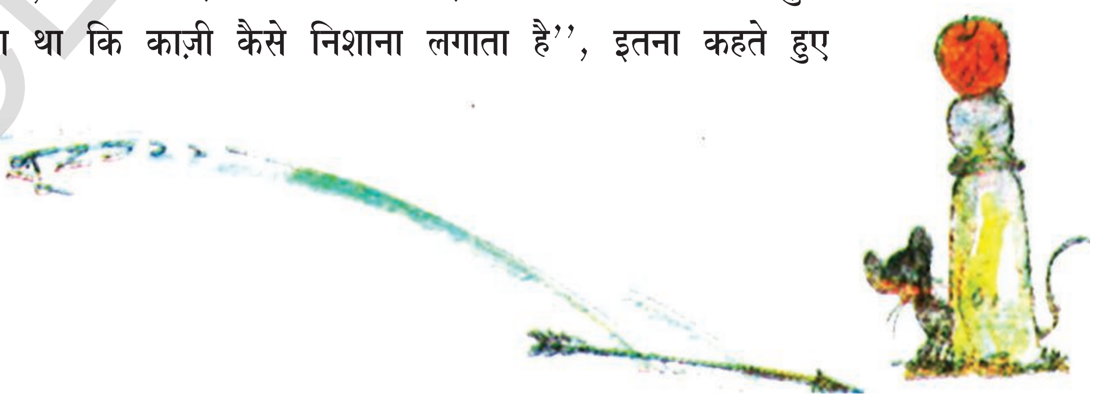

SCERT TELANGANA

नसीरुद्दीन ने दुबारा धनुष उठाया, डोर खींची, निशाना साधा और तीर को छोड़ दिया।

शूँ... ऊँ... ऊँ।

इस बार तीर पहले वाले तीर से तो थोड़ा आगे गिरा पर निशाना फिर भी चूक गया।

दोस्तों ने कहा, ''यह तो ज़रूर तुम्हारा ही निशाना था नसीरुद्दीन।''

''बिल्कुल नहीं'', नसीरुद्दीन ने कहा, ''यह मेरा नहीं सेनापति का निशाना था।''

एक दोस्त ने ताना कसा, ''सूची में अब अगला कौन है?''

इतना सुनते ही सबने जमकर ठहाका लगाया।

नसीरुद्दीन खामोश रहा। उसने चुपचाप एक और तीर उठाया।

नसीरुद्दीन ने एक बार फिर तीर चलाया।

शूँ... ऊँ... ऊँ !

इस बार तीर ठीक निशाने पर लग गया। सभी आश्चर्य से नसीरुद्दीन की ओर मुँह बाए ताकने लगे। इससे पहले कि कोई कुछ कह पाता नसीरुद्दीन ने एक विजेता के अंदाज़ में कहा, ''देखा तुमने! यह था मेरा निशाना।''

SCERT TELANGANA

जंगल में स्कूल
लुईस एम. फर्नांडिस
और प्रदीप साठे
अच्छा, मेरा घर कैसा लगा तुम्हें?
यह तो छोटा है।
और इस में दुर्गंध भी है।
दुर्गंध!
पर नज़ारा अच्छा है।
हाँ! पर...
...इस पेड़ को यहाँ से काट देना ही अच्छा होगा। इसे मैं दो चार दिनों में जला दूँगा।
मैं आशा करता हूँ कि तुम्हारे कहने का मतलब वह नहीं है।

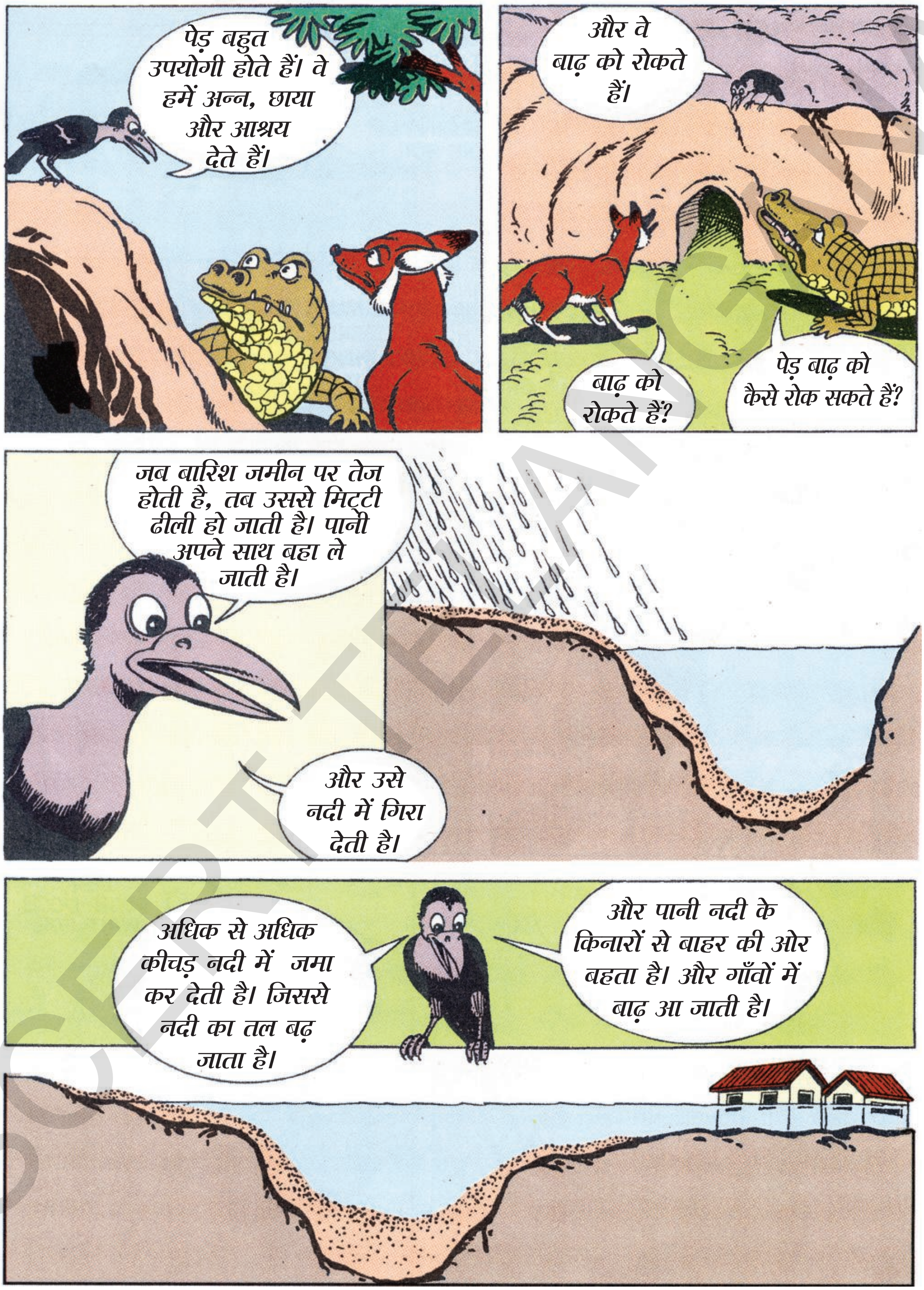

SCERT TELANGANA

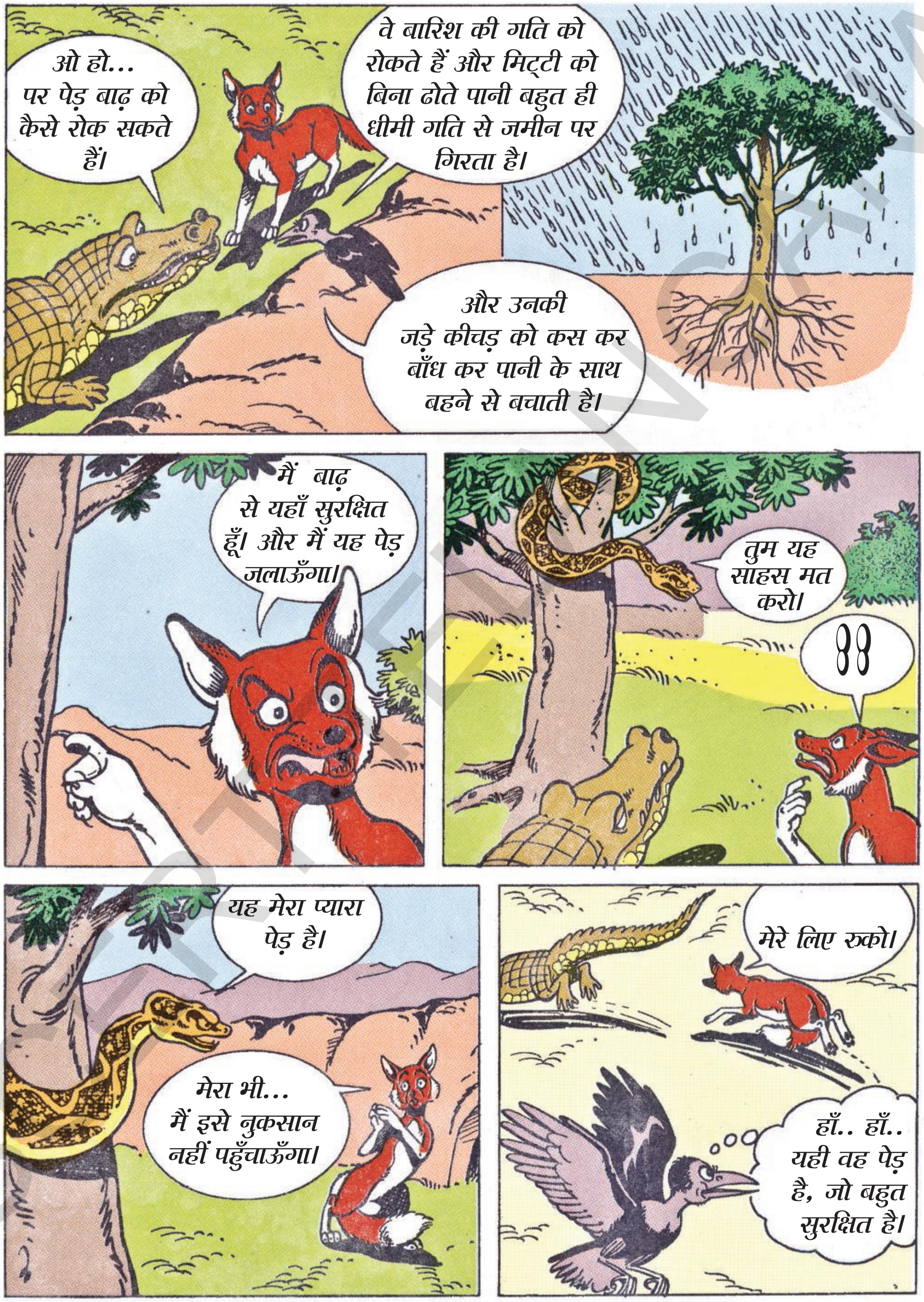
ओ हो... पर पेड़ बाढ़ को कैसे रोक सकते हैं।
वे बारिश की गति को रोकते हैं और मिट्टी को बिना ढोते पानी बहुत ही धीमी गति से जमीन पर गिरता है।
और उनकी जड़े कीचड़ को कस कर बाँध कर पानी के साथ बहने से बचाती है।
मैं बाढ़ से यहाँ सुरक्षित हूँ। और मैं यह पेड़ जलाऊँगा।
तुम यह साहस मत करो।
!!
यह मेरा प्यारा पेड़ है।
मेरा भी... मैं इसे नुकसान नहीं पहुँचाऊँगा।
मेरे लिए रुको।
हाँ.. हाँ.. यही वह पेड़ है, जो बहुत सुरक्षित है।

5. नाव बनाओ नाव बनाओ

प्रश्नः

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. बच्चे क्या कर रहे हैं?
3. बच्चे क्यों खुश है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

नाव बनाओ, नाव बनाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

वह देखो, पानी आया है,
घिर-घिर कर बादल छाया है,
सात समुंदर भर लाया है,

तुम रस का सागर भर लाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

पानी सचमुच खूब पड़ेगा,
लंबी-चौड़ी गली भरेगा,
लाकर घर में नदी धरेगा,

ऐसे में तुम भी लहराओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

गुल्लक भारी, अपनी खोलो,
हल्की मेरी, नहीं टटोलो,
पैसे नए-नए ही रोलो,

फिर बाज़ार लपक तुम लाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

SCERT TELANGANA

ले आओ कागज़ चमकीला,
लाल-हरा या नीला-पीला,
रंग-बिरंगा खूब रंगीला,

कैंची, चुटकी हाथ चलाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

छप-छप कर कूड़े से अड़ती,
बूँदों-लहरों लड़ती-बढ़ती,
सब की आँखों चढ़ती-गढ़ती

नाव तैरा मुझको हर्षाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

क्या कहते? मेरे क्या बस का?
क्यों? तब फिर यह किसके बस का?
खोट सभी है बस आलस का,

आलस छोड़ो. सब कर पाओ।
भैया मेरे, जल्दी आओ।।

- हरिकृष्णदास गुप्त

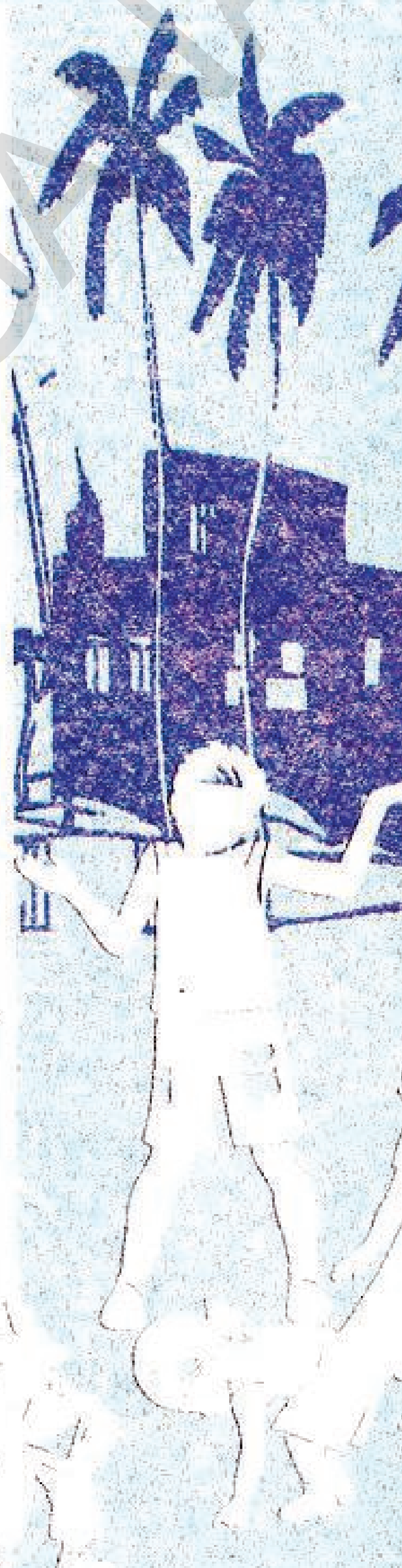

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. कविता के चित्र का वर्णन कीजिए।
2. कागज़ की नाव कैसे बनाते हैं?
3. बारिश के समय आपको क्या-क्या करना अच्छा लगता है?
4. तेज़ बारिश होने पर गली, सड़कों की हालत कैसी हो जाती है।
5. कागज़ की नाव आप खुद बनाते हैं या आपके बड़े भाई या बहन से बनवाते हैं?
6. क्या आपको बारिश में भीगना अच्छा लगता है। क्यों?

पढ़िए

(क) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

i. गुल्लक भारी, अपनी खोलो।
किसकी गुल्लक भारी है। किसकी गुल्लक हल्की है?

----

ii. बूँदों लहरों लड़ती-बढ़ती
कौन बूँदों और लहरों से लड़ते हुए आगे बढ़ रही है?

----

iii. क्या कहते? मेरे क्या बस का?
भैया ने क्या बहाना किया? क्यों?

(ख) पंक्तियों को पूरा कीजिए।

i. वह देखो, ----------------------------

--------------------------- भर लाया है।

ii. ले आओ ------------------------------

--------------------------- खूब रंगीला।

SCERT TELANGANA

(ग) निम्नलिखित भाव की पंक्तियाँ लिखिए।

iii. पानी इतना बरसेगा कि लंबी-चौड़ी गलियाँ भर जाएगी।

----

iv लाल-हरे या नीले-पीले चमकीले कागज़ लाओ।

(घ) कविता के आधार पर जोड़ियाँ बनाइए।

तुम रस का	लपक तुम जाओ
फिर बाज़ार	मुझको हर्षाओ।
कैंची, चुटकी	सब कर पाओ।
आलस छोड़ो	भी लहराओ।
ऐसे में तुम	सागर भर लाओ।
नाव तैरा	हाथ चलाओ।

अब इन पूरी पंक्तियों को धाराप्रवाह के साथ पढ़िए।

लिखिए

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

1. ऋतुएँ कितनी होती हैं? उनके नाम बताइए?
2. 'गुल्लक' शब्द का अर्थ बताइए?
3. भाई बहिन के रिश्ते से संबंधित त्योहार का नाम बताइए।
4. क्या इस त्योहार के दिन पाठशाला को छुट्टी होती है? आप उस दिन कौनसा विशेष पकवान खाते हैं?

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दीजिए।

1. कागज़ की नाव कैसे बनाते हैं? बताइए।
2. आप के भैया भी कुछ काम न करने के लिए कौनसा बहाना बनाते हैं? बताइए।
3. आपको नाव पर बैठना है - पिताजी को कैसे मनाओगे?
4. कविता पढ़ने पर आप के मन में कई चित्र उभरते हैं, उनके बारे में बताइए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में दीजिए।

1. बरसात के दिनों में घरों में पानी की बौछार आ जाती है। कभी-कभी छत से पानी टपकता है। ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए आपके घर में क्या-क्या किया जाता है?
2. बारिश के मौसम में गलियों और सड़कों पर भी पानी भर जाता है। आपके मोहल्ले और घर के आस-पास बारिश आने पर क्या-क्या होता है? बताइए।

शब्द भंडार

(क) निम्नलिखित पंक्ति को ध्यान से पढ़िए।

पानी सचमुच खूब पड़ेगा।

सचमुच का इस्तेमाल करते हुए दो वाक्य बनाइए।

1. --
2. --

(ख) कविता में 'धीरे-धीरे' से 'लंबी-चौड़ी' ऐसे जोड़ेवाले शब्द आये हैं। ऐसे ही अन्य शब्द लिखिए।

----------------- ---------------- ---------------

----------------- ---------------- ---------------

(ग) कविता में पानी के रूपों के कई अलग-अलग नाम आये हैं - उन्हें चुनकर लिखिए।

----------------- ---------------- ---------------

----------------- ---------------- ---------------

(घ) कविता की पंक्तियाँ ध्यान से पढ़िए।

जैसे- गुल्लक **भारी** अपनी खोलो ,

हल्की मेरी , नहीं टटोलो

अब निम्नलिखित रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य बनाइए।

i. भैया **मेरे**, **जल्दी** आओ

----

ii. पैसे नए-**नए** ही रोलो

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. कागज़ की नाव बनाकर अपनी कक्षा पुस्तिका में चिपकाइए, और नाव कैसे बनाई जाती है, उसके बारे में लिखिए।
2. बरसात पर पहले कभी कोई कविता या लोकगीत सुना होगा, उसे लिखिए।

प्रशंसा

बरसात संबंधी तेलुगु या कोई अन्य भाषा की कविता कक्षा में सुनाइए।

भाषा की बात

क) पिछले साल मुसकान में तुम ने पढ़ा था कि बनाना काम वाला शब्द होता है। काम वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं। इस में ढ़ेर सारी क्रियाएँ या काम वाले शब्द आए हैं। उन्हें छाँटिए और नीचे लिखिए।

....
....
....
....

ख) आपने जो क्रियाएँ छाँटी हैं, वर्णमाला के हिसाब से उनके आगे 1,2,3 आदि लिखकर उन्हें क्रम में लगाइए।

....
....
....
....

SCERT TELANGANA

2. इस कविता में कहीं **'मेरे'** कहीं **'मेरी'** का प्रयोग हुआ है।

जैसे- भैया मेरे, हल्की मेरी

अब बताइए निम्नलिखित शब्दों के पहले क्या लिखना है।

1. ----------- मेरा	1. ----------- मेरे	1. ----------- मेरी
2. ----------- मेरा	2. ----------- मेरे	2. ----------- मेरी
3. ----------- मेरा	3. ----------- मेरे	3. ----------- मेरी

परियोजना कार्य

अपने घर में बड़ों से बात करके पता कीजिए और लिखिए कि वर्षा के दिन अपनी सुरक्षा के लिए कौन-कौनसी सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं का भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ		

पानी बचाएँ - जीवन बचाएँ

SCERT TELANGANA

6. दान का हिसाब

प्रश्नः

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. राजा क्या कर रहे हैं?
3. इस चित्र को देखकर आप को कौनसी कहानी याद आती है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

एक था राजा। राजा जी लकदक कपड़े पहनकर यूँ तो हज़ारों रूपया खर्च करते रहते थे, पर दान के वक्त उनकी मुट्ठी बंद हो जाती थी।

राजसभा में एक से एक नामी लोग आते रहते थे, लेकिन गरीब, दुखी ,विद्वान, सज्जन इनमें से कोई भी नहीं आता था क्योंकि वहाँ पर इनका बिल्कुल सत्कार नहीं होता था।

एक बार उस देश में अकाल पड़ गया। पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे। राजा के पास खबर आई। वे बोले, ''यह तो भगवान की मार है, इसमें मेरा कोई हाथ नहीं है।''

लोगों ने कहा, ''महाराज, राजभंडार से हमारी सहायता करने की कृपा करें, जिससे हम लोग दूसरे देशों से अनाज खरीदकर अपनी जान बचा सकें।''

राजा ने कहा, ''आज तुम लोग अकाल से पीड़ित हो, कल पता चलेगा, कहीं भूकंप आया है। परसों सुनूँगा, कहीं के लोग बड़े गरीब हैं, दो वक्त की रोटी नहीं जुटती। इस तरह सभी की सहायता करते-करते जब राजभंडार खत्म हो जाएगा तब खुद मैं ही दिवालिया हो जाऊँगा।'' यह सुनकर सभी निराश होकर लौट गए।

इधर अकाल का प्रकोप फैलता ही जा रहा था। न जाने रोज़ कितने ही लोग भूख से मरने लगे। लोग फिर राजा के पास पहुँचे। उन्होंने राजसभा में गुहार लगाई,

SCERT TELANGANA

‘‘दुहाई महाराज! आपसे ज्यादा कुछ नहीं चाहते, सिर्फ़ दस हज़ार रूपये हमें दे दें तो हम आधा पेट खाकर भी ज़िंदा रह जाएँगे।’’

राजा ने कहा, ‘‘दस हज़ार रूपये भी क्या तुम्हें बहुत कम लग रहे हैं? और उतने कष्ट से जीवित रहकर लाभ ही क्या है!’’

एक व्यक्ति ने कहा, ‘‘भगवान की कृपा से लाखों रूपए राजकोष में मौजूद हैं। जैसे धन का सागर हो। उसमें से एक-आध लोटा ले लेने से महाराज का क्या नुकसान हो जाएगा!’’

राजा ने कहा, ‘‘राजकोष में अधिक धन है तो क्या उसे दोनों हाथों से लुटा दूँ?’’

एक अन्य व्यक्ति ने कहा, ‘‘महल में प्रतिदिन हज़ारों रूपये इन सुगंधित वस्त्रों, मनोरंजन और महल की सजावट में खर्च होते हैं। यदि इन रूपयों में से ही थोड़ा-सा धन ज़रूरतमंदों को मिल जाए तो उन दुखियों की जान बच जाएगी।’’

यह सुनकर राजा को क्रोध आ गया। वह गुस्से से बोला, ‘‘खुद भिखारी होकर मुझे उपदेश दे रहे हो? मेरा रूपया है, मैं चाहे उसे उबालकर खाऊँ चाहे तलकर ! मेरी मर्ज़ी। तुम अगर इसी तरह बकवास करोगे तो मुश्किल में पड़ जाओगे। इसलिए इसी वक्त तुम चुपचाप खिसक जाओ।’’

राजा का क्रोध देखकर लोग वहाँ से चले गए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

राजा हँसते हुए बोला, ''छोटे मुँह बड़ी बात! अगर सौ-दो सौ रूपए होते तो एक बार सोच भी सकता था। पहरेदारों की खुराक दो-चार दिन कम कर देता और यह रकम पूरी भी हो जाती। मगर सौ-दो सौ से इन लोगों का पेट नहीं भरेगा, एकदम दस हज़ार माँग बैठे। छोटे लोगों के कारण नाक में दम हो गया है।''

यह सुनकर वहाँ उपस्थित लोग हाँ-हूँ कर कर रह गए। मगर मन ही मन उन्होंने भी सोचा, ''राजा ने यह ठीक नहीं किया। जरूरतमंदों की सहायता करना तो राजा का कर्त्तव्य है।''

दो दिन बाद न जाने कहाँ से एक बूढ़ा संन्यासी राजसभा में आया। उसने राजा को आशीर्वाद देते हुए कहा, ''दाता कर्ण महाराज! बड़ी दूर से आपकी प्रसिध्दि सुनकर आया हूँ। संन्यासी की इच्छा भी पूरी कर दें।''

अपनी प्रशंसा सुनकर राजा बोला, ''ज़रा पता तो चले तुम्हें क्या चाहिए? यदि थोड़ा कम माँगो तो शायद मिल भी जाए।''

संन्यासी ने कहा, ''मैं तो संन्यासी हूँ। मैं अधिक धन का क्या करूँगा! मैं राजकोष से बीस दिन तक बहुत मामूली भिक्षा प्रतिदिन लेना चाहता हूँ। मेरा भिक्षा लेने का नियम इस प्रकार है, मैं पहले दिन जो लेता हूँ , दूसरे दिन उसका दुगुना, फिर तीसरे दिन उसका दुगुना, फिर चौथे दिन तीसरे दिन का दुगुना। इसी तरह से प्रतिदिन दुगुना लेता जाता हूँ। भिक्षा लेने का मेरा यही तरीका है।''

राजा बोला, ''तरीका तो समझ गया। मगर पहले दिन कितना लेंगे, यही असली बात है। दो-चार रूपयों से पेट भर जाए तो अच्छी बात है, मगर एकदम से बीस - पचास माँगने लगे, तब तो बीस दिन में काफ़ी बड़ी रकम हो जाएगी।''

संन्यासी ने हँसते हुए कहा, ''महाराज, मैं लोभी नहीं हूँ। आज मुझे एक रूपया दीजिए, फिर बीस दिन तक दुगुने करके देते रहने का हुक्म दे दीजिए।''

यह सुनकर राजा, मंत्री और दरबारी सभी की जान में जान आई। राजा ने हुक्म दे दिया कि संन्यासी के कहे अनुसार बीस दिन तक राजकोष से उन्हें भिक्षा दी जाती रहे।

SCERT TELANGANA

संन्यासी राजा की जय-जयकार करते हुए घर लौट गए।

राजा के आदेश के अनुसार राजभंडारी प्रतिदिन हिसाब करके संन्यासी को भिक्षा देने लगा। इस तरह दो दिन बीते, दस दिन बीते। दो सप्ताह तक भिक्षा देने के बाद भंडारी ने हिसाब करके देखा कि दान में काफ़ी धन निकला जा रहा है। यह देखकर उन्हें उलझन महसूस होने लगी। महाराज तो कभी किसी को इतना दान नहीं देते थे। उसने यह बात मंत्री को बताई।

मंत्री ने कुछ सोचते हुए कहा, ''वाकई, यह बात तो पहले ध्यान में ही नहीं आई थी। मगर अब कोई उपाय भी नहीं है। महाराज का हुक्म बदला नहीं जा सकता।''

इसके बाद फिर कुछ दिन बीते। भंडारी फिर हड़बड़ाता हुआ मंत्री के पास पूरा हिसाब लेकर आ गया। हिसाब देखकर मंत्री का चेहरा फीका पड़ गया।

वह अपना पसीना पोंछकर, सिर खुजलाकर, दाढ़ी में हाथ फेरते हुए बोला, ''यह क्या कर रहे हो!अभी तो इतना धन चला गया है! तो फिर बीस दिनों के अंत में कितने रुपये होंगे?

भंडारी बोला, ''जी, पूरा हिसाब तो नहीं किया है।''

मंत्री ने कहा, ''तो तुरंत बैठकर, अभी पूरा हिसाब करो।''

भंडारी हिसाब करने बैठ गया। मंत्री महाशय अपने माथे पर बर्फ़ की पट्टी लगाकर

दान का हिसाब

पहला दिन	1	रुपये
दूसरा दिन	2	रुपये
तीसरा दिन	4	रुपये
चौथा दिन	8	रुपये
पाँचवाँ दिन	16	रुपये
छठा दिन	32	रुपये
सातवाँ दिन	64	रुपये
आठवाँ दिन	128	रुपये
नवाँ दिन	256	रुपये
दसवाँ दिन	512	रुपये
ग्यारहवाँ दिन	1024	रुपये
बारहवाँ दिन	2048	रुपये
तेरहवाँ दिन	4096	रुपये
चौदहवाँ दिन	8192	रुपये
पंद्रहवाँ दिन	16384	रुपये
सोलहवाँ दिन	32768	रुपये
सत्रहवाँ दिन	65536	रुपये
अठारहवाँ दिन	131072	रुपये
उन्नीसवाँ दिन	262144	रुपये
बीसवाँ दिन	524288	रुपये
कुल	1048575	रुपये

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

तेज़ी से पंखा झलवाने लगे।

कुछ ही देर में भंडारी ने पूरा हिसाब कर लिया।

मंत्री ने पूछा ''कुल मिलाकर कितना हुआ?''

भंडारी ने हाथ जोड़कर कहा, ''जी, दस लाख अड़तालीस हज़ार पाँच सौ पचहत्तर रुपये।''

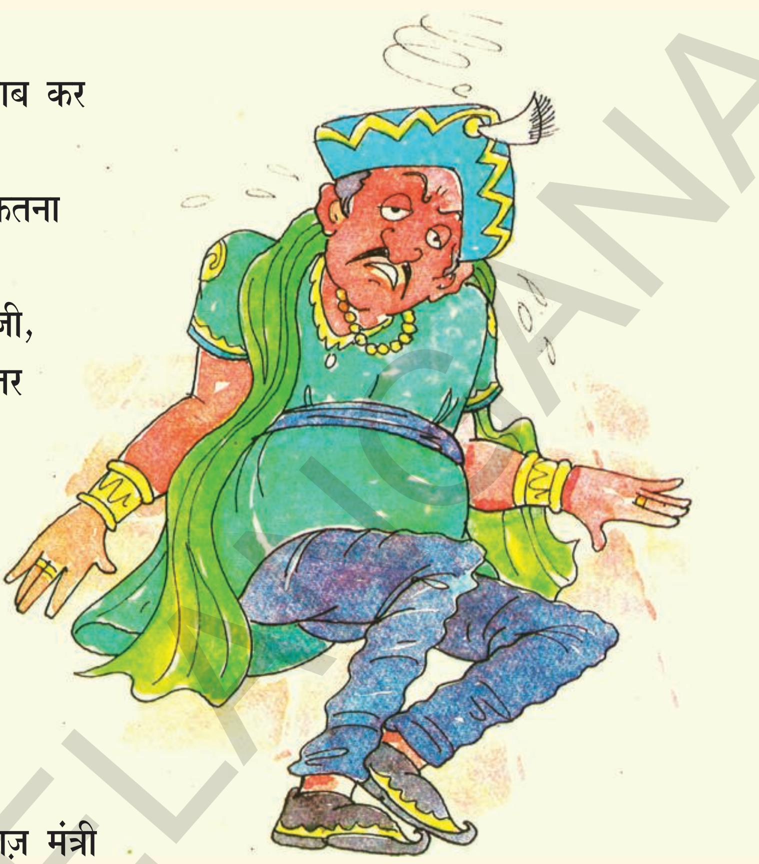

मंत्री गुस्से में बोला, ''मज़ाक कर रहे हो?'' यदि संन्यासी को इतने रूपये दे दिए तब तो राजकोष खाली हो जाएगा।''

भंडारी ने कहा, ''मज़ाक क्यों करूँगा? आप ही हिसाब देख लीजिए।''

यह कहकर उसने हिसाब का कागज़ मंत्री जी को दे दिया। हिसाब देखकर मंत्री जी को चक्कर आ गया। सभी उन्हें सँभालकर बड़ी मुश्किलों से राजा के पास ले गए।

राजा ने पूछा, ''क्या बात है?''

मंत्री बोले, ''महाराज, राजकोष खाली होने जा रहा है।''

राजा ने पूछा, ''वह कैसे?''

मंत्री बोले, ''महाराज, संन्यासी को आपने भिक्षा देने का हुक्म दिया है। मगर अब पता चला है कि उन्होंने इस तरह राजकोष से करीब दस लाख रूपये झटकने का उपाय कर लिया है।''

राजा ने गुस्से से कहा, ''मैंने इतने रूपये देने का आदेश तो नहीं दिया था। फिर इतने रुपये क्यों दिए जा रहे हैं? भंडारी को बुलाओ।''

मंत्री ने कहा, ''जी सब कुछ आपके हुक्म के अनुसार ही हुआ है। आप खुद ही दान का हिसाब देख लीजिए।''

राजा ने उसे एक बार देखा, दो बार देखा, इसके बाद वह बेहोश हो गया। काफ़ी कोशिशों के बाद उनके होश में आ जाने पर लोग संन्यासी को बुलाने दौड़े।

संन्यासी के आते ही राजा रोते हुए उनके पैरों पर गिर पड़ा। बोला, ''दुहाई है संन्यासी महाराज,

SCERT TELANGANA

मुझे इस तरह जान-माल से मत मारिए। जैसे भी हो एक समझौता करके मुझे वचन से मुक्त कर दीजिए। अगर आप को बीस दिन तक भिक्षा दी गई तो राजकोष खाली हो जाएगा। फिर राज-काज कैसे चलेगा!''

संन्यासी ने गंभीर होकर कहा, ''इस राज्य में लोग अकाल से मर रहे हैं। मुझे उनके लिए केवल पचास हज़ार रुपए चाहिए। वह रुपया मिलते ही मैं समझूँगा मुझे मेरी पूरी भिक्षा मिल गई है।''

राजा ने कहा, ''परंतु उस दिन एक आदमी ने मुझसे कहा था कि लोगों के लिए दस हज़ार रूपये ही बहुत होंगे।''

संन्यासी ने कहा, ''मगर आज मैं कहता हूँ कि पचास हज़ार से एक पैसा कम नहीं लूँगा।''

राजा गिड़गिड़ाया, मंत्री गिड़गिड़ाए, सभी गिड़गिड़ाए। मगर संन्यासी अपने वचन पर डटा रहा। आखिरकार लाचार होकर राजकोष से पचास हज़ार रुपए संन्यासी को देने के बाद ही राजा की जान बची।

पूरे देश में खबर फैल गई कि अकाल के कारण राजकोष से पचास हज़ार रूपये राहत में दिए गए हैं। सभी ने कहा, ''हमारे महाराज कर्ण जैसे ही दानी हैं।''

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. दान क्या होता है। किन-किन कारणों से लोग दान करते हैं?
2. दान देने के अलावा और किन-किन तरीकों से लोगों की सहायता की जा सकती है?
3. यदि आपने अपने मित्र को लिखने के लिए अपनी कलम दी तो - क्या उसे दान कह सकते हैं?
4. किसी को कुछ देते समय अपना हाथ कैसा रहता है और कुछ लेते समय अपना हाथ कैसा रहता है?
5. कर्ण कौन थे? कर्ण जैसे दानी होने का क्या मतलब है?
6. राजा की जिम्मेदारियाँ क्या-क्या होती हैं?

पढ़िए

1. **निम्नलिखित अनुच्छेद पढिए, और तीन प्रश्न बनाइए।**

   राजा बोला, ''तरीका तो समझ गया। मगर पहले दिन कितना लेंगे, यही असली बात है। दो-चार रूपयों से पेट भर जाए तो अच्छी बात है, मगर एकदम से बीस - पचास माँगने लगे, तब तो बीस दिन में काफ़ी बड़ी रकम हो जाएगी।''

   i. ---
   ii. ---
   iii. ---

2. **निम्नलिखित वाक्यों को किस तरह से कहेंगे?**

   (क) दान के वक़्त उनकी मुट्ठी बंद हो जाती थी।
   (ख) हिसाब देख कर मंत्री का चेहरा फीका पड़ गया।
   (ग) संन्यासी की बात सुनकर सभी की जान में जान आयी।
   (घ) लाखों रूपये राजकोष में मौजूद हैं। जैसे धन का सागर हो।

3. **निम्नलिखित अनुच्छेद धाराप्रवाह के साथ पढ़िए।**

   भंडारी फिर हड़बड़ाता हुआ मंत्री के पास पूरा हिसाब लेकर आ गया। हिसाब देखकर मंत्री का चेहरा फीका पड़ गया। वह अपना पसीना पोंछकर, सिर खुजलाकर, दाढ़ी में हाथ फेरते हुए बोला।

   अब इस अनुच्छेद में आये मुहावरों को छाँटिए और उनके अर्थ लिखिए।

SCERT TELANGANA

4. **त्रुटियों को पहचान कर वाक्यों को सही लिखिए।**

राजा के आदेश के अनुसार राजबंडारी प्रतीदिन हीसाब करके सन्यासी को भीक्षा देने लगा। इस तरह दो दीन बीते, दस दीन बीते।

5. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

i. दरबार में कौन लोग नहीं आते थे?

ii. अकाल पड़ने से लोग भूखे-प्यासे मरने लगे तब राजा ने क्या कहा?

iii. एक बूढ़े संन्यासी ने राजसभा में आकर क्या आशीर्वाद दिया?

iv. अंत में राजा को कितने पैसे देने पड़े?

लिखिए

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

i. अतिवृष्टि होने से देश भर में क्या होगा? बताइए।

ii. अतिवृष्टि होने पर सरकार की योजना क्या होती है? बताइए।

iii. राजा का कर्त्तव्य क्या होता है?बताइए।

iv. क्या राजकोष के धन से देश का संकट दूर हो सकता है? कैसे?

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सोचकर लिखिए

i. अकाल से पीड़ित लोगों की मदद कैसे करेंगे? बताइए।

ii. बरसात अधिक होने से अतिवृष्टि हो जाती है। बरसात नहीं होने से क्या होता है?

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(क) पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे।

1. **'पूर्व'** शब्द के दो अर्थ हैं।

पूर्व - एक दिशा

पूर्व - पहले

नीचे ऐसे ही कुछ और शब्द दिये गये हैं जिनके दो-दो अर्थ हैं। इनका प्रयोग करते हुए दो-दो वाक्य बनाइए।

जल 1. --

2. --

मन 1. --

2. --

मगर 1. --

2. --

(ख) नीचे चार दिशाओं के नाम लिखे हैं।

तुम्हारे घर और स्कूल के आस पास इन दिशाओं में क्या-क्या हैं?

तालिका भरिए-

दिशा	घर के पास	स्कूल के पास
पूर्व		
पश्चिम		
उत्तर		
दक्षिण		

(ग) जरूरत + मंद = ज़रूरतमंद इसी प्रकार मंद शब्द जोड़कर पाँच शब्द बना कर लिखिए।

--------- --------- --------- --------- ---------

SCERT TELANGANA

घ. एक बार उस देश में अकाल पड़ गया। पूर्वी सीमा के लोग भूखे-प्यासे मरने लगे। राजा के पास <u>खबर</u> आयी। खबर का अर्थ है समाचार। आजकल समाचार कैसे पहुँचाया जाता हैं?

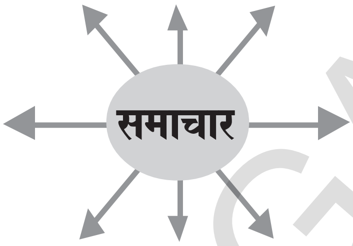

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

छुट्टी के दिन आप अपने माता-पिता के साथ बाज़ार जाते होंगे। बाज़ार में खरीदी गयी चीज़ों की सूची बनाकर हिसाब लगाइए।

प्रशंसा

राजा हो या मंत्री अपने देश का भला चाहते हैं। हम सब उनके प्रति आभार कैसे व्यक्त करेंगे?

भाषा की बात

(क) निम्नलिखित डिब्बों में से पाठ से संबंधित शब्दों को लिखिए।

राजा	रानी	मंत्री	दरबारी
संन्यासी	पहरेदार	शिक्षक	महाराज
माता	राज भंडारी	पिता	भाई

SCERT TELANGANA

(ख)'राजा' को 'बादशाह' भी कहते हैं।

तालिका के शब्दों को उनके सामने लिखी हुई भाषा में लिखिए।

शब्द	हिंदी	उर्दू	अंग्रेज़ी	कन्नड़	तेलुगु
धन	पैसा	दौलत	मनी	रोक्का	डब्बू
मुश्किल					
अकाल					
क्रोध					
इच्छा					
हानि					

परियोजना कार्य

इस वर्ष हमारे देश में वर्षा अधिक हुई। अतिवृष्टि के कारण नुकसान हुए प्रदेशों, शहरों के चित्र एकत्र कीजिए। उन प्रदेशों के नाम लिख कर कक्षा में प्रदर्शित करें।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर एक छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

7. कौन?

प्रश्नः

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. चित्रों की कहानी बताइए।
3. अंतिम चित्र में बिल्ली क्या सोच रही होगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

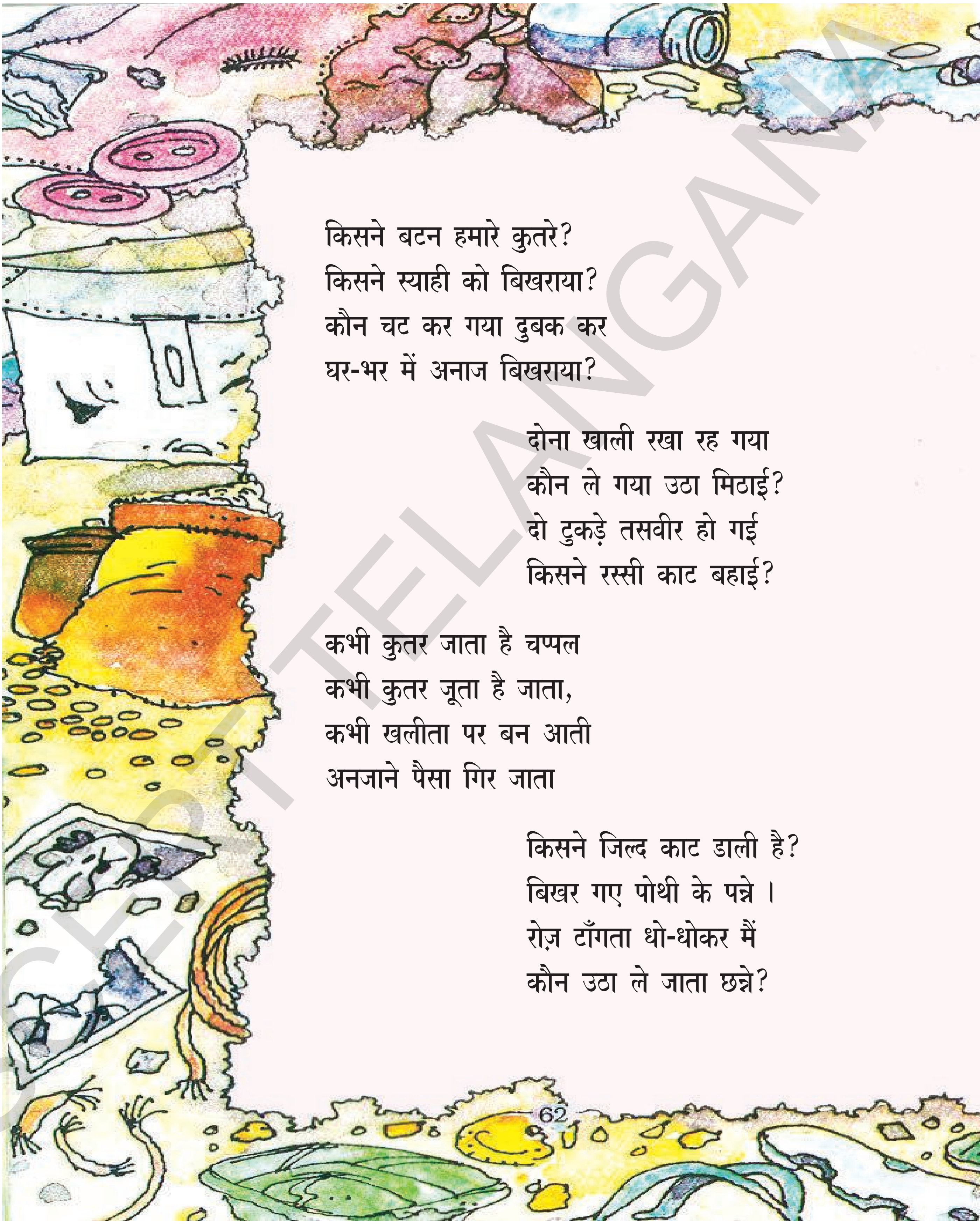

किसने बटन हमारे कुतरे?
किसने स्याही को बिखराया?
कौन चट कर गया दुबक कर
घर-भर में अनाज बिखराया?

दोना खाली रखा रह गया
कौन ले गया उठा मिठाई?
दो टुकड़े तसवीर हो गई
किसने रस्सी काट बहाई?

कभी कुतर जाता है चप्पल
कभी कुतर जूता है जाता,
कभी खलीता पर बन आती
अनजाने पैसा गिर जाता

किसने जिल्द काट डाली है?
बिखर गए पोथी के पन्ने ।
रोज़ टाँगता धो-धोकर मैं
कौन उठा ले जाता छन्ने?

SCERT TELANGANA

कुतर-कुतर कर कागज़ सारे
रद्दी से घर को भर जाता ।
कौन कबाड़ी है जो कूड़ा
दुनिया भर का घर भर जाता?

कौन रात भर गड़बड़ करता?
हमें नहीं देता है सोने,
खुर-खुर करता इधर-उधर है
ढूँढ़ा करता छिप-छिप कोने?

रोज़ रात-भर जगता रहता
खुर-खुर इधर-उधर है धाता
बच्चों उसका नाम बताओ
कौन शरारत यह कर जाता?

-सोहन लाल द्विवेदी

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

क. कविता को राग-लय और अभिनय के साथ गाइए ।

ख. इस कविता का शीर्षक पढ़ते ही आपके मन में क्या-क्या विचार आए?

ग. कविता में ‘दुबक कर’ शब्द आया है । उसका अर्थ अभिनय द्वारा बताइए ?

घ. कविता के आधार पर बताइए कि यह शरारती जीव घर में कहाँ-कहाँ गया ?

ङ. तुम्हारे घर में भी यदि यह शरारती जीव अपनी फौज के साथ घुस गया हो तो पता कीजिए कि उस से कैसे निपटा जाता है ।

पढ़िए

1. **नीचे कुछ पंक्तियाँ दी गयी हैं । कविता के आधार पर इन्हें सही क्रम (1,2,3,----) दीजिए ।**

1. अनजाने पैसा गिर जाता ( )
2. कभी कुतर जूता है जाता, ( )
3. कौन उठा ले जाता छले ? ( )
4. कभी कुतर जाता है चप्पल ( )
5. कभी खलीता पर बन आती

2. **निम्नलिखित भाव की पंक्तियाँ बताइए ।**

1. रात भर गड़बड़ कर हमें नहीं सोने देता है।

----

2. यह छिप-छिप कर अनाज चट कर जाता था।

----

3. कविता में जिन चीजों के नुकसान की बात हुई है, उनकी सूची बनाइए।

--------	--------	--------	--------
--------	--------	--------	--------
--------	--------	--------	--------
--------	--------	--------	--------

SCERT TELANGANA

4. शरारती जीव ने बहुत सारी चीज़ों को कुतरा, बिखराया और काटा अब बताइए कि किन-किन चीज़ों को - कुतरा जा सकता है। बिखेरा जा सकता है। काटा जा सकता है।

5. कविता को ध्यान से पढ़िए। निम्नलिखित तालिका भरिए ।

'ि' मात्रा के शब्द	'ी' मात्रा के शब्द	'ु' मात्रा के शब्द	'ू' मात्रा के शब्द	'ो' मात्रा के शब्द	'ौ' मात्रा के शब्द

लिखिए

1. आप बाहर गए हैं, आपके घर में गलती से पानी का नल खुला ही रह गया, उससे क्या-क्या नुकसान हुआ है ? बताइए ।
2 कविता में बहुत से नुकसान गिनाए गये हैं । आपके हिसाब से इन में से कौन सा नुकसान सब से बड़ा है ?

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

3. कबाड़ी क्या-क्या सामान खरीदते हैं ?
4. इस शरारती जीव के अलावा और कौन-कौन से जीव तुम्हारे घर में घुस जाते हैं।
5. पूरी कविता पढ़ने के बाद, ये सारी शरारतें कौन कर रहा है? उसके बारे में लिखिए।
6. अपनी नानी को पत्र लिख कर बताइए कि एक चूहे ने आपकी किन-किन चीज़ों का नुकसान किया है?

शब्द भंडार

1. कविता में आये तुकबंदी शब्दों को लिखिए ।

------------- ------------- ------------- -------------

2. खुर-खुर करता है । 'खुर-खुर' यह कोई आवाज़ है । आवाज़ का मज़ा देने वाले बहुत से शब्द हैं । जैसे- टप-टप,ठक-ठक। ऐसे ही कुछ शब्द लिखिए।

------------- ------------- ------------- -------------

3. स्याही को बिखराया - इस पंक्ति का अर्थ बताइए ।

----

4. निम्नलिखित शब्दों को सही शब्दों से मिलाइए ।

अनाज	कुतरना
दो टुकड़े	काटना
चप्पल	तस्वीर
जिल्द	बिखराना

अब इन शब्दों से संबंधित कविता की पंक्तियों के नीचे रेखा खींचिए।

5. नीचे दिये गए शब्दों का एक-एक समानार्थी शब्द लिखिए ।

स्याही ----------	तसवीर -----------
पोथी ----------	कागज़ ----------
रद्दी ------------	दुनिया ----------
जिल्द -----------	अनजाना -----------

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

१. चित्र के आधार पर एक कहानी लिखिए ।

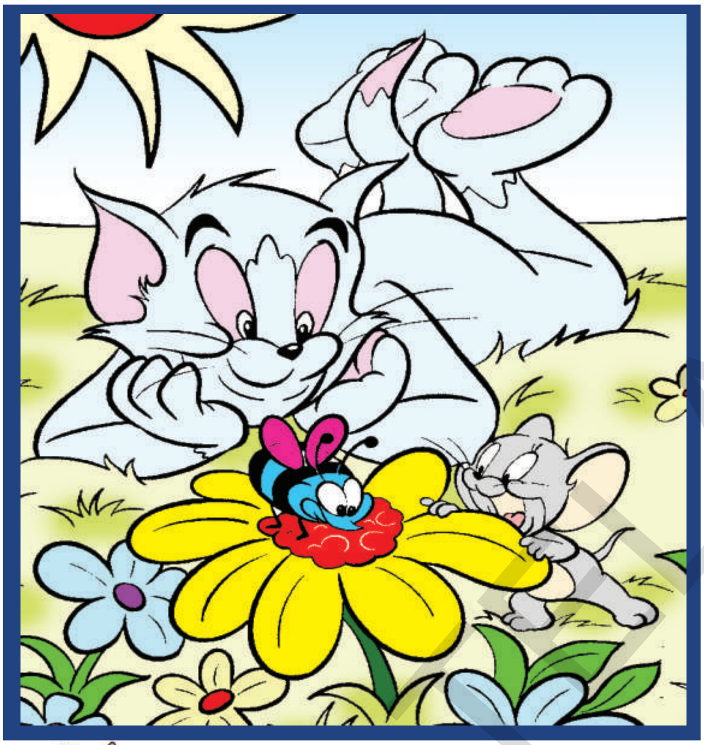

प्रशंसा

कबाड़ी वाला आपके घर से पुराने अखबार, पुरानी चीज़ें ले जाता है। वह उस सामान का क्या करता होगा? पता कीजिए।

भाषा की बात

1. कविता में आए शरारती जीव को आप क्या कहेंगे? कारण देकर बताइए।

माइ फ्रेंड, शरारती, डरपोक, निड़र, दुश्मन, नादान

2. नीचे लिखी कविता की पंक्तियाँ पढ़िए । जिन शब्दों के नीचे रेखा खींची है, उनका अर्थ आपस में चर्चा करके बताइए ।

SCERT TELANGANA

1. कभी <u>खलीता</u> पर बन आती
अनजाने पैसा गिर जाता

2. रोज़ टाँगता धो-धो कर मैं
कौन उठा ले जाता <u>छन्ने</u> ?

3. रोज़ रात भर जगता रहता
खुर-खुर इधर-उधर है <u>धाता</u>

3. कविता की प्रथम पंक्ति में हमने पढ़ा ''किसने बटन हमारे कुतरे?''**कुतरे** का अर्थ हुआ **कुतरना** जिसे हम क्रिया कहेंगे। किसी भी काम का करना या होना पाया जाता है उसे **क्रिया** कहा जाता है। कविता में आये क्रिया शब्दों को चुनकर लिखिए ।

--------------	------------	-------------	--------------
--------------	------------	-------------	--------------
--------------	------------	-------------	--------------
--------------	------------	-------------	--------------

परियोजना कार्य

टॉम और जेरी के चित्रों को एकत्र कर चार्ट पर चिपकाइए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं का भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

इकाई-III

8.स्वतंत्रता की ओर

प्रश्नः

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. चित्र में लिखी पंक्तियाँ पढ़िए ।
3. बच्चा क्या करना चाह रहा है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

धनी को पता था कि आश्रम में कोई बड़ी योजना बन रही है, पर उसे कोई कुछ न बताता। ‘‘वे सब समझते हैं कि मैं नौ साल का हूँ इसलिए मैं बुद्धू हूँ। पर मैं बुद्धू नहीं हूँ ! ’’ धनी मन ही मन बड़बड़ाया।

धनी और उसके माता-पिता, बड़ी खास जगह में रहते थे- अहमदाबाद के पास , महात्मा गांधी के साबरमती आश्रम में। जहाँ पूरे भारत से लोग रहने आते थे। गांधी जी की तरह वे आश्रम में ठहरते तो चरखों पर खादी का सूत कातते, भजन गाते और गांधी जी की बातें सुनते।

साबरमती में सबको कोई न कोई काम करना होता - खाना पकाना, बर्तन धोना, कपड़े धोना, कुएँ से पानी लाना, गाय और बकरियों का दूध दुहाना और सब्ज़ी उगाना। धनी का काम था बिन्नी की देखभाल करना। बिन्नी आश्रम की एक बकरी थी। धनी को अपना काम पसंद था क्योंकि बिन्नी उसकी सबसे अच्छी दोस्त थी। धनी को उससे बातें करना अच्छा लगता था।

उस दिन सुबह, धनी बिन्नी को हरी घास खिला कर, उसके बर्तन में पानी डालते हुए बोला, ‘‘कोई बात ज़रूर है बिन्नी! वे सब गांधी जी के कमरे में बैठकर बातें करते हैं। कोई योजना बनाई जा रही है। मैं सब समझता हूँ।’’

बिन्नी ने घास चबाते हुए सिर हिलाया, जैसे कि वह धनी की बात समझ रही हो। धनी को भूख लगी। कूदती-फाँदती बिन्नी को लेकर वह रसोईघर की तरफ़ चला। उसकी माँ चूल्हा फूँक रही थीं और कमरे में धुआँ भर रहा था।

‘‘अम्मा, क्या गांधी जी कहीं जा रहे हैं?’’ उसने पूछा।

खाँसते हुए माँ बोलीं, ‘‘वे सब यात्रा पर जा रहे हैं।’’

‘‘यात्रा? कहाँ जा रहे हैं? ’’धनी ने सवाल किया।

SCERT TELANGANA

‘‘समुद्र के पास कहीं। अब सवाल पूछना बंद करो और जाओ यहाँ से धनी !’’

अम्मा ज़रा गुस्से से बोली, ‘‘पहले मुझे खाना पकाने दो। ’’

धनी सब्ज़ी की क्यारियों की तरफ़ निकल गया जहाँ बूढ़ा बिंदा आलू खोद रहा था। ‘‘बिंदा चाचा,’’ धनी उनके पास बैठ गया, ‘‘आप भी यात्रा पर जा रहे हैं क्या?’’

बिंदा ने सिर हिलाकर मना किया। उसके कुछ बोलने से पहले धनी ने उतावले होकर पूछा, ‘‘कौन जा रहे हैं? कहाँ जा रहे हैं? क्या हो रहा है? ’’

बिंदा ने खोदना रोक दिया और कहा, ‘‘तुम्हारे सवालों का जवाब दूँगा पर पहले इस बकरी को बाँधो ! मेरी सारी पालक चबा रही है ! ’’

धनी बिन्नी को खींच कर ले गया और पास नींबू के पेड़ से बाँध दिया। फिर बिंदा ने उसे यात्रा के बारे में बताया। गांधी जी और उनके कुछ साथी गुजरात में पैदल चलते हुए, दांड़ी नाम की जगह पर समुद्र के पास पहुँचेंगे। गाँवों और शहरों से होते हुए पूरा महीना चलेंगे। दांडी पहुँच कर वे नमक बनाएँगे।

‘‘नमक?’’ धनी चौंक कर उठ बैठा, ‘‘नमक क्यों बनाएँगे? वह तो किसी भी दुकान से खरीदा जा सकता है।’’

‘‘हाँ मुझे मालूम है।’’ बिंदा हँसा,’’ पर महात्मा जी की एक योजना है। यह तो तुम्हें पता ही है कि वह किसी बात के विरोध में ही यात्रा करते हैं या जुलूस निकालते हैं, है न?’’

‘‘हाँ, बिल्कुल सही। मैं जानता हूँ। वे ब्रिटिश सरकार के खिलाफ़ सत्याग्रह के जुलूस निकालते हैं जिससे कि उनके खिलाफ़ लड़ सकें और भारत स्वतंत्र हो जाए। पर नमक को

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

लेकर विरोध क्यों कर रहे हैं? यह तो समझदारी वाली बात नहीं है। ''

''बिल्कुल धनी ! क्या तुम्हें पता है कि हमें नमक पर 'कर ' देना पड़ता है?''

''अच्छा।'' धनी हैरान रह गया।

''नमक की ज़रूरत सभी को है.... इसका मतलब है कि हर भारतवासी, गरीब से गरीब भी, यह कर देता है,'' बिंदा चाचा ने आगे समझाया।

''लेकिन यह तो सरासर अन्याय है !'' धनी की आँखों में गुस्सा था।

''हाँ, यह अन्याय है। इतना ही नहीं, भारतीय लोगों को नमक बनाने की मनाही है। महात्मा जी ने ब्रिटिश सरकार को कर हटाने को कहा पर उन्होंने यह बात ठुकरा दी इसलिए उन्होंने निश्चय किया है कि वे दांडी चलकर जाएँगे और समुद्र के पानी से नमक बनाएँगे।''

''एक महीने तक पैदल चलेंगे ! '' धनी सोच कर परेशान हो रहा था। ''गांधी जी तो थक जाएँगे। वे दांडी बस या ट्रेन से क्यों नहीं जा सकते? ''

''क्यों कि, यदि वे इस लंबी यात्रा पर दांडी तक पैदल जाएँगे तो यह ख़बर फ़ैलेगी। अख़बारों में फ़ोटो छपेंगी, रेड़ियो पर रिपोर्ट जायेगी ! और पूरी दुनिया के लोग यह जान जाएँगे कि हम अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ रहे हैं। और ब्रिटिश सरकार के लिए यह बड़ी शर्म की बात होगी।''

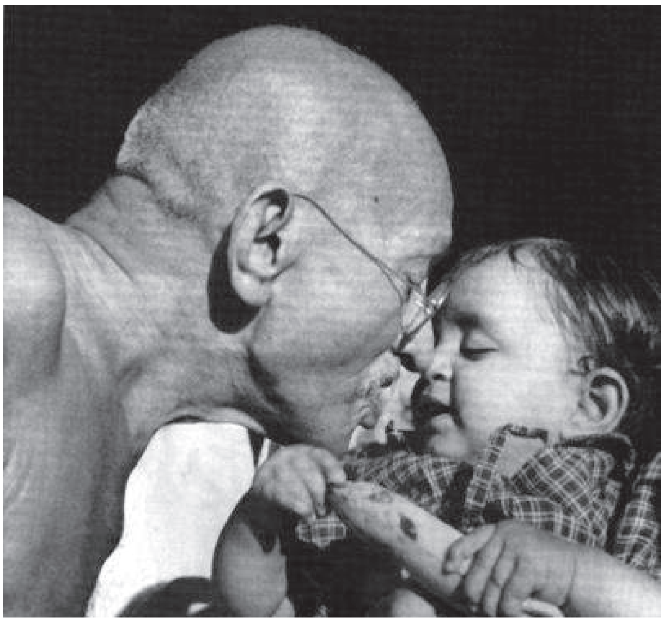

''गांधी जी, बडे ही अक्लमंद हैं, हैं न? '' धनी की आँखें चमकी।

बिंदा ने हँस कर कहा, ''हाँ ! वह तो है ही।'' दोपहर को जब आश्रम में थोड़ी

SCERT TELANGANA

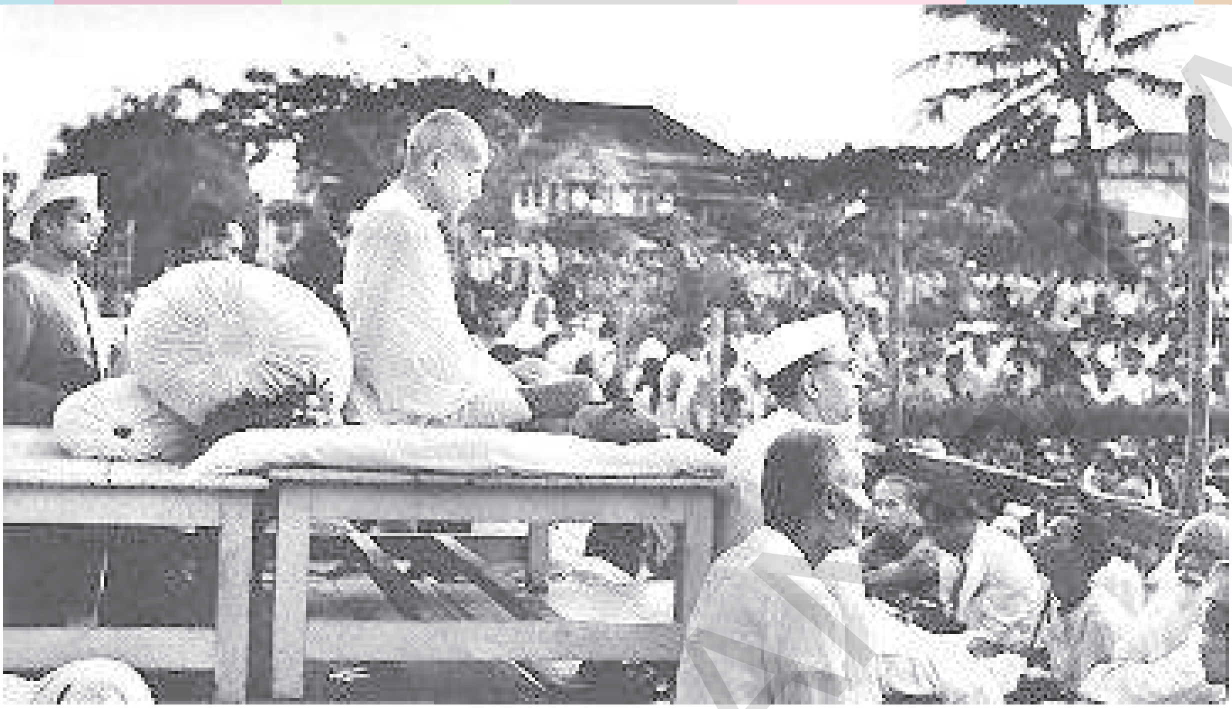

शांति छाई, धनी अपने पिता को ढूँढ़ने निकला। वह एक पेड़ के नीचे बैठ कर चरखा कात रहे थे।

''पिता जी, क्या आप और अम्मा दांडी यात्रा पर जा रहे हैं?'' धनी ने सीधे काम की बात पूछी।

''मैं जा रहा हूँ। तुम और अम्मा यहीं रहोगे। ''

''मैं भी आपके साथ चल रहा हूँ। ''

''बेकार की बात मत करो धनी ! तुम इतना लंबा नहीं चल पाओगे। आश्रम के नौजवान ही जा रहे हैं। ''

धनी ने हट पकड़ ली, ''मैं नौ साल का हूँ और आप से तेज़ दौड़ सकता हूँ।''

धनी के पिता ने चरखा रोक कर बड़े धीरज से समझाया, ''सिर्फ़ वे लोग जाएँगे जिन्हें महात्मा जी ने खुद चुना है।''

''ठीक है! मैं उन्हीं से बात करूँगा। वह जरूर हाँ कहेंगे!'' धनी खड़े हो कर बोला और वहाँ से चल दिया।

गांधी जी बड़े व्यस्त रहते थे। उन्हें अकेले पकड़ पाना आसान नहीं था। पर धनी को वह समय मालूम था जब उन्हें बात सुनने का समय होगा - रोज़ सुबह, वह आश्रम में पैदल घूमते थे।

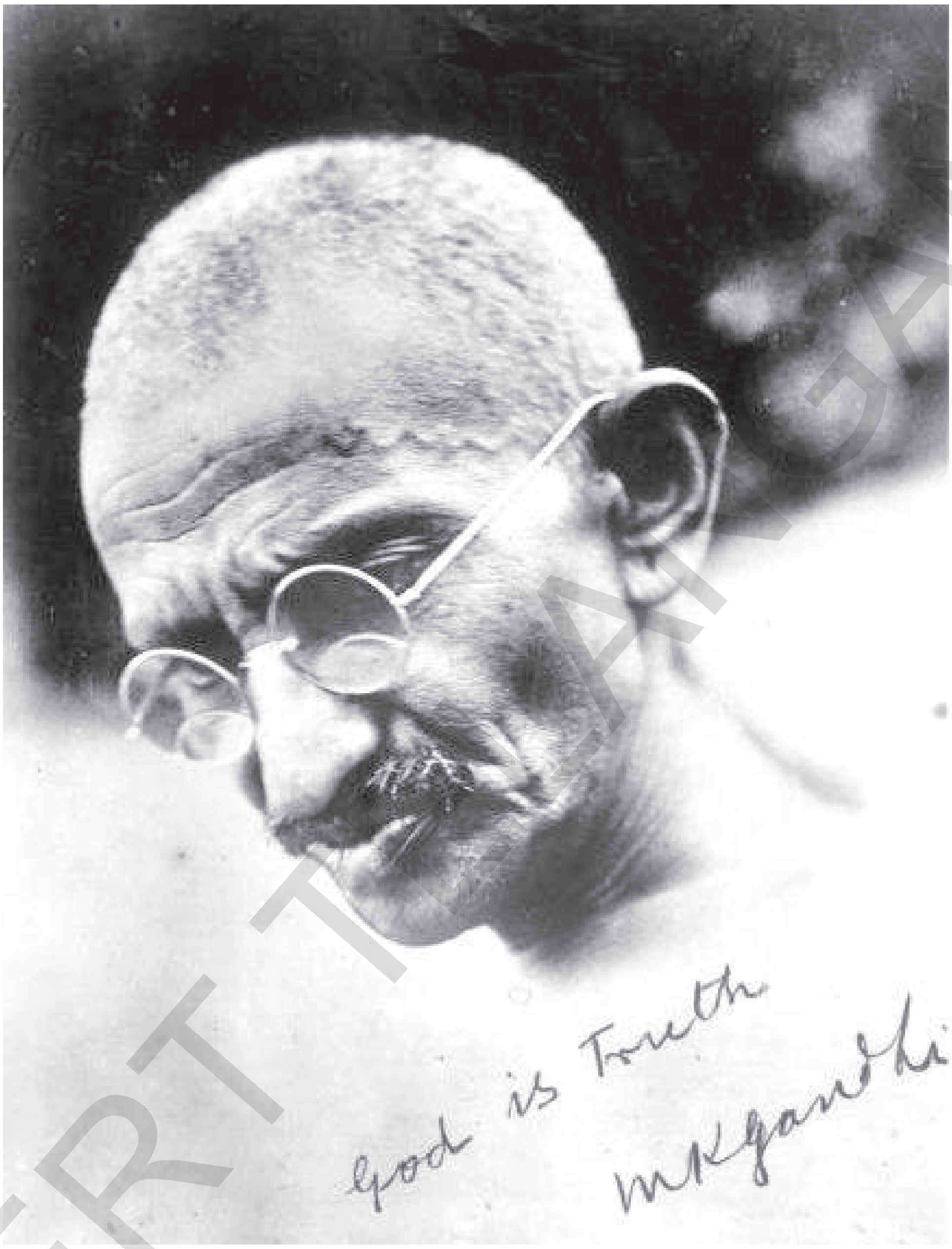

अगले दिन जैसे ही सूरज निकला, धनी बिस्तर छोड़ कर गांधी जी को ढूँढ़ने निकला। वे गौशाला में गायों को देख रहे थे। फ़िर वह सब्जी के बगीचे में मटर और बंदगोभी देखते हुए बिंदा से बात करने लगे। धनी और बिन्नी लगातार उनके पीछे - पीछे चल रहे थे।

अंत में, गांधी जी अपनी झोंपड़ी की ओर चले। बरामदे में चरखे के पास बैठ कर उन्होंने धनी को पुकारा, ''यहाँ आओ, बेटा !''

धनी दौड़ कर उनके पास पहुँचा। बिन्नी भी साथ में कूदती हुई आई।

SCERT TELANGANA

"तुम्हारा क्या नाम है, बेटा?"

"धनी, बापू।"

"और यह तुम्हारी बकरी है? "

"जी हाँ ! यह मेरी दोस्त बिन्नी है, जिस का दूध आप रोज़ सुबह पीते हैं ", धनी गर्व से मुस्कुराया, "मैं इसकी देखभाल करता हूँ।"

"बहुत अच्छा ! " गांधी जी ने हाथ हिला कर कहा, "अब यह बताओ धनी कि तुम और बिन्नी सुबह से मेरे पीछे क्यों घूम रहे हो? "

"मैं आप से कुछ पूछना चाहता था ", धनी थोड़ा घबराया। "क्या मैं आप के साथ दांड़ी चल सकता हूँ?" हिम्मत करके उस ने कह डाला।

गांधी जी मुस्कुराए , "तुम अभी छोटे हो बेटा ! दांडी तो बहुत दूर है ! सिर्फ़ तुम्हारे पिता जैसे नौजवान ही मेरे साथ चल पाएँगे।"

"पर आप तो नौजवान नहीं हैं ", धनी बोला, "आप नहीं थक जाएँगे? "

"मैं बहुत अच्छे से चलता हूँ ", गांधी जी ने कहा।

"मैं भी बहुत अच्छे से चलता हूँ ", धनी भी अड़ गया।

"हाँ ! ठीक बात है " , कुछ सोचकर गांधी जी बोले, "मगर एक समस्या है। अगर तुम मेरे साथ जाओगे तो बिन्नी को कौन देखेगा? इतना चलने के बाद, मैं तो कमज़ोर हो जाऊँगा। इसलिए, जब मैं वापस आऊँगा तो मुझे खूब सारा दूध पीना पड़ेगा, जिससे कि मेरी ताकत लौट आए।"

"हूँ... यह बात तो ठीक है, बिन्नी तभी खाती है, जब मैं उसे खिलाता हूँ ", धनी ने प्यार से बिन्नी का सिर सहलाया, "और सिर्फ़ मैं जानता हूँ कि इसे क्या पसंद है। "

"बिल्कुल सही। तो क्या तुम आश्रम में रह कर मेरे लिए बिन्नी की देखभाल करोगे? " गांधी जी प्यार से बोले।

"जी, हाँ, करूँगा " , धनी बोला, "बिन्नी और मैं आपका इंतज़ार करेंगे। "

सुभद्रा सेन गुप्ता

अनुवाद-मनीषा चौधरी

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. आज़ादी प्राप्त करने के लिए जिन वीरों ने योगदान दिया उनके नाम बताइए।
2. गांधी जी कहाँ के रहने वाले थे?
3. गांधी जी चरखे पर क्या काम करते थे?
4. हम किसे राष्ट्रपिता कहकर बुलाते हैं?
5. हम गांधी जयंती कब मनाते हैं?
6. क्या आपको भी काम करना पसंद है? आप घर पर कौन-कौन से काम करते हैं?

पढ़िए

1. इस पाठ में अनेक चित्र हैं, हर चित्र के संबंधित एक एक वाक्य लिखिए?
2. निम्न अनुच्छेद को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए। धनी बिस्तर छोड़ कर गांधी जी को ढूँढ़ने निकला। वे गौशाला में गायों को देख रहे थे। फ़िर वह सब्जी के बगीचे में मटर और बंदगोभी देखते हुए बिंदा से बात करने लगे।
   1. धनी किसको ढूँढ़ने निकला ?

      ----

   2. गांधी जी गौशाला में क्या देख रहे थे ?

      ----

   3. सब्जी के बगीचे में कौनसी सब्जियाँ लगी थीं ?

      ----

   4. गांधी जी बगीचे में किससे बात कर रहे थे ?

      ----

3. पाठ ध्यान से पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

   क) गाँधी जी कहाँ रहते थे ?

   ख) आश्रम के लोग क्या-क्या काम करते थे ?

   ग) गाँधी जी और उनके कुछ साथी दांडी नाम की जगह पर किसलिए जा रहे थे?

   घ) गाँधी जी ने धनी को यात्रा पर न जाने के लिए कैसे मनाया?

SCERT TELANGANA

4. निम्न वाक्यों में से रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द चुन कर लिखिए।

   1. घर से <u>जल्दी</u> निकलने पर भी मुझे पाठशाला पहुँचने में देर हो गई। ------
   2. किसान खेतों में <u>दिन</u> भर काम करके रात को मीठी नींद सोते हैं। -----
   3. <u>दुःख</u> के बाद सुख आता ही है । ----------------------

5. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

   1. ---------------- में सब को कोई न कोई काम करना होता।
   2. धनी का काम था --------------- की देखभाल करना।
   3. मेरा सारा --------------- चबा रही है।
   4. उन्होंने निश्चय किया कि वे ------------- चल कर जायेंगे।
   5. और यह तुम्हारी --------------- है?

लिखिए

1. धनी की माँ खाना पकाने के लिए चूल्हे का इस्तेमाल करती थी ।
   नीचे कुछ चित्र हैं, इनका नाम लिखकर इनके बारे में एक वाक्य लिखिए।

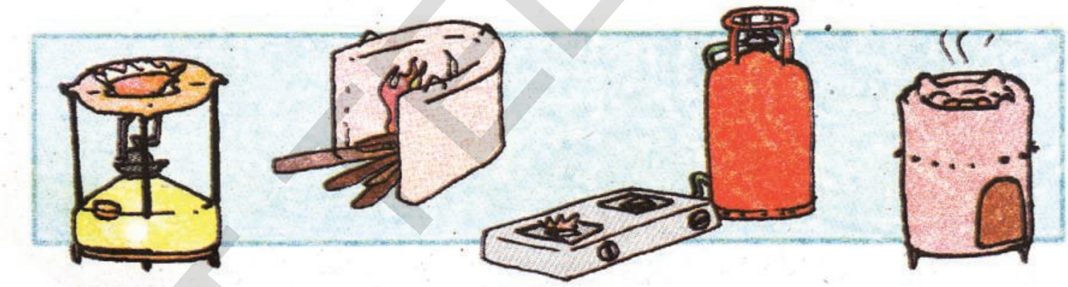

....

....

....

....

2. धनी बिन्नी की देखभाल कैसे कर रहा था?

   ----

3. गांधी जी दांडी की यात्रा क्यों करना चाहते थे?

   ----

4. खादी एक तरह का वस्त्र है। इसी तरह छह प्रकार के वस्त्रों के नाम लिखिए।

   --------- --------- -------- ------- -------- --------

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

5. गांधीजी ताकत के लिए दूध पीते थे। आप ताकत के लिए क्या-क्या खाते और पीते हो । इसकी सूची बनाइए।

----

6. गांधी जी क्या-क्या काम करते थे? बताइए।
7. राष्ट्रीय त्योहार कब-कब मनाये जाते हैं? बताइए।

शब्द भंडार

1. नीचे पाठ में आए कुछ शब्द लिखे हैं । कक्षा में चार-चार के समूह में एक एक विषय के बारे में पता कीजिए ।

⇨ स्वतंत्रता
⇨ खादी
⇨ सत्याग्रह
⇨ चरखा

(आप इस काम में अपने दोस्तों से, बड़ों से, शब्दकोश या पुस्तकालय, इन्टरनेट से सहायता ले सकते हैं । जानकारी इकट्ठा कर कक्षा में इसके बारे में बताइए।)

2. तालिका में लिखे शब्दों को चुन कर पाठ पर आधारित वाक्य बताइए ।

दांडी	गांधीजी	आज़ादी	नमक
धनी	बिन्नी	दूध	आश्रम

SCERT TELANGANA

3. धनी की माँ ने चूल्हे पर रोटी बनाई । रोटी बनाने के लिए क्या-क्या चीज़ों की जरूरत पड़ती है ?

---------- ---------- ----------

---------- ---------- ----------

4. 'बूढ़ा बिंदा आलू खोद रहा था ।'

आलू ज़मीन के अंदर होता है और उसका पौधा ज़मीन के ऊपर । ऐसी चार सब्जियों के नाम लिखिए जो ज़मीन के भीतर से खोद कर निकाली जाती हैं ।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

आप की पाठशाला में गांधी जयंती मना रहे हैं । उस कार्यक्रम के लिए एक सूचना तैयार कीजिए ।

प्रशंसा

अहिंसा के मार्ग पर चल कर गांधी जी ने कुछ नारे लगाए हैं। नारों की क्या विशेषता होती है । लिखिए ।

भाषा की बात

1. नीचे लिखे शब्दों में सही जवाब पर ं या ँ वाले चिह्न लगाइए

धुआ	बदगोभी	गाधी	यहा
इतजार	कुआ	स्वतत्र	बदर
कहा	बाध	गाव	सदेश
अहिसा	पसद	फूक	मा

SCERT TELANGANA

2. रेखांकित शब्दों का लिंग बदल कर वाक्य फिर से लिखिए।

धनी अपने पिता को ढूँढ़ने निकला।

चाचा ने बकरी को बाँधने के लिए कहा।

दादी ने कहानी सुनाई।

मामा मिठाई लाए।

भाई ने थोड़ा सा धान दिया।

छुट्टियों में मैं नाना के घर जाऊँगा।

परियोजना कार्य

गाँधीजी के चित्रों को इकट्ठा कर अलबम बनाइए। और उसके बारे में लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर साबरमती आश्रम इस विषय पर पाँच वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

सत्य, अहिंसा, धर्म, न्याय से बढ़कर कोई दूसरा विजय मंत्र नहीं हो सकता - महात्मा गांधी

SCERT TELANGANA

साबरमती के संत

दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल, - 2
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल ।
जब-जब तेरा बिगुल बजा, जवान चल पड़े ।
मज़दूर चल पड़े थे, और किसान चल पड़े ।
हिन्दू व मुसलमान, सिख-पठान चल पड़े ।
क़दमों में तेरी, कोटि-कोटि प्राण चल पड़े ।
फूलों की सेज छोड़ के दौड़े जवाहर लाल ।
साबरमती के संत तू ने कर दिया कमाल ।
दे दी --------------साबरमती -----------
जग में कोई जिया है तो बापू तू ही जिया ।
तू ने वतन की राह में सब कुछ लुटा दिया ।
माँगा न कभी तख्त न तो ताज ही लिया ।
अमृत दिया सभी को मगर खुद ज़हर पिया ।
जिस दिन तेरी चिता जली, रोया था महाकाल ।
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल ।
दे दी हमें आज़ादी बिना खड्ग बिना ढाल,
साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल ।

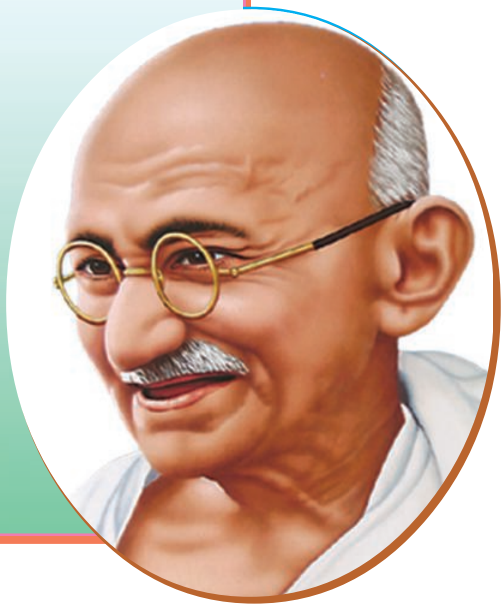

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

बच्चों को अध्यापिका तक पहुँचाइए

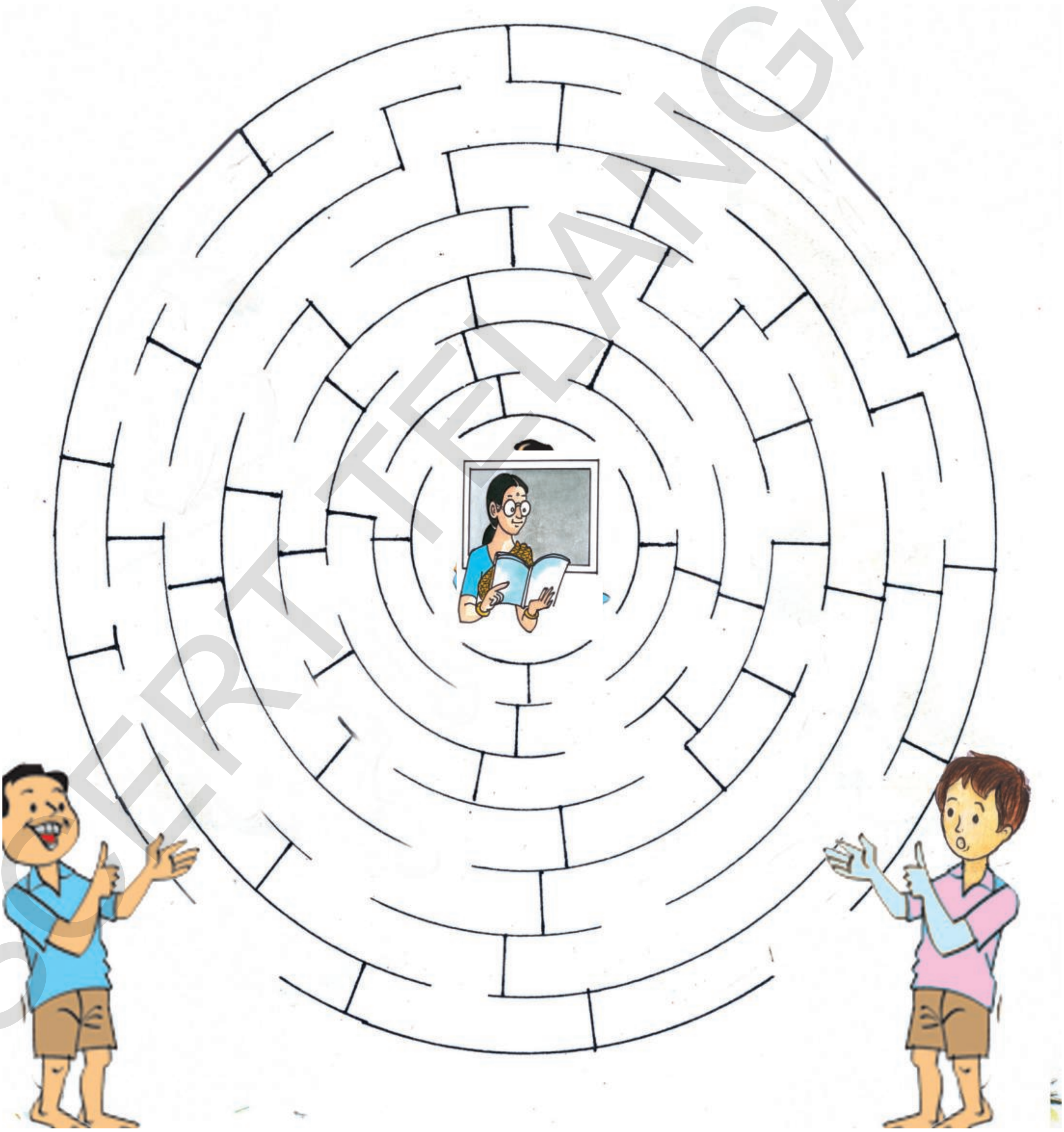

SCERT TELANGANA

इकाई-III

9. वाह! क्या बात है।

प्रश्नः

1. यह चित्र किसका है?
2. चित्र के बारे में बताइए।
3. चित्र में जो चीज़ें दिख रही हैं... उनके नाम बताइए?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

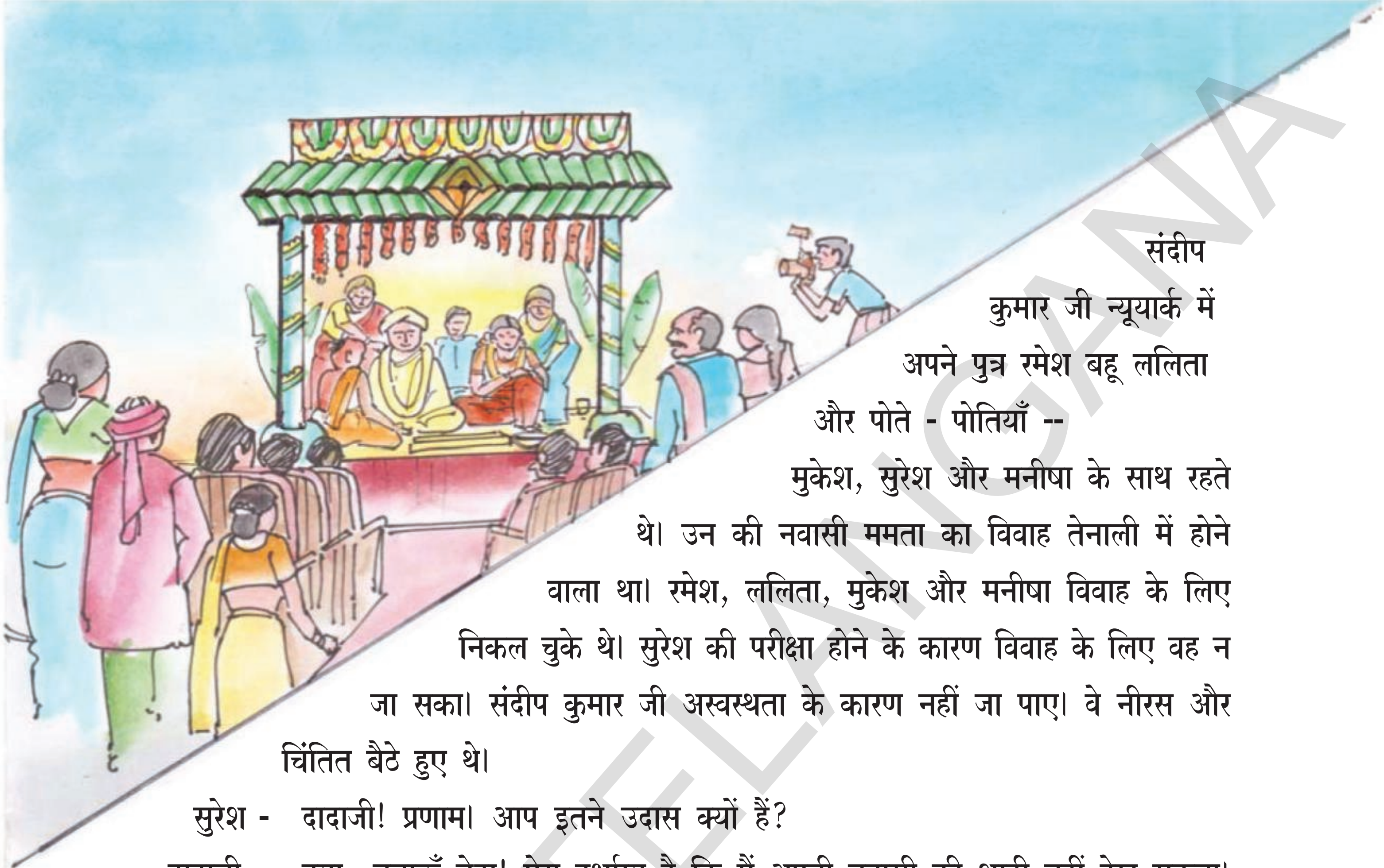

संदीप कुमार जी न्यूयार्क में अपने पुत्र रमेश बहू ललिता और पोते - पोतियाँ -- मुकेश, सुरेश और मनीषा के साथ रहते थे। उन की नवासी ममता का विवाह तेनाली में होने वाला था। रमेश, ललिता, मुकेश और मनीषा विवाह के लिए निकल चुके थे। सुरेश की परीक्षा होने के कारण विवाह के लिए वह न जा सका। संदीप कुमार जी अस्वस्थता के कारण नहीं जा पाए। वे नीरस और चिंतित बैठे हुए थे।

सुरेश - दादाजी! प्रणाम। आप इतने उदास क्यों हैं?

दादाजी - क्या बताऊँ बेटा! मेरा दुर्भाग्य है कि मैं अपनी नवासी की शादी नहीं देख सकता। काश! मैं शादी देख पाता।

सुरेश - सिर्फ़ इतनी सी बात के लिए आप परेशान हैं। मैं आप को घर बैठे ही तेनाली में होने वाली शादी दिखाऊँगा।

दादाजी - ये तुझे क्या हुआ है? अजीब तरह से बातें क्यों कर रहा है?

सुरेश - दादाजी! आप सिर्फ़ देखते रहिए, मैं क्या करता हूँ।

(सुरेश अपने भैया मुकेश को फोन करता है।)

सुरेश - हैलो! भैया।

मुकेश - हाँ सुरेश! क्या हाल है?

सुरेश - भैया, दादाजी को विवाह में न आने का बहुत दुख है। मैं ने उन्हें विवाह दिखाने का वादा किया है। इसलिए आप मेरी सहायता कीजिए न।

मुकेश - हाँ - हाँ! क्यों नहीं मेरे भाई! मैं तुम्हारी अवश्य सहायता करूँगा।

सुरेश - भैया केवल आप विवाह का मुहूर्त शुरू होते ही मुझे एक बार फ़ोन कर

SCERT TELANGANA

दीजिए। मैं ऑन लाइन पर आ जाऊँगा। आप भी ऑनलाइन पर आ जाना। और हाँ ... वेबकॉम मंडप में ऐसा रखना जैसे वर-वधू समेत सभी लोग दादाजी को दिख सके और देख सके।

मुकेश - बहुत अच्छा सुरेश मैं ऐसा ही करूँगा।

(मुकेश ने अपने भाई के बताये अनुसार मुहूर्त के समय मंडप में वेबकॉम की व्यवस्था की। कंप्यूटर और इंटरनेट की सहायता से मुकेश और सुरेश ऑनलाइन से जुड़ जाते हैं। विवाह के मंडप में रखे कंप्यूटर पर दादाजी को सुरेश के कंप्यूटर पर विवाह का दृश्य दिखाई देने लगा। दादाजी ने वर-वधू को ऑनलाइन में ही आशीर्वाद दे दिया।)

दादाजी - वाह! सुरेश तुमने तो कमाल ही कर दिया। मुझे घर पर ही बैठे-बिठाये विवाह देखने का सुनहरा अवसर दिलवा दिया।

सुरेश - दादाजी! मेरा नहीं, कमाल तो तकनीक का है। आज तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है, कि सारी दुनिया छोटी हो गयी है।

दादाजी - सही कहते हो सुरेश आज विज्ञान ने बहुत प्रगति की है।

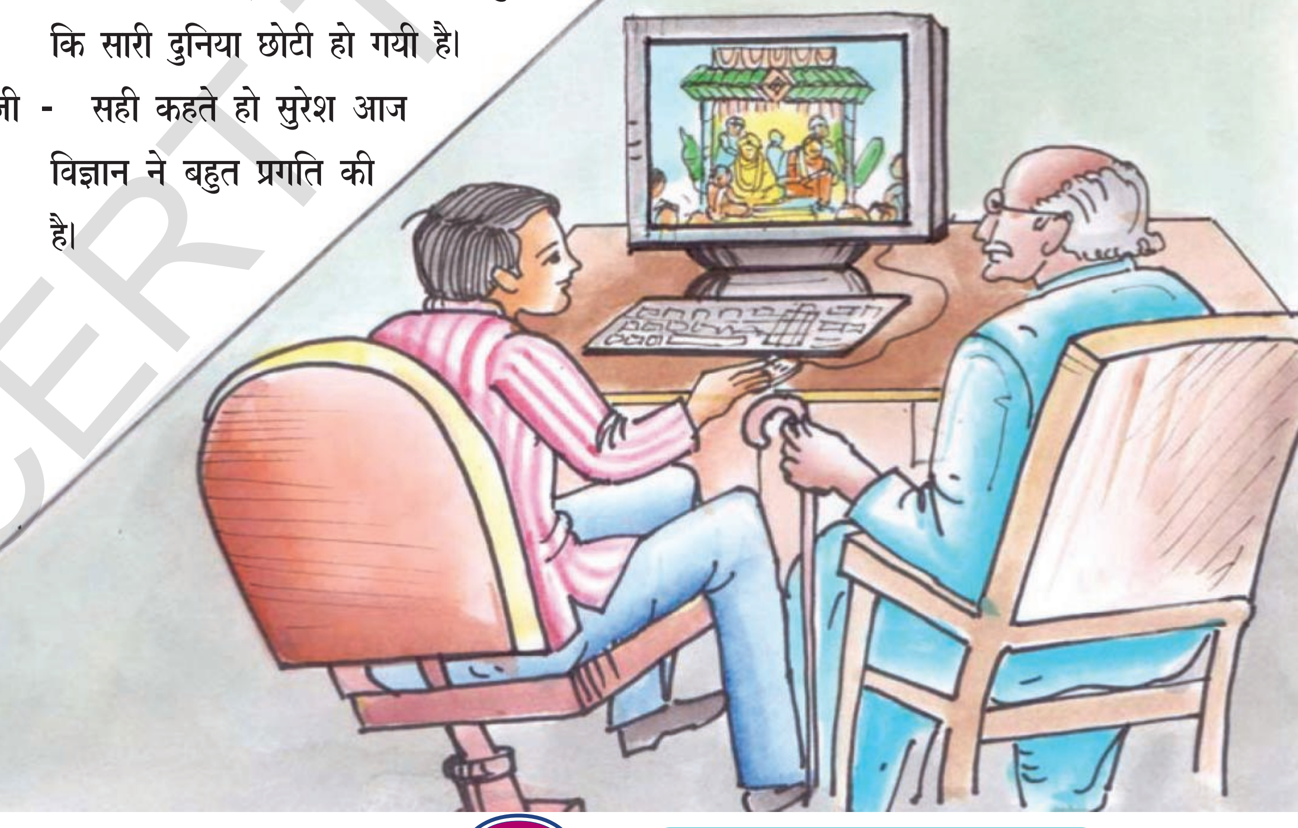

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. पाठ के चित्र देखिए। उनके बारे में बताइए।
2. कुछ आधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों के नाम बताइए।
3. कहीं दूर की घटनाओं को देखने के लिए किन उपकरणों का प्रयोग किया जाता है?
4. कंप्यूटर कितने प्रकार के होते हैं ?

पढ़िए

1. संदीप कुमार जी कहाँ रहते थे?
2. संदीप कुमार जी किसके साथ रहते थे?
3. दादाजी का नाम क्या था?
4. निम्नलिखित प्रश्नों के उचित उत्तर कोष्ठक में लिखिए।

   क) दादा जी ममता के विवाह के लिए क्यों नहीं गये? (   )
      1. उन्हें पसंद नहीं था। 2. वे अस्वस्थ थे।
      3. उन्हें आवश्यक काम था। 4. वे जाना नहीं चाहते थे।

   ख) विवाह किसका था? (   )
      1. ममता 2. ललिता
      3. मनीषा 4. मुकेश

   ग) मुकेश ने मंडप में किसकी व्यवस्था की? (   )
      1. कैमेरा 2. वीडियो
      3. वेबकॉम 4. सेलफ़ोन

   घ) विवाह कहाँ पर होने वाला था? (   )
      1. विजयवाडा 2. वरंगल
      3. हैदराबाद 4. तेनाली

5. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान भरिए।

   क) ------------------ अजीब तरह से बातें क्यों कर रहा है ?
   ख) ------------------ मैं तुम्हारी अवश्य सहायता करूँगा ।
   ग) ------------------ मैं ऐसा ही करूँगा ।
   घ) ------------------ कमाल तो तकनीक का है ।

   अब इन वाक्यों को पढ़कर अर्थ समझ लीजिए ।

SCERT TELANGANA

लिखिए

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

1. कंप्यूटर का आविष्कार किसने किया ?
2. वेबकॅम का काम क्या होता है ?
3. दूर की घटनाओं को देखने के लिए किन उपकरणों का उपयोग किया जाता है ?

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच वाक्य में दीजिए।

i. ऑनलाइन के कार्य के बारे में लिखिए।
ii. कंप्यूटर के कार्य के बारे में लिखिए।
iii. कंप्यूटर शिक्षा से होने वाले लाभ बताइए।
iv. सुरेश ने दादा जी को कंप्यूटर पर विवाह का दृश्य दिखाया। आप बताइए कि उसके लिए क्या-क्या आवश्यक होता है?

(ग) पाठ में **दादाजी प्रणाम**! यह वाक्य दिया गया है।
अभिवादन करने के लिए और किन-किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है? बताइए।

शब्द भंडार

(क) पाठ में **पोते-पोतियाँ** यह शब्द आया है । आप ऐसे ही पाँच शब्द लिखिए ।

--------------- --------------- ---------------

--------------- ---------------

(ख) इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।

फ़ोन, आनलाइन, इंटरनेट, वेबकॉम, तकनीक

(ग) रेखांकित शब्दों के समानार्थी लिख कर वाक्य फिर से लिखिए ।

ममता का विवाह तेनाली में होने वाला है ।

आप सिर्फ़ देखते रहिए, मैं क्या करता हूँ ।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

आप मेरी सहायता कीजिए न !

मैं तुम्हारी अवश्य सहायता करूँगा ।

विवाह देखने का सुनहरा अवसर दिया गया ।

(घ) कंप्यूटर से संबंधित शब्द लिखकर मनोचित्रण पूरा कीजिए।

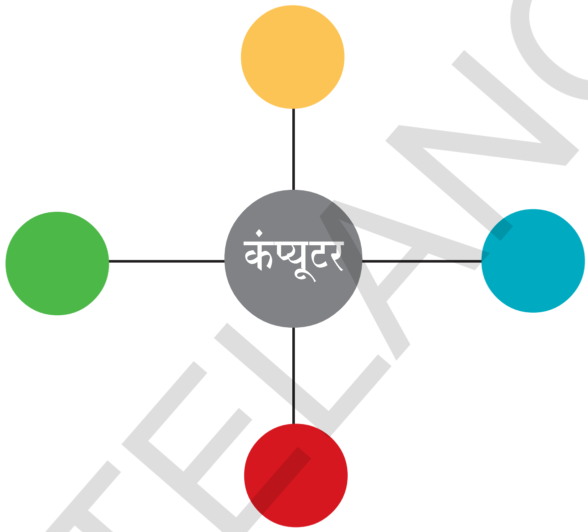

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

दादाजी ने वेबकॉम से विवाह का दृश्य देखा । उस समय दादाजी और उनके रिश्तेदारों की जो बात-चीत हुई होंगी, वह लिखिए ।

दादाजी - कमाल हुआ ! सब को देख कर बहुत खुशी हो रही है ।

मुकेश - दादाजी ! आप से बातचीत करते हुए यहाँ सबको अच्छा लग रहा हैं ।

दादाजी - ---

मुकेश - ---

अन्य रिश्तेदार- ---

दादाजी - ---

मुकेश - ---

दादाजी - ---

SCERT TELANGANA

प्रशंसा

वेबकॉम से विवाह देखकर दादाजी ने खुश होकर सुरेश को शाबाशी देते हुए क्या कहा होगा? बताइए।

भाषा की बात

.1. निम्नलिखित वर्ग-पहेली में कंप्यूटर से संबंधित कुछ शब्द दिये गये हैं । उन्हें ढूँढ़कर घेरा लगाइए। और लिखिए।

सी	पी	ऑ	दि	रा	मु	घी	न	पे
पी	इ	न	प	कं	कौ	माँ	फू	न
यू	ट	ला	म	चो	प्यू	नि	स्पी	ड्रा
व	सी	इ	ख	ऊ	जी	ट	क	र
प्ला	डी	न	थी	हा	स	र	र	व
लै	ड्रा	ज	कि	बो	र्ड	गा	ओ	मू
मो	प	ड	इं	ट	र	ने	ट	खी
का	रा	टै	म	र	श	म	पु	ढा
पी	न	ड	प	ला	वे	ब	कॉ	म

------------------------------ ------------------------------

------------------------------ ------------------------------

------------------------------ ------------------------------

------------------------------ ------------------------------

------------------------------ ------------------------------

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

2. पाठ में पोता-पोती शब्द आये हैं । उसके आधार पर खाली जगह भरिए ।

नवासा	-	----------	भांजा	-	----------
भतीजा	-	----------	बेटा	-	----------
पुत्र	-	----------			

परियोजना कार्य

कंप्यूटर के विभिन्न पार्ट्स के बारे में जानकारी एकत्र कर लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर कंप्यूटर के बारे में एक छोटा सा निबंध लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

10. पढ़क्कू की सूझ

प्रश्नः

1. चित्र में क्या-क्या दिखाई दे रहा है?
2. तितलियाँ कितनी हैं? गिनकर बताइए।
3. एक एक रंग की कितनी तितलियाँ हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह कविता पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

एक पढ़क्कू बड़े तेज़ थे, तर्कशास्त्र पढ़ते थे,
जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे।

एक रोज वे पड़े फ़िक्र में समझ नहीं कुछ पाए,
" बैल घूमता है कोल्हू में कैसे बिना चलाए?"

कई दिनों तक रहे सोचते, मालिक बड़ा गज़ब है?
सिखा बैल को रक्खा इसने, निश्चय कोई ढब है।

आखिर, एक रोज़ मालिक से पूछा उसने ऐसे,
" अजी, बिना देखे, लेते तुम जान भेद यह कैसे?

कोल्हू का यह बैल तुम्हारा चलता या अड़ता है?
रहता है घूमता, खड़ा हो या पागुर करता है?"

मालिक ने यह कहा, " अजी, इसमें क्या बात बड़ी है?
नहीं देखते क्या, गरदन में घंटी एक पड़ी है?

SCERT TELANGANA

जब तक यह बजती है, मैं न फिक्र करता हूँ,
हाँ, जब बजती नहीं, दौड़ कर तनिक पूँछ धरता हूँ।''

कहा पढ़क्कू ने सुनकर, '' तुम रहें सदा के कोरे !
बेवकूफ़ ! मंतिख की बातें समझ सकोगे थोड़े !

अगर किसी दिन बैल तुम्हारा सोच - समझ अड़ जाए,
चले नहीं, बस, खड़ा-खड़ा गर्दन को खूब हिलाए।

घंटी टुन-टुन खूब बजेगी, तुम न पास आओगे,
मगर बूँद भर तेल साँझ तक भी क्या तुम पाओगे?

मालिक थोड़ा हँसा और बोला कि पढ़क्कू जाओ,
सीखा हैं यह ज्ञान जहाँ पर, वहीं इसे फ़ैलाओ।

यहाँ सभी कुछ ठीक-ठीक हैं, यह केवल माया है,
बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख पढ़ पाया है।

रामधारी सिंह दिनकर

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. इस कविता को हावभाव के साथ गाइए ।
2. कविता में कौन से जानवर का वर्णन किया गया है ?
3. ''कोल्हू का बैल'' - का अर्थ क्या है ?
4. परिश्रमी की तुलना किस से की जाती है ?
5. मालिक बीच-बीच में बैल की पूँछ क्यों पकड़ता है?

पढ़िए

अ. कविता में एक पंक्ति आई है । हाँ जब बजती नहीं, दौड़ कर तनिक पूँछ धरता हूँ । का मतलब है, पूँछ पकड़ लेता हूँ । नीचे लिखे वाक्यों को अपने शब्दों में लिखिए ।

क) जहाँ न कोई बात, वहाँ भी नई बात गढ़ते थे ।
ख) मगर बूँद भर तेल साँझ तक भी क्या तुम पाओगे ?
ग) सीखा बैल को रखा इसने निश्चय कोई ढ़ब है ।
घ) बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख़ पढ़ पाया है ।

आ. बताइए , ये लोग क्या करते हैं ?

सुनार -------------	तेली -------------
लुहार -------------	कुम्हार -------------
ठठेरा -------------	लेखक -------------

इ. तीसरी कक्षा में आप ने रामधारी सिंह दिनकर की कविता '' मिर्च का मज़ा'' पढ़ी थी । अब आप ने उन्हीं की कविता ''पढ़क्कू की सूझ'' पढ़ी।

क) दोनों में से कौन-सी कविता पढ़कर आपको ज्यादा मज़ा आया? (तीसरी की किताब फ़िर से देख सकते हैं)
ख) आपको काबूली वाला ज्यादा अच्छा लगा या पढ़क्कू ? क्या कोई भी अच्छा नहीं लगा ? क्यों?

SCERT TELANGANA

ई. कविता के आधार पर इन प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए ।

1. पढ़क्कू कौनसा शास्त्र पढ़ने में तेज़ थे ?

----

2. ‘‘ मेहनत करना ’’ शब्द को कविता में कैसे प्रयोग किया गया ?

----

3. ‘बैल हमारा नहीं अभी तक मंतिख़ पढ़ पाया है’ इस पंक्ति में कवि क्या कहना चाह रहें हैं ?

----

4. मालिक कैसे जान लेता कि बैल घूम रहा हैं या नहीं?

----

5. ‘पढ़क्कू’ या ‘बैल का मालिक’ इन दोनों में कौन बुद्धिमान है?

लिखिए

1. जानवर हम पर निर्भर रहते हैं, या हम लोग जानवर पर?
2. बैल के चलने की जानकारी मालिक को कैसे होती है?
3. बैल के अड़ने की जानकारी मालिक को कैसे होती है?
4. कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ?
5. पाठ के चित्र में बैल के गले में ‘घंटी’ बंधी है । आप ने घंटी को कहाँ-कहाँ बजते हुए सुना हैं?

   उदा : घर के पूजा स्थान में

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

1. ''कोल्हू का बैल'' ऐसे व्यक्ति को कहते हैं जो कडी मेहनत करता है या जिससे कड़ी मेहनत करवाई जाती है। मेहनत और कोशिश से जुड़े कुछ और मुहावरे नीच दिए जा रहे हैं। इनको पढ़कर इनसे उचित वाक्य बनाइए।
   1. खून-पसीना बहाना -

      ----
   2. दिन-रात एक करना -

      ----
   3. एड़ी चोटी का ज़ोर लगाना -

      ----
   4. जी - तोड़ मेहनत करना -

      ----

2. कोल्हू के बैल तिलहनों से तेल निकालते हैं।
   हम अपने परिवार में विभिन्न प्रकार के तेलों का इस्तेमाल करते हैं। कुछ ऐसे वस्तुओं के नाम बताइए जिनसे तेल निकाला जाता हो।
   उदा :- <u>तिल</u> से <u>तिल का तेल</u> निकाला जाता है।
   1. ---------------- से -------------- तेल निकाला जाता है।
   2. ---------------- से -------------- तेल निकाला जाता है।
   3. ---------------- से -------------- तेल निकाला जाता है।
   4. ---------------- से -------------- तेल निकाला जाता है।

3. 'पागुर' का अर्थ है 'जुगाली करना'। बैल के अलावा और कौन-कौन से पशु जुगाली करते हैं। किन्हीं छह के नाम लिखिए। (जिन पशुओं के पैरों के खुर फटे होते हैं, वे सभी जुगाली करते हैं।)

   ------------------ ------------------ ------------------

   ------------------ ------------------ ------------------

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

अ. इस कविता में कोल्हू के बैल के बारे में बतलाया गया है। वह बैल अपने बारे में कुछ बता रहा है। मैं एक बैल हूँ। मेरा नाम ------------------------------
----

प्रशंसा

बैलों को किसान का साथी कहते है ? क्यों?

भाषा की बात

क) नीचे एक अक्षरजाल दिया गया है। उस अक्षरजाल से दिए गए शब्दों के अर्थ चुन कर लिखिए।

ढ़ब, भेद, गजब, मंतिख, छल

त	र्क	शा	स्त्र	म्र
रा	ज	त	क	ब
जू	स	री	मा	धो
रा	ज़	का	ल	खा
धो	क	म	ल	ड़

1. ----------------------
2. ----------------------
3. ----------------------
4. ----------------------
5. ----------------------

SCERT TELANGANA

ख) नीचे दिये गये वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए ।

बहुत अधिक पढ़नेवाला ------- पढ़क्कू (पढ़ाकू)

बहुत अधिक लड़नेवाला ----------------

बहुत अधिक बातें करने वाला ---------------

बहुत अधिक पैसे खर्च करने वाला ---------------

बहुत अधिक खाने वाला - --------------

परियोजना कार्य

दक्षिण भारत में किसी एक त्यौहार पर बैलों को सजा कर पूजा करने की प्रधा है । इस त्यौहार के बारे में जानकारी एकत्रित कीजिए ।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. कविता लय के साथ सुना सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर की कविताओं का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. इस स्तर की कविताओं की भाव सहित व्याख्या कर सकता/सकती हूँ।		
4. कविता के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. कविता के शब्दों से तुकबंद वाक्य लिख सकता/सकती हूँ।		

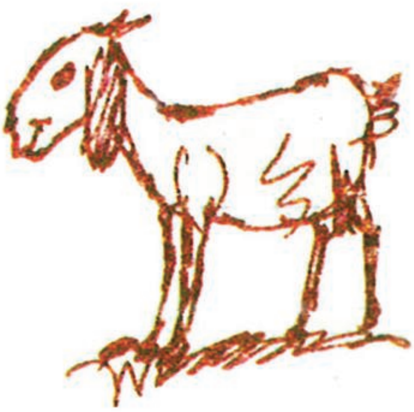

SCERT TELANGANA

इकाई-IV

11. सुनीता की पहिया कुर्सी

प्रश्नः

1. चित्र में बच्चे क्या खेल रहे हैं?
2. बल्लेबाजी करने वाला बच्चा कैसा दिखाई दे रहा है?
3. उसे खेलते देख कर आपको क्या लगता है?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20
SCERT TELANGANA

सुनीता सुबह सात बजे सोकर उठी। कुछ देर तो वह अपने बिस्तर पर ही बैठी रही। वह सोच रही थी कि आज उसे क्या-क्या काम करने हैं। उसे याद आया कि आज तो बाज़ार जाना है। सोचते ही उसकी आँखों में चमक आ गई। सुनीता आज पहली बार अकेले बाज़ार जाने वाली थी।

उसने अपनी टाँगों को हाथों से पकड़ कर खींचा और उन्हें पलंग से नीचे की ओर लटकाया। फिर पलंग का सहारा लेती हुई अपनी पहिया कुर्सी तक बढ़ी। सुनीता चलने फिरने के लिए पहिया कुर्सी की मदद लेती है। आज वह सभी काम फुर्ती से निबटाना चाहती थी। हालाँकि कपड़े बदलना, जूते पहनना आदि उसके लिए कठिन काम है। पर अपने रोज़ाना के काम करने के लिए उसने स्वयं ही कई तरीके ढूँढ़ निकाले हैं।

आठ बजे तक सुनीता नहा धो कर तैयार हो गई।

माँ ने मेज़ पर नाश्ता लगा दिया था।

''माँ, अचार की बोतल पकड़ाना '', सुनीता ने कहा।

''अलमारी में रखी है। ले लो।'' माँ ने रसोई घर से जवाब दिया।

सुनीता खुद जा कर अचार ले आई।

नाश्ता करते करते उस ने पूछा, ''माँ, बाज़ार से क्या क्या लाना है?''

‘‘एक किलो चीनी लानी है। पर क्या तुम अकेले संभाल लोगी?’’

‘‘पक्का ’’, सुनीता ने मुस्कुराते हुए कहा।

सुनीता ने माँ से बोला और रूपए लिए। अपनी पहिया कुर्सी पर बैठ कर बाज़ार की ओर चल दी।

सुनीता को सड़क की ज़िंदगी देखने में मज़ा आता है। चूँकि आज छुट्टी है इस लिए हर जगह बच्चे खेलते हुए दिखाई दे रहे हैं। सुनीता थोड़ी देर रूक कर उन्हें रस्सी कूदते, गेंद खेलते देखती रही। वह थोड़ी उदास हो गई। वह भी उन बच्चों के साथ खेलना चाहती थी। खेल के मैदान में उसे एक लड़की दिखी , जिसकी माँ उसे वापिस लेने के लिए आई थी। दोनों एक दूसरे को टुकुर-टुकुर देखने लगे।

फिर सुनीता को एक लड़का दिखा। उस बच्चे को बहुत सारे बच्चे ‘‘छोटू छोटू’’ बुला कर चिढ़ा रहे थे। उस लड़के का कद बाकी बच्चों से बहुत छोटा था। सुनीता को यह सब बिलकुल अच्छा नहीं लगा।

रास्ते में कई लोग सुनीता को देखकर मुस्कुराए, जबकि वह उन्हें जानती तक नहीं थी। पहले तो वह मन ही मन खुश हुई परन्तु फिर सोचने लगी, ‘‘ये सब लोग मेरी तरफ़ भला इस तरह क्यों देख रहें हैं? ’’

खेल के मैदान वाली छोटी लड़की सुनीता को दोबारा कपड़ों की दूकान के सामने खड़ी मिली। उसकी माँ कुछ कपड़े देख रही थी।

‘‘तुम्हारे पास यह अजीब सी चीज़ क्या है?’’ उस लड़की ने सुनीता से पूछा।

‘‘यह तो बस एक ... , ’’ सुनीता जवाब देने लगी परन्तु उस लड़की की माँ ने गुस्से में आकर लड़की को सुनीता से दूर हटा दिया।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

‘‘इस तरह का सवाल नहीं पूछना चाहिए फ़रीदा! अच्छा नहीं लगता!’’ माँ ने कहा।

‘‘मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ।’’ सुनीता ने दुखी होकर कहा। उसे फ़रीदा की माँ का व्यवहार समझ में नहीं आया।

अंत में सुनीता बाज़ार पहुँच गई। दूकान में घुसने के लिए उसे सीढ़ियों पर चढ़ना था। उस के लिए यह कर पाना बहुत मुश्किल था। आसपास के सब लोग जल्दी में थे। किसी ने उसकी तरफ़ ध्यान नहीं दिया।

अचानक जिस लड़के को ‘‘छोटू’’ कह कर चिढ़ाया जा रहा था वह उसके सामने आकर खड़ा हो गया।

‘‘मैं अमित हूँ ’’, उसने अपना परिचय दिया, ‘‘क्या मैं तुम्हारी कुछ मदद करूँ?’’

‘‘मेरा नाम सुनीता है ’’, सुनीता ने राहत की साँस ली और मुस्कुराकर बोली, पीछे के पैंडिल को पैर से ज़रा दबाओगे?’’

‘‘हाँ, हाँ, ज़रूर’’ कहते हुए अमित ने पहिया कुर्सी को टेढ़ा करके उसके अगले पहियों को पहली सीढ़ी पर रखा फ़िर उसने पिछले पहियों को भी ऊपर चढ़ाया। सुनीता ने अमित को धन्यवाद दिया, और कहा, ‘‘अब मैं दूकान तक खुद पहुँच सकती हूँ।’’

दूकान में पहुँच कर सुनीता ने एक किलो चीनी माँगी। दूकानदार उसे देखकर मुसकुराया।

SCERT TELANGANA

चीनी की थैली पकड़ने के लिए उसने हाथ आगे बढ़ाया ही था कि दूकानदार ने थैली उसकी गोदी में रख दी। सुनीता ने गुस्से से कहा, ''मैं भी दूसरों की तरह खुद अपने आप सामान ले सकती हूँ।''

उसे दूकानदार का व्यवहार बिलकुल अच्छा नहीं लगा। चीनी लेकर सुनीता और अमित बाहर निकले।

''लोग मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि मैं कोई अजीबोगरीब लड़की हूँ।''

सुनीता ने कहा।

''शायद तुम्हारी पहिया कुर्सी के कारण ही वे ऐसा व्यवहार करते हैं।'' अमित ने कहा।

''पर इस कुर्सी में भला ऐसी क्या ख़ास बात है, मैं तो बचपन से ही इस पर बैठ कर इसे चलाती हूँ '', सुनीता ने कहा।

अमित ने पूछा, ''पर तुम इस पर क्यों बैठती हो?''

''मैं पैरों से चल ही नहीं सकती। इस पहिया कुर्सी के पैरों को घुमा कर ही मैं चल फिर पाती हूँ। लेकिन फिर भी मैं दूसरे बच्चों से अलग नहीं हूँ। मैं वे सारे काम कर सकती हूँ जो दूसरे बच्चे कर सकते हैं।'' सुनीता ने कहा।

अमित ने अपना सिर ना में हिलाया और कहा ''मैं भी वे सारे काम कर सकता हूँ जो दूसरे बच्चे कर सकते हैं। पर मैं भी दूसरे बच्चों से अलग हूँ। इसी तरह तुम भी अलग हो।''

सुनीता ने कहा, ''नहीं ! हम दोनों दूसरे बच्चों जैसे ही है।''

अमित ने दोबारा अपना सिर ना में हिलाया और कहा, ''देखो तुम पहिया कुर्सी पर बैठ कर चलती हो मेरा कद बहुत छोटा है। हम दोनों ही बाकी लोगों से कुछ अलग हैं।''

सुनीता कुछ सोचने लगी। उसने अपनी पहिया कुर्सी आगे की ओर खिसकाई। अमित भी उसके साथ-साथ चलने लगा।

सड़क पार करते समय सुनीता को फ़रीदा फिर नज़र आई। इस बार फ़रीदा ने कोई सवाल नहीं पूछा। अमित झट से सुनीता के पहिया कुर्सी के पीछे चढ़ गया। फिर दोनों पहिया कुर्सी पर सवार होकर तेज़ी से सड़क पर आगे बढ़े। फ़रीदा भी उनके साथ साथ दौड़ी। इस बार भी लोगों ने उन्हें घूरा परन्तु अब सुनीता को उनकी परवाह नहीं थी।

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

सुनिए-बोलिए

क. पाठ के चित्रों पर बातचीत कीजिए।
ख. पाठ का शीर्षक आप को कैसा लगा? क्यों?
ग. आप होते तो इसका शीर्षक क्या देते?
घ. इस पाठ से आपने क्या सीखा?

पढ़िए

1. सुबह उठते ही सुनीता को क्या याद आया?
2. सुनीता क्यों खुश थी?
3. सुनीता रोज़ क्या-क्या काम करती थी ?
4. सुनीता की माँ ने बाज़ार से क्या लाने को कहा?
5. सुनीता बाज़ार कैसे गई?
6. फ़रीदा की माँ ने अपनी बेटी से क्या कहा?
7. सुनीता ने बाज़ार जाते समय बच्चों को क्या खेल खेलते हुए देखा?
8. अमित ने सुनीता की मदद कैसे की?
9. पाठ में कितने पात्र हैं ? उनके नाम बताइए।
10. सुनीता की कुर्सी बाकी कुर्सियों से अलग कैसे थी?
11. पाठ के आधार पर निम्न जोड़ियाँ बनाइए।

1. सुनीता	दुकान
2. बच्चे	रसोई घर
3. चीनी	पहिया कुर्सी
4. माँ	मैदान

लिखिए

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए।
   1. अपने घर के आसपास आप क्या-क्या देखते हैं ? बताइए।
   2. रैतु बाज़ार में कौन-कौनसी सब्जियाँ होती हैं? बताइए।
   3. यदि सुनीता आपकी पाठशाला में आ जाए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी होगी?

SCERT TELANGANA

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए ।

क. किसी विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति का साक्षात्कार लीजिए ।

नाम	:	-------------------------
आयु	:	-------------------------
जन्म स्थान	:	-------------------------
शिक्षा	:	-------------------------
उपलब्धि	:	-------------------------
	:	-------------------------

ख. विशेष आवश्यकता वालों के प्रति आपकी भावना लिखिए ।

ग. विशेष आवश्यकता वालों के लिए सरकार क्या-क्या करती है ?

घ. सुनीता के बारे में पढ़ कर आपके मन में कई सवाल और बातें आ रही होगी। वे बातें सुनीता को चिट्ठी लिख कर बताइए ।

प्रिय सुनीता,

पताः

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

शब्द भंडार

1. पाठ में आये कोई चार नुक़्तावाले शब्द लिखिए।

----------------------- -----------------------

----------------------- -----------------------

2. पाठ में आये किन्हीं दो प्रश्नवाचक वाक्य लिखिए। जो सुनीता द्वारा कहे गये हैं।

----

3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखकर वाक्य फिर से लिखिए।

    1. सुनीता सुबह सात बजे उठी।

    ----

    2. सुनीता के लिए यह कठिन काम है।

    ----

    3. वह थोड़ी देर उदास हो गयी।

    ----

    4. अमित का कद बहुत छोटा था।

    ----

    5. उसके लिए यह कर पाना मुश्किल था।

    ----

4. सुनीता चीनी लाने दूकान गयी। सभी मिठाइयाँ चीनी से ही बनती हैं। चाय के लिए भी चीनी ज़रूरी होती है। तो बताइए चाय बनाने के लिए क्या क्या चाहिए।

----------------------- -----------------------

----------------------- -----------------------

5. ''आँखों में चमक आना'' का अर्थ है किसी बात की खुशी होना। खुशी से संबंधित चार मुहावरे लिखिए जिसके कारण आपकी आँखों में चमक आती है।

----------------------- -----------------------

----------------------- -----------------------

SCERT TELANGANA

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

फिर एक बार सुनीता और फ़रीदा मैदान के पास मिली। दोनों के संवादों को आगे बढ़ाइए।

फ़रीदा - मैं फ़रीदा, तुम्हारा नाम क्या है?
सुनीता - मेरा नाम सुनीता है।
फ़रीदा - --
सुनीता - --

प्रशंसा

सुनीता की आत्मनिर्भरता पर अपने मित्रों से चर्चा कीजिए।

भाषा की बात

नीचे दी गई पंक्तियाँ लिखिए।

क. सुनीता सुबह सात बजे सोकर उठी। कुछ देर तो वह अपने बिस्तर पर ही बैठी रही। वह सोच रही थी कि आज उसे क्या-क्या काम करने हैं।
ऊपर दिये गए वाक्यों में **वह,उसे** आदि शब्द सुनीता के लिए प्रयोग किए हैं। संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं।

अब रेखांकित शब्दों के लिए उचित सर्वनाम का प्रयोग कर वाक्य दुबारा लिखिए।

क) रवि <u>रवि की</u> माँ के साथ बाज़ार गया।

ख) चंपक बच्चों की पत्रिका है। <u>चंपक</u> में बच्चों के लिए मज़ेदार कहानियाँ हैं।

SCERT TELANGANA

ग) लड़कियों की टीम जीत गई। लड़कियों ने सराहनीय काम किया।

घ) राम ने श्याम से कहा, राम के लिए पानी लाओ।

च) रमा, उमा और मेघा मेला देखने गयीं। रमा, उमा और मेघा ने मिठाई खायी।

परियोजना कार्य

रविवार के दिन आपने सुबह से लेकर रात तक क्या-क्या किया, अपने शब्दों में लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर एक छोटी कहानी लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

12. हुदहुद

वन संपदा व वन्य जीवों के संरक्षण में लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 3 अक्तूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री एन. किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि वन संपदा और वन्य जीवों के संरक्षण में आम जनता की भूमिका महत्वपूर्ण है और सरकार जन-सामान्य के साथ मिलकर इस प्राकृतिक संपदा व वन्य प्राणियों की रक्षा कर सकती है।

प्रश्नः

1. चित्र में दिया गया समाचार किस के बारे में है?
2. समाचार में क्या दिया गया है?
3. वन संरक्षण के लिए आप क्या कर सकते हैं?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

हुदहुद को कलगी कैसे मिली

एक बार सुलेमान नाम के बादशाह आकाश में उड़ने वाले अपने उड़नखटोले पर बैठे कहीं जा रहे थे। बड़ी गर्मी थी। धूप से वह परेशान हो रहे थे। आकाश में उड़ने वाले गिद्धों से उन्होंने कहा कि अपने पंखों से तुम लोग मेरे सिर पर छाया कर दो। पर गिद्धों ने ऐसा करने से मना कर दिया। उन्होंने बहाना बनाते हुए कहा, ''हम तो इतने छोटे-छोटे हैं। हमारी गर्दन पर पंख भी नहीं हैं। हम छाया कैसे कर सकते हैं !''

सुलेमान आगे बढ़ गए। कुछ दूर जाने पर उनकी भेंट हुदहुदों के मुखिया से हुई। सुलेमान ने उससे भी मदद माँगी। वह चतुर था। उसने फौरन अपने दल के सभी हुदहुदों को इकट्ठा करके बादशाह सुलेमान के ऊपर छाया कर दी। सुलेमान बोले, ''मैंने गिद्दों से भी मदद माँगी थी। वे मेरी मदद कर सकते थे पर उन्होंने मेरी मदद नहीं की। तुम गिद्दों से छोटे तो हो पर चतुर अधिक हो। तुम सबने मिलकर मेरी सहायता की है। मैं तुमसे बहुत प्रसन्न हूँ। मैं तुम्हारी कोई इच्छा पूरी करूँगा। बताओ, तुम्हारी क्या इच्छा हैं?''

मुखिया ने कहा, ''महाराज, मैं अपने सभी साथियों से सलाह करने के बाद अपनी इच्छा बताऊँगा। ''

मुखिया ने साथियों से सलाह करने के बाद कहा, ''महाराज ! यह वरदान दीजिए कि हमारे सिर पर आज से सोने की कलगी निकल आए।''

बादशाह हँसे और बोले - ''मुखिया, इसका फल क्या होगा, यह तुमने सोच लिया है?''

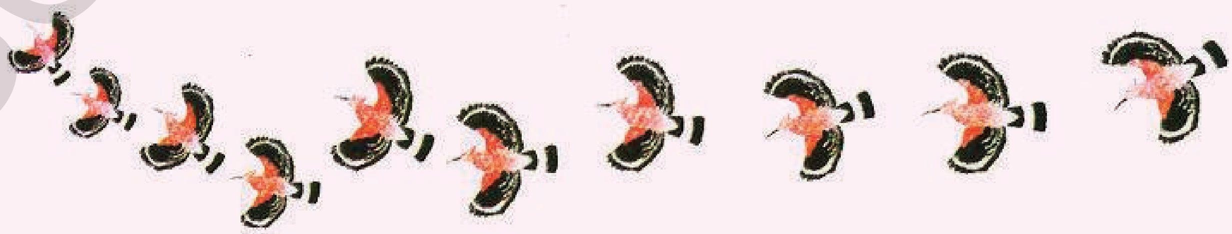

SCERT TELANGANA

मुखिया बोला "हाँ, महाराज ! मैं ने खूब परामर्श करके यह वर माँगा है।"

सुलेमान ने प्रार्थना स्वीकार कर ली। सभी हुदहुदों के सिर पर कलगी निकल आई।

लोगों ने सोने की कलगी को देखा, तो वे हुदहुदों के पीछे पड़ गये। तीर से उन्हें मार-मार कर सोना इकट्ठा करने लगे।

हुदहुदों का वंश समाप्त होने पर आ गया। तब मुखिया घबराकर बादशाह सुलेमान के पास पहुँचा और बोला "इस सोने की कलगी के कारण तो हमारा वंश ही समाप्त हो जायेगा।"

सुलेमान ने कहा "मैं ने तो शुरू में ही तुम्हें चेतावनी दी थी। खैर, जाओ, आज से तुम्हारे सिर का ताज सोने का नहीं, सुंदर परों का हुआ करेगा।" और तभी से हुदहुदों के सिर पर परों का यह ताज (कलगी) शोभा पा रहा है।

हुदहुद एक बहुत ही सुंदर पक्षी है। इसके शरीर का सबसे सुंदर भाग इसके सिर की कलगी होती है। वैसे तो यह इसे समेटे रहता है। पर जैसे ही किसी तरह की आवाज़ होती है, यह चौकन्ना होकर परों को फैला लेता है। तब यह कलगी देखने में हू-ब-हू किसी सुंदर पंखी जैसी लगने लगती है। इसी कलगी के बारे में तुमने अभी एक सुंदर कहानी भी पढ़ी है।

हुदहुद का सारा शरीर रंग-बिरंगा और चटकीला होता है। पंख काले-काले होते हैं जिन पर मोटी सफ़ेद धारियाँ बनी होती हैं। गर्दन का अगला हिस्सा बादामी रंग का होता है। चोटी भी बादामी रंग

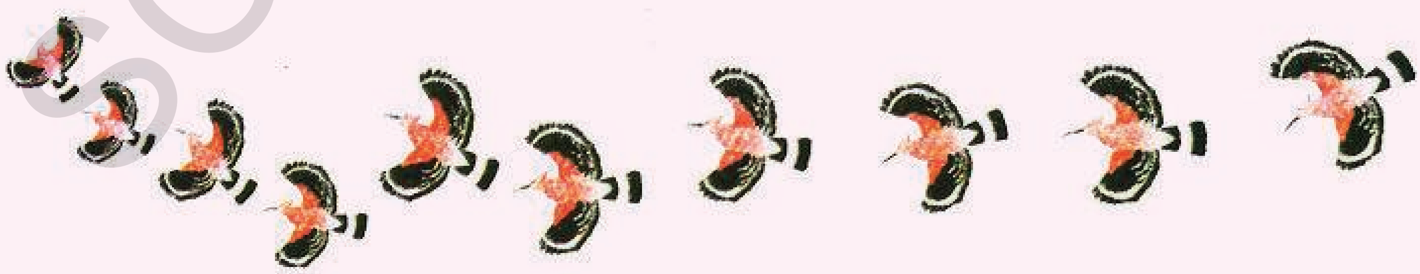

SCERT TELANGANA

की होती है, मगर उसके सिरे काले और सफ़ेद होते हैं। दुम का भीतरी हिस्सा सफ़ेद और बाहरी हिस्सा काले रंग का होता है। चोंच पतली, लंबी तथा तीखी होती है। इस चोंच से यह आसानी से ज़मीन के भीतर छिपे हुए कीड़े मकोड़ों को ढूँढ़ निकालता है। इसकी चोंच नाखून काटने वाली ' नहरनी' से बहुत मिलती है। और शायद इसी लिए कहीं - कहीं इसे 'हजामिन' चिड़िया के नाम से भी पुकारते हैं।

हुदहुद हमारे देश के सभी भागों में पाए जाते हैं।

तुमने इसे अपने घर के आस पास अपनी तीखी चोंच से ज़मीन खोदते हुए अवश्य देखा होगा। बोलते समय यह तीन बार 'हुप-हुप-हुप' सा कुछ कहता है, इसीलिए इसे अंग्रेज़ी में 'हूप ऊ' कहा जाता है। हिंदी में इसे हुदहुद कहते हैं। दूब में कीड़ा ढूँढ़ने के कारण हमारे देश में कहीं-कहीं इसे 'पदुबया' भी कहते हैं और सुंदर कलगी की वजह से कुछ देशों में लोग इसे 'शाह सुलेमान' कहकर पुकारते हैं।

मादा हुदहुद तीन से दस तक अंड़े देती है। जब तक बच्चे अंड़े से बाहर नहीं निकल जाते, वह अंड़ों पर बैठी रहती है, हटती नहीं। नर वहीं भोजन लाकर उसे खिला जाता है। पर दोनों में से कोई भी घोंसले की सफ़ाई नहीं करता।

संसार के विख्यात पक्षियों में से एक है यह हुदहुद। यह अपनी सुंदरता के लिए तो मशहूर है , पर इसे पालतू नहीं बनाया जा सकता और न ही इसकी बोली में मिठास है।

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. कुछ पक्षियों के नाम बताइए।
2. आपने किन-किन पक्षियों को घर या पाठशाला के आसपास देखा है?
3. आपको कौनसा पक्षी अधिक पसंद है? क्यों ?
4. मान लीजिए बादशाह सुलेमान आपसे प्रसन्न हो जाएँ तो आप उनसे क्या वर माँगेंगे?

पढ़िए

1. हुदहुद पक्षी देखने में कैसा होता है? उसके सिर पर कलगी के विषय में आपने क्या पढ़ा है?
2. हुदहुद पक्षी को हजामिन चिड़िया के नाम से क्यों पुकारते हैं ?
3. हुदहुद पक्षी का शरीर का रंग कैसा होता है ?
4. हुदहुद की चोंच पतली,लम्बी और तीखी होती है। इस बात को ध्यान में रख कर बताइए -
    1. वे कैसा भोजन खाती होंगी ?
    2. चोंच से वे क्या-क्या काम ले सकती होंगी।
5. पाठ के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
    1. बादशाह सुलेमान -------------- पर बैठकर जा रहे थे।
    2. सुलेमान ने सबसे पहले ------------- से मदद माँगी।
    3. हुदहुद के शरीर का सबसे सुंदर भाग इसके ------------ की ---------- होती है।
    4. ---------- तीन से दस तक अंडे देती है।
    5. इसे ------------ नहीं बनाया जा सकता।
6. पाठ के आधार पर हुदहुद के बारे में बताइए।
    1. हुदहुद का शरीर --
    2. हुदहुद के सिर की कलगी --
    3. हुदहुद की चोंच --
    4. हुदहुद की बोली---
    5. हुदहुद की भोजन संबंधी आदत --
    6. हुदहुद के अन्य प्रचलित नाम --

SCERT TELANGANA

लिखिए

1. कुछ पक्षियों के नाम लिखिए?
2. हुदहुद के सिर पर कलगी होती है। उससे जुड़ी कहानी पर पाँच-छह वाक्य लिखिए?
3. चोंच का प्रयोग कौन-सा पक्षी लकड़ी काटने के लिए करता है? हुदहुद पक्षी की चोंच का वर्णन कीजिए।
4. पक्षी हमारे मित्र हैं। इस विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।

शब्द भंडार

हुदहुद पक्षी का सारा शरीर रंग बिरंगा और चटकीला होता है। रंगों की जानकारी देना हो तो हम कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। जैसे फीका रंग,चटकीला रंग आदि। ऐसे रंग किन-किन चीज़ों के होते हैं।

क)

रंग	चीज़
गहरा	
फीका	
सफ़ेद	
सुनहरा	

ख) आपके आसपास कौन-कौन से पक्षी पाए जाते हैं, उनके नामों की सूची बनाइए। आप अपने और अपने घर की भाषा में इन्हें क्या कहते हैं?जिन पक्षियों के नाम आपको पता नहीं है, उनके नाम पता करके लिखिए।

------------------- ------------------- -------------------

------------------- ------------------- -------------------

------------------- ------------------- -------------------

SCERT TELANGANA

ग) नीचे कुछ पक्षियों के नाम दिए जा रहे हैं। उनकी बोलियों का पता लगा कर लिखिए।

1. कौआ काँव-काँव
2. कबूतर ---------------
3. कोयल ---------------
4. गौरेय्या ---------------

घ) श्याम ने आसमानी रंग की कमीज़ पहनी है। आसमानी रंग का नाम कैसे बना होगा? सोचिए? ऐसे ही कुछ रंगो के नाम लिखिए जो किसी चीज़ के नाम पर पड़े है।

------------------- ------------------- -------------------

------------------- ------------------- -------------------

(संकेत : फ़ूल, सब्जी, फल, पत्तों आदि के नामों पर)

च) नीचे दिये गये शब्दों के दो या दो से अधिक अर्थ हैं। शब्दों के अर्थ जानिए और वाक्य बनाइए।

क) पर -------------------------------------
पर -------------------------------------

ख) वर -------------------------------------
वर -------------------------------------

ग) भेंट-------------------------------------
भेंट -------------------------------------

घ) फल -------------------------------------
फल -------------------------------------

च) सोना -------------------------------------
सोना -------------------------------------

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

क) अपने मित्र या सहेली को सफाई का महत्व बताते हुए पत्र लिखिए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

प्रशंसा

भारत से ही नहीं बल्कि पूरे विश्व से कई पक्षी लुप्त होते जा रहे हैं, वे कौन-कौन से हैं ? उनके लुप्त होने के कारण भी बताइए।

भाषा की बात

1. नीचे कुछ वाक्य दिये जा रहे हैं। उनमें रेखांकित शब्दों के लिंग बदल कर लिखिए।

   उदाः- नर भोजन लाकर उसे खिलाता जाता है।

   मादा --

   1. गाय पालतू जानवर है।

      ----

   2. बाघ तेज़ दौड़ता है।

      ----

   3. कबूतर दाना खाकर उड़ गया।

      ----

   4. मोर सुंदर पक्षी है।

      ----

   5. शेर जंगल में रहता है।

      ----

2. **हुदहुद** एक बहुत ही सुंदर **पक्षी** है।

   हुदहुद और पक्षी, दोनों को ही हम संज्ञा कहते हैं।

   अब नीचे दी गई तालिका को आगे बढ़ाइए।

हुदहुद	पक्षी
भारत	देश
अनार	फल
-------------	---------------
-------------	---------------
-------------	---------------
-------------	---------------
-------------	---------------

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

राष्ट्रीय पक्षी के बारे में जानकारी एकत्रित करके लिखिए ।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर हुदहुद के बारे में लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

पढ़िए...
आनंद लीजिए

घोंसला

सबसे पहले मेरे घर का
अंडे जैसे था आकार,
तब मैं यही समझती थी
बस इतना-सा ही है संसार,
फिर मेरा घर बना घोंसला
छोटे तिनकों से तैयार
तब मैं यही समझती थी
बस इतना-सा ही है संसार
फिर मैं उड़ी डाल-डाल पर
सोच रही थी मैं हैरान
तब मैं यही समझती थी
बस इतना-सा ही है संसार
जब मैं उड़ी आसमान में
अपने छोटे पंख पसार
तभी समझ में मेरे आया
बहुत बड़ा है यह संसार

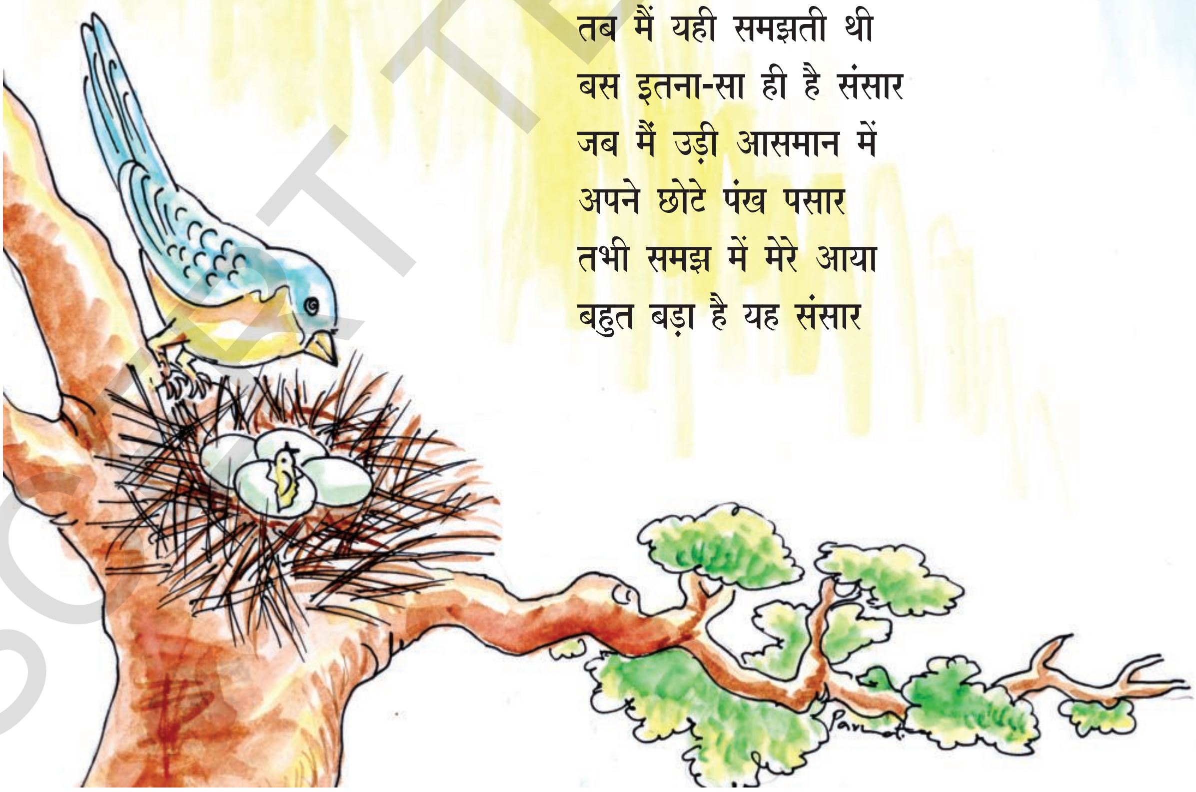

SCERT TELANGANA

13. मुफ़्त ही मुफ़्त

प्रश्नः

1. चित्र में क्या दिखाई दे रहा है?
2. आदमी ने सिर पर हाथ क्यों रखा होगा?
3. हाथ में चप्पल लेकर आदमी क्या सोच रहा होगा?

छात्रों के लिए सूचनाएँः

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. नये शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. नये शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

एक दिन भीखूभाई का मन नारियल खाने का हुआ। ताजा-मुलायम, कसा हुआ, शक्कर के साथ। म्म्म! उस के बारे में सोचते ही भीखूभाई ने अपने होंठों को चटकारा, "वाह क्या मीठा-मीठा सा स्वाद होगा!"

लेकिन एक छोटी-सी समस्या थी। घर में तो एक भी नारियल नहीं था।

"ओहो! अब मुझे बाज़ार जाना पड़ेगा," उन्होंने अपनी पत्नी लाभूबेन से कहा।

लाभूबेन अपने कंधे उचकाकर बोली,"खाना है तो जाना है। "

एक समस्या और थी।

भीखूभाई ने कहा, "पैसे खर्च करने पड़ेंगे,"

लाभूबेन बोली,"हाँ! पैसे तो खर्च करने पड़ेंगे।"

अब तक तो तुम्हें पता लग गया होगा कि भीखूभाई ज़रा कंजूस थे। वे सीधे खेत में बरगद के नीचे जाकर बैठ गए और सोचने लगे, "क्या करूँ? मैं क्या करूँ?"

मगर नारियल खाने के लिए जी ऐसा ललचाया कि वे जल्दी घर वापस घर लौटकर लाभूबेन से बोले,"अच्छा, मैं बाज़ार तक हो आता हूँ । पता तो चले नारियल आज कल कितने में बिक रहें हैं।"

जूते पहन कर, छड़ी उठाकर, भीखूभाई निकल पड़े।

बाज़ार में लोग अपने अपने कामों में लगे थे। भीखूभाई ने इधर कुछ देखा, उधर कुछ उठाया और दाम पूछा। देखते-पूछते, वे नारियल वाले के पास पहुँच गए।

"ऐ नारियल वाले, नारियल कितने में दोगे? भीखूभाई ने पूछा।

नारियलवाले ने कहा, "बस दो रुपए में काका, "

SCERT TELANGANA

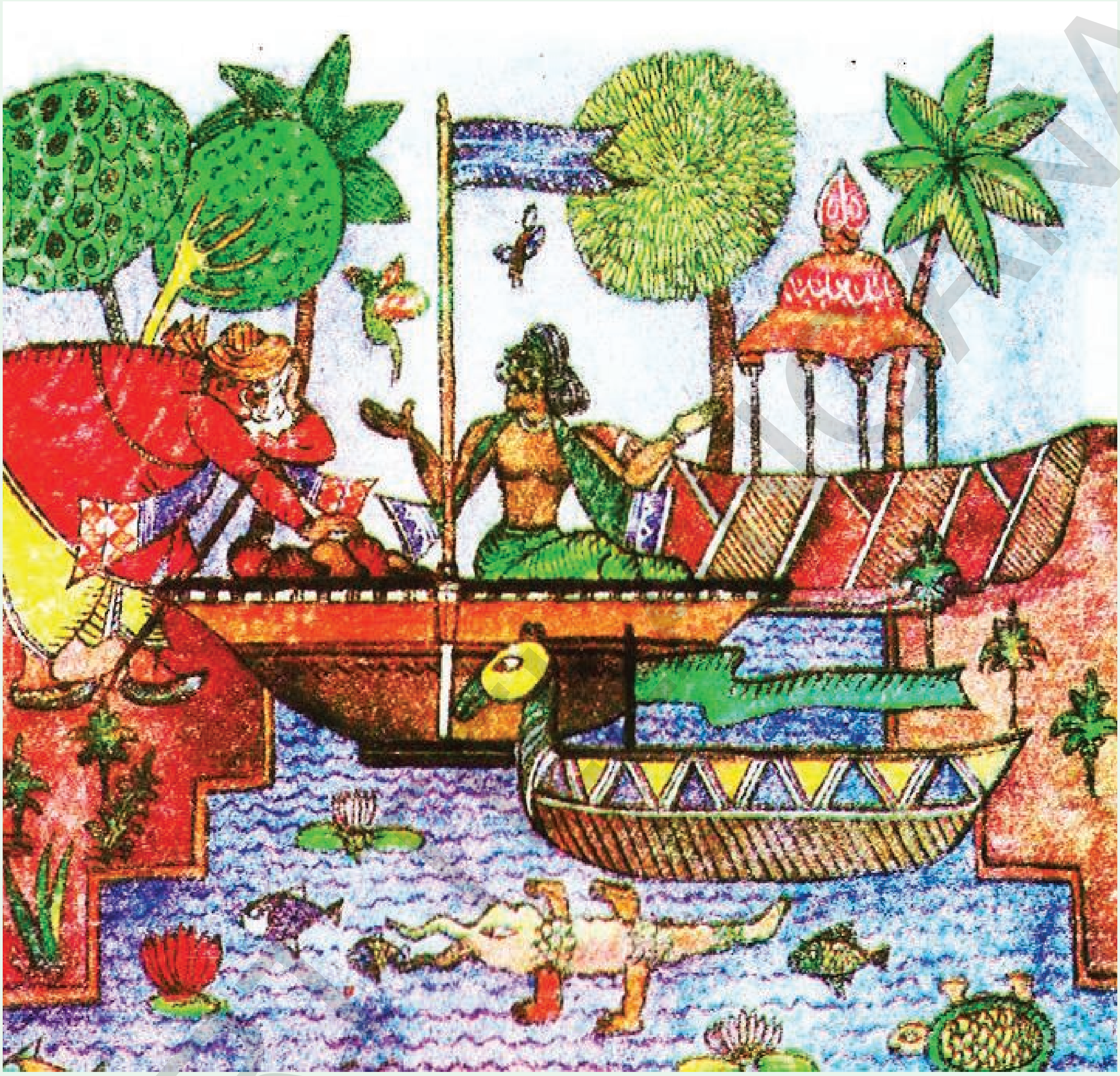

"बस, दो रुपए!" भीखूभाई ने आँखें फैलाकर कहा, "बहुत ज्यादा है। एक रुपए में दे दो।"

नारियलवाले ने कहा "ना जी ना। दो रुपए, सही दाम। ले लो या छोड़ दो,"

"ठीक है! ठीक है!" भीखूभाई बड़बड़ाए। "अच्छा तो बताओ एक रुपए में कहाँ मिलेगा? " नारियलवाले ने कहा, "यहाँ से थोड़ी दूर जो मंडी है वहाँ शायद मिल जाये।"

सो भीखूभाई उसी तरफ़ चल पड़े। "चलो देख लेते हैं ," वे अपने आप से बोले , "टहलने का एक मौका है और रूपए भर की बचत भी हो जाएगी।" खुशी से घुरघुराते भीखूभाई ने छड़ी को ज़मीन पर थपथपाया।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

मंडी में कोलाहल फैला हुआ था। व्यापारियों की ऊँची ऊँची आवाज़ें गूँज रही थी। ''बटाटा-आलू, बटाटा-आलू! कांदा-प्याज़, कांदा-प्याज़! गाजर गाजर गाजर! कोबी-बंदगोबी, कोबी-बंदगोबी!''

माथे का पसीना पोंछकर भीखूभाई ने इधर-उधर ताका। नारियलवाले को देखकर पूछा, ''अरे भाई एक नारियल कितने में दोगे?''

''सिर्फ़ एक रुपया, काका ,'' नारियलवाले ने जवाब दिया, ''जो चाहो ले जाओ। जल्दी।''

''शू छे भाई?'' भीखूभाई ने कहा, ''यह क्या? मैं इतनी दूर से आया हूँ और तुम पूरा एक रुपया माँग रहे हो। पचास पैसे काफ़ी है। मैं इस नारियल को लेता हूँ और तुम, यह लो, पकड़ो, पचास पैसे। ''

नारियल वाले ने झट भीखूभाई के हाथ से नारियल को छीन लिया और बोला,

''माफ़ करो, काका। एक रुपया या फिर कुछ नहीं।'' लेकिन भीखूभाई का निराश चेहरा

SCERT TELANGANA

देखकर बोला, ''बंदरगाह पर चले जाओ, हो सकता है वहाँ तुम्हें पचास पैसे में मिल जाए।''

भीखूभाई अपनी छड़ी से टेक लगाकर सोचने लगे, ''आखिर पचास पैसे तो पूरे पचास पैसे हैं। वैसे भी मेरी टाँगों में अभी भी दम है।''

पैरों को घसीटते हुए, भीखूभाई चलने लगे। हर दो क़दम पर रुक कर जेब में से बड़ा सफ़ेद रुमाल निकालकर वे अपना पसीना पोंछते।

सागर के किनारे एक नाववाला बैठा था। उस के सामने दो-चार नारियल पड़े थे।

''अरे भाई, एक नारियल कितने में दोगे?'' भीखूभाई ने पूछा और कहा, ''ये तो काफ़ी अच्छे दिखते हैं।''

''काका, यह कोई पूछने वाली बात है? केवल पचास पैसे''नाववाले ने कहा।

''पचास पैसे! '' भीखूभाई मानो हैरानी से हक्के-बक्के हो गए। ''इतनी दूर से पैदल आया हूँ। इतना थक गया हूँ और तुम कहते हो पचास पैसे? मेरी मेहनत बेकार हो गई। ना भाई ना! पचास पैसे बहुत ज्यादा हैं। मैं तुम्हें पच्चीस पैसे दूँगा। यह लो, रख लो।'' ऐसा कहते हुए , भीखूभाई झुक कर नारियल उठाने ही वाले थे...

नाववाले ने कहा, ''नीचे रख दो। मेरे साथ कोई सौदा-वौदा नहीं।''

थोड़ी देर बाद उसने भीखूभाई की ओर ध्यान से देखा तो ज़रा ठंडे दिमाग़ से बोला, ''सस्ते में चाहिए? नारियल के बगीचे में चले जाओ। वहाँ ढ़ेर सारे मिल जाएँगे, मनपसंद दाम में।''

भीखूभाई ने फिर अपने आप को समझाया, ''इतनी दूर आया हूँ। अब बगीचे तक जाने में हर्ज ही क्या है?'' सच बात तो यह थी कि वे काफ़ी थक चुके थे। मगर पच्चीस पैसे बचाने के ख्याल से ही उनमें फुर्ती आ गई।

भीखूभाई ने सोचा,''दोगुना ज्यादा चलना पड़ेगा, पर चार आने बच भी तो जाएँगे और फिर, कोई भी चीज़ मुफ़्त में कहाँ मिलती है?''

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

भीखूभाई नारियल के बगीचे में पहुँच गए। वहाँ के माली को देखकर उससे पूछा, ''यह नारियल कितने में बेचोगे?''

माली ने जवाब दिया, ''जो पसंद आए ले जाओ, काका, बस, पच्चीस पैसे का एक। देखो, कितने बड़े बड़े हैं!''

''हे भगवान! पच्चीस पैसे! पूरा रास्ता पैदल आने के बाद भी! जूते घिस गए, पैर थक गए और अब पैसे भी देने पड़ेंगे? मेरी बात मानो, एक नारियल मुफ़्त में ही दे दो, हाँ। देखो, मैं कितना थक गया हूँ!''

भीखूभाई की बात सुन कर माली ने कहा, ''अरे, काका। मुफ़्त में चाहिए न? यह रहा पेड़ और वह रहा नारियल। पेड़ पर चढ़ जाओ और जितने चाहो तोड़ लो। वहाँ नारियल की कोई कमी नहीं है। पैसे तो मेरी मेहनत के हैं।''

''सच? जितना चाहूँ ले लू?'' भीखूभाई तो खुशी से फूलें न समाये।

''मेरा यहाँ तक आना बेकार नहीं गया!''

उन्होंने जल्दी-जल्दी पेड़ पर चढ़ना शुरू कर दिया।

SCERT TELANGANA

पेड़ पर चढ़त-चढ़ते भीखूभाई ने सोचा ''बहुत अच्छे! मेरी तो किस्मत खुल गई। जितने नारियल चाहे तोड़ लूँ और पैसे भी न दूँ। क्या बात है!''

भीखूभाई ऊपर पहुँच गए। फिर वे टहनी और तने के बीच आराम से बैठ गए। और दोनों हाथों को आगे बढ़ाने लगे। सब से बड़े नारियल को तोड़ने के लिए ज्ज्क! पैर फिसल गए। भीखूभाई ने एकदम से नारियल को पकड़ लिया। उनके दोनों पैर हवा में झूलते रह गए।

''ओ माँ! अब मैं क्या करूँ?''

भीखूभाई चिल्लाने लगे, ''अरे भाई! मदद करो!'' उन्होने नीचे खड़े माली से विनती की।

माली ने कहा, ''वो मेरा काम नहीं, काका, मैं ने सिर्फ नारियल लेने की बात की थी। बाकी सब तुम्हारे और तुम्हारे नारियल के बीच का मामला है। पैसे नहीं, खरीदना नहीं, बेचना नहीं, और मदद नहीं। सब कुछ मुफ़्त।''

तभी ऊँट पर सवार एक आदमी वहाँ से गुज़रा।

''अरे ओ! '' भीखूभाई ज़ोर-जोर से बोलने लगे, ''ओ ऊँटवाले! मेरे पैर पेड़ पर टिका दो न! बड़ी मेहरबानी होगी।''

ऊँटवाले ने सोचा, ''चलो, मदद कर देता हूँ। मेरा क्या जाता है।''

ऊँट की पीठ पर खड़े होकर उसने भीखूभाई के पैरों को पकड़ लिया। ठीक उसी समय ऊँट को हरे-हरे पत्ते नज़र आए। पत्ते खाने के लालच में ऊँट ने गर्दन झुकाई और अपनी जगह से हट गया।

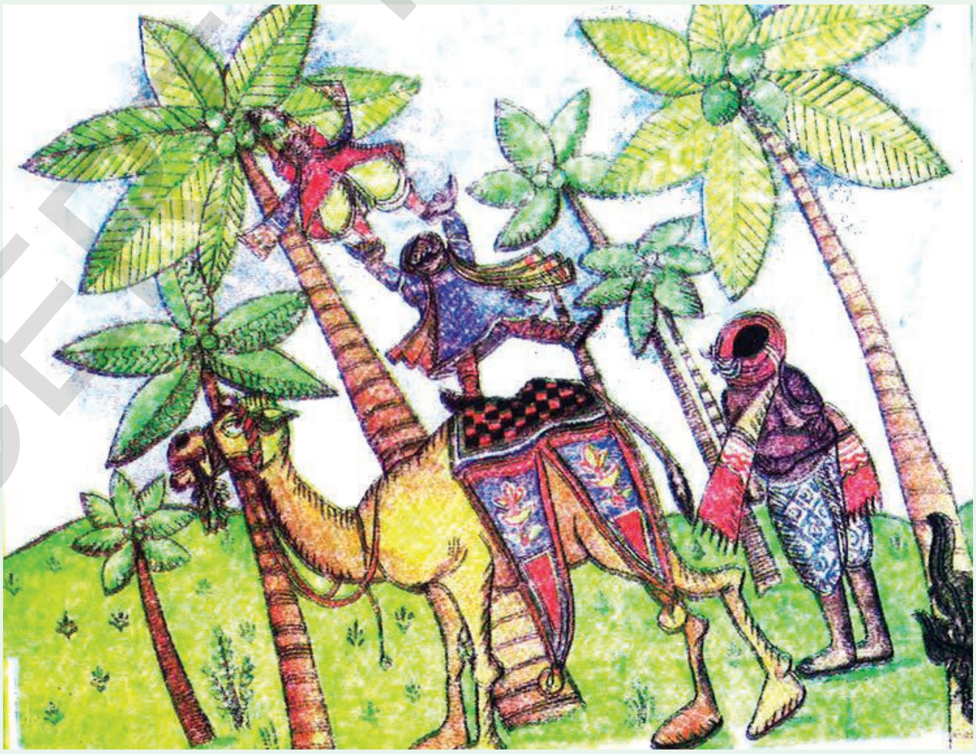

SCERT TELANGANA

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

बस, वह आदमी ऊँट की पीठ से फिसल गया! अपनी जान बचाने के लिए उसने भीखूभाई के पैरों को कसकर पकड़ लिया। अब दोनों क्या करते? इतने में एक घुड़सवार आया।

''अरे, सांभ्लो छो! '' पेड़ से लटके दोनों पुकारने लगे। ''सुनो भाई, कोई बचाओ! बचाओ! घुड़सवार को देखकर भीखूभाई ने दुहाई दी, ''ओ मेरे भाई, मुझे पेड़ पर वापस पहुँचा दो।''

हम्म्म। एक मिनट भी नहीं लगेगा। मैं घोड़े की पीठ पर चढ़कर इनकी मदद कर देता हूँ '' यह सोचकर घुड़सवार घोड़े पर उठ खड़ा हुआ।

लेकिन कौन कहता है कि घोड़ा ऊँट से बेहतर है? हरी-हरी घास दिखाई देने पर तो दोनों एक जैसे ही हैं। घास के चक्कर में घोड़ा ज़रा आगे बढ़ा और छोड़ चला अपने मालिक को ऊँटवाले के पैरों से लटकते हुए।

एक, दो और अब तीनों-झूलते रहे नारियल के पेड़ से।

''काका! काका! कसके पकड़े रहना, हाँ'' घुड़सवार ने पसीना-पसीना होते हुए कहा, ''जब तक कोई बचाने वाला न आए, कहीं छोड़ न देना। मैं आपको सौ रुपए दूँगा।''

''काका! काका! अब ऊँट वाले की बारी थी। ''मैं आपको दो सौ रुपए दूँगा, लेकिन नारियल को छोड़ना नहीं।''

''सौ और दो सौ! बाप रे बाप, तीन सौ रूपए!'' भीखूभाई का सिर चकरा गया। ''इतना! इतना सारा पैसा!'' खुशी से उन्होंने अपने दोनों बाहों को फैलाया... और नारियल गया हाथ से छूट।

धड़ाम से तीनों ज़मीन पर गिरे-घुड़सवार, ऊँटवाला और भीखूभाई। भीखूभाई अपने आप को सँभाल ही रहे थे कि एक बहुत बड़ा नारियल उनके सिर पर आ फूटा।

बिल्कुल मुफ़्त।

ममता पण्ड्या
अनुवाद-संध्या राव

SCERT TELANGANA

सुनिए-बोलिए

1. क्या आपने कभी मंड़ी देखी है? मंडी में क्या क्या दिखाई देता है?
2. यह पाठ किस प्रांत की जानकारी दे रहा है?
3. भारत में बंदरगाह कहाँ-कहाँ है? बताइए ।
4. नारियल किन-किन प्रांतों में अधिक पाये जाते हैं?
5. आप को कौनसा खेल पसंद है?
6. इस कहानी से आप क्या सीखते हैं?

पढ़िए

1. कहानी को पढ़कर आपने भीखूभाई के बारे में बहुत कुछ जान लिया। भीखूभाई की कुछ आदतों को बताइए।

   उदा :- उन्हें खाने - पीने का शौक था।

   ----

2. पाठ में किसे बूढ़ा कहा गया है?
3. चित्र में भीखूभाई ने अपनी पोशाक में क्या-क्या पहना है?
4. भीखूभाई मंड़ी से बंदरगाह क्यों गए?
5. कहानी में आपने किस फल की जानकारी प्राप्त की है?
6. भीखूभाई बाज़ार जाने के लिए कैसे निकल पड़े?
7. भीखूभाई की पत्नी का नाम क्या था?
8. हर बार भीखू भाई कम दाम देना चाहते थे? क्यों?
9. वाक्य पूरे कीजिए।

   क) नारियल के बारे में सोचते हुए भीखूभाई ने अपने होंठों को ------------

   ख) ------------- में लोग अपने-अपने कामों में लगे थे।

   ग) मंडी में ------------- फैला हुआ था।

   घ) पच्चीस पैसे बचाने के ख्याल से ही उनमें --------- आ गयी।

   च) मेरा यहाँ तक आना ---------- नहीं गया।

   छ) पत्ते खाने के -------- में ऊँट ने गर्दन झुकाई।

तेलंगाणा राज्य सरकार द्वारा निशुल्क वितरण 2019-20

SCERT TELANGANA

लिखिए

1. क्या आप कभी पेड़ पर चढ़े है? कौन से पेड़ पर चढ़ना कठिन होता है?
2. भीखूभाई खेत में बूढ़े बरगद के नीचे बैठ गए। बताइए बरगद को बूढ़ा क्यों कहा गया होगा?
3. भीखूभाई ने खुशी के मारे अपनी बाहें फैलायी- तब क्या हुआ होगा?
4. क्या भीखूभाई को सच में ही मुफ़्त में नारियल मिला-अपने शब्दों मे लिखिए।
5. मंड़ी में कोलाहल फैला हुआ था। व्यापारियों की ऊँची-ऊँची आवाज़ें आ रही थी।

   क) मंड़ी में क्या - क्या बिक रहा होगा?

   ख) मंड़ी में तरह-तरह की आवाज़ें सुनाई देती हैं।

   जैसे- ताज़ा टमाटर! बीस रुपया! बीस रुपया! बीस रुपए!

   वहाँ और कैसी आवाज़ें सुनाई देती हैं। क्या-क्या सामान बिकता है । लिखिए ।

   ....

   ....

   ....

   ....

6. उन जगहों के बारे में लिखिए ।

   जहाँ बहुत शोर होता है ।

   जहाँ बिल्कुल शोर नहीं होता।

शब्द भंडार

1. निम्न डिब्बों में दो शहरों के नाम दिए गए हैं, अन्य शहरों के नाम लिखिए।

अहमदाबाद

हैदराबाद

1. --
2. --
3. --
4. --

SCERT TELANGANA

2. निम्नलिखित वाक्यों को ध्यान से पढ़िए।
   1. नाववाले ने भीखूभाई से **ठंड़े दिमाग से कहा**।
   2. भीखूभाई तो खुशी से **फूले न समाए**।
   रेखांकित शब्दों को मुहावरे कहते हैं।
   इन मुहावरों से अन्य वाक्य बनाइए।
3. भीखूभाई कहाँ से कहाँ गए। सही क्रम में लिखिए।
   माली के पास, बंदरगाह, मंड़ी, पेड़, बाज़ार, नाववाले के पास

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

1. यदि इस कहानी में भीखूभाई को नारियल नहीं बल्कि आम खाने की इच्छा होती तो कहानी आगे कैसे बढ़ती? बताइए।

प्रशंसा

आप अपने पिताजी के साथ मेला घूमने गए। साथ में पिताजी के मित्र भी थे। उन्होंने मेले में आपको भेलपुरी खिलाई। आपको कैसा लगा। मित्रों को बताइए।

भाषा की बात

1. 'मुफ़्त ही मुफ़्त' गुजरात की लोक कथा है। गुजरात में किसी को आदर करने के लिए नाम के साथ भाई,बेन(बहिन) जैसे शब्दों का प्रयोग होता है।
   जैसे - भीखूभाई, लाभुबेन
   तेलुगु भाषा में नाम के आगे 'गारु' 'रामय्या गारु' और
   हिंदी में 'जी' 'रमेश' जी जोड़ा जाता है। आपकी कक्षा में भी अलग-अलग भाषा में बातें करने वाले साथी होंगे । पता कीजिए और लिखिए कि वे अपनी भाषा में किसी को आदर देने के लिए किन-किन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं ।
2. नाना - नानी   पतीली - पतीला
   ऊपर दिए गए उदाहरणों की मदद से नीचे दी गई जगह में सही शब्द लिखिए ।
   काका ---------------   मटका ---------------
   मालिन ---------------   गद्दा ---------------

SCERT TELANGANA

परियोजना कार्य

नीचे दिये गये चित्र को पूरा कीज़िए और उसमें रंग भरिए। नारियल और उनके पत्तों से क्या-क्या चीज़ें बनायी जा सकती हैं? पाँच वाक्यों में लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. इस स्तर के पाठ का भाव पढ़कर समझ सकता/सकती हूँ।		
3. पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		
5. पाठ के आधार पर लोक कथा लिख सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

पढ़िए...
आनंद लीजिए

आओ, चलें पिकनिक पर

आज कक्षा में बहुत शोर था। अध्यापिका जी कक्षा की ओर बढ़ रही थी,बरामदे में पहुँचते ही शोर सुना तो कदम तेज़ हो गए। भीतर जाते ही बोलीं - ''क्या बात है, आज इतना शोर क्यों है?'' बच्चे 'अध्यापिका जी' 'अध्यापिका जी' कह कर कुछ कहना चाहते थे। वे बोली, '' एक-एक कर बोलोगे तो मुझे कुछ समझ में आएगा न ! जयंत, आप बताओ!''

SCERT TELANGANA

जयंत ने कहा - ''अध्यापिका जी, छठी से आठवीं कक्षा के सभी छात्र झील पर पिकनिक मनाने जा रहे हैं लेकिन हमें छोटी कक्षा का कहकर नहीं ले जाया जा रहा। हम चौथीं ....।''

''बस-बस ! मैं बात करती हूँ। आप लोग यह पोस्टर ध्यान से देखें। यदि तुमने मेरे प्रश्नों के सही उत्तर दिए तो पिकनिक मनाने ज़रूर चलेंगे'', अध्यापिका ने कहा। अध्यापिका जी बाहर चली जाती है और कुछ ही क्षण में लौट आती हैं। वे प्रसन्न दिख रही हैं। पूछती हैं- क्या आप सबने ध्यान से पोस्टर को देखा है? '' जी हाँ ! '' सभी बोल उठे।'' अध्यापिका जी क्या हम पिकनिक पर जा रहे हैं?'' अहमद ने पूछा। अध्यापिका जी ने कहा, ''पर पहले मेरे प्रश्नों के उत्तर तो दो।''

(सभी ध्यान से पोस्टर देखते हैं।)

1. अब बताइए

- पोस्टर में कौन-कौन हैं?
- वे लोग क्या कर रहे हैं?
- ये पिकनिक के लिए कहाँ आए हैं?
- अब अध्यापिका खुशखबरी देती है कि उन्हें पिकनिक पर जाने की अनुमति मिल गई है।

पिकनिक पर जाने से पहले मैं आपको कुछ ऐसी बातें बताना चाहती हूँ जिनके बारे में आपको सावधान रहना हैं -

पेड़-पौधों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाएँगे ।

झील या पानी वाले स्थान से कुछ दूर ही रहेंगे ।

पिकनिक के स्थान से लौटने से पहले सारा कूड़ा करकट इकट्ठा कर कूड़ेदान में ड़ालेंगे। उस जगह को साफ सुथरा छोड़ेंगे। आस-पास के जीव-जंतुओं के साथ छेड़खानी नहीं करेंगे।

SCERT TELANGANA

पिकनिक पर आए दूसरे लोगों के साथ झगड़ा नहीं करेंगे।

यदि वहाँ पर द्वारपाल या रखवाला हो तो उसका धन्यवाद करेंगे ।

संकेतः थक जाएँगे तो कविता-कहानी सुनाएँगे, चुटकुले और पहेलियाँ होगी, अंत्याक्षरी खेलेंगे ।

दोनों चित्रों में अंतर ढूँढिए।

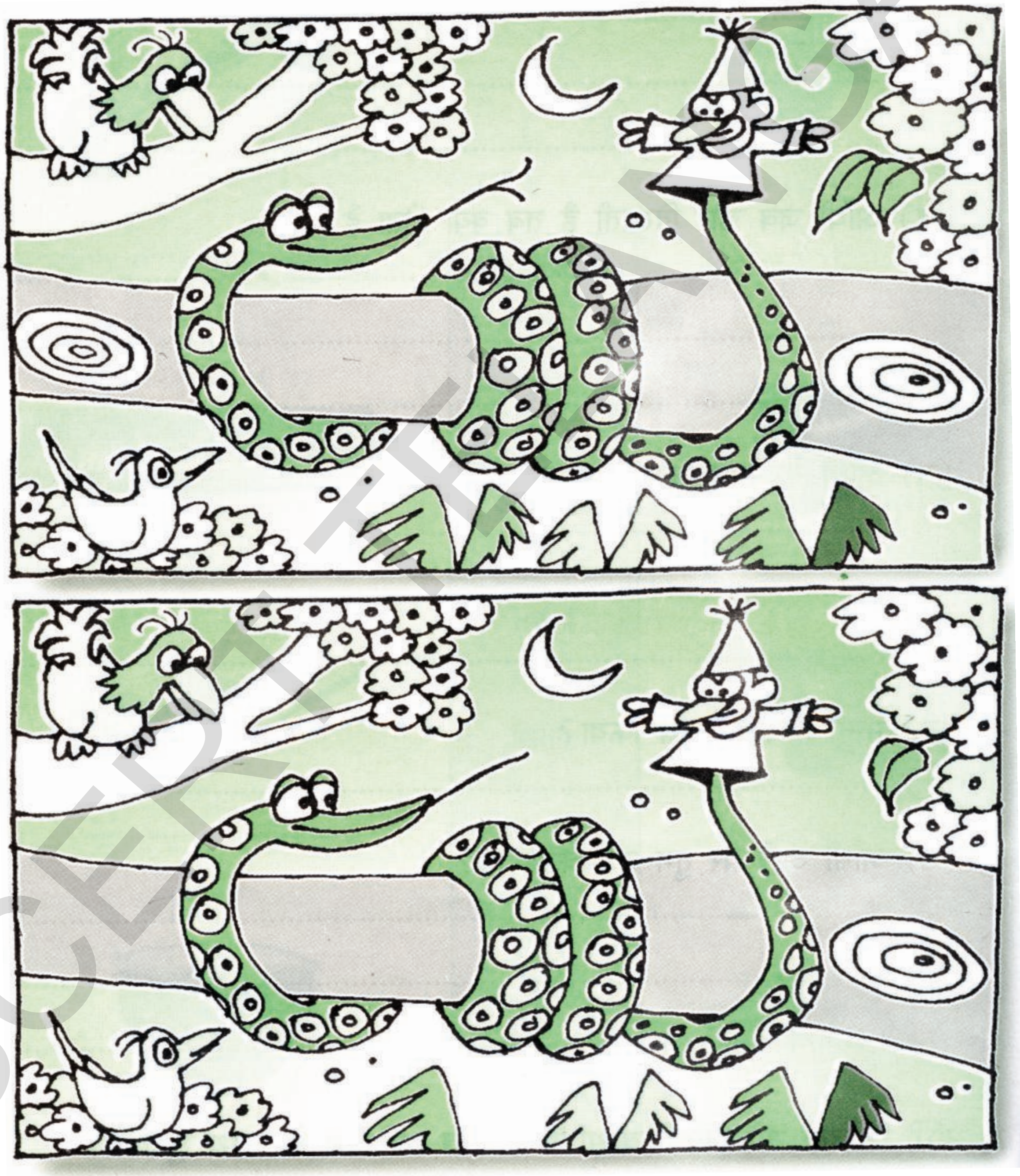

SCERT TELANGANA

उलझन

पापा कहते बनो डॉक्टर
माँ कहती इंजीनियर!
भैया कहते इससे अच्छा
सीखो तुम कंप्यूटर!

चाचा कहते बनो प्रोफ़ेसर
चाची कहती अफ़सर
दादी कहती आगे चलकर
बनना तुम्हें कलेक्टर!

बाबा कहते फ़ौज़ में जाकर
जग में नाम कमाओ!
दीदी कहती घर में रह कर
ही उद्‌योग लगाओ!

सबकी अलग-अलग अभिलाषा
सबका अपना नाता!
लेकिन मेरे मन की उलझन
कोइ समझ न पाता !

सुरेंद्र विक्रम

SCERT TELANGANA

शब्द कोश

अकलमंद	=	समझदार, बुद्धिमान, wise, intelligent
अचंभा	=	आश्चर्य, wonder
अचकन	=	घुटने तक लंबा कोट, a kind of long coat
अजनबी	=	अंजान, अपरिचित, stranger, unknown person
अजीब	=	विचित्र, strange
अनजाना	=	बिना जानकारी के, unknowingly
अभिमान	=	गर्व, proud
उचकना	=	ऊँचा होने के लिए एड़ी उठा कर खड़ा होना
उड़न खटोला	=	आकाश में उड़ने वाली खटिया, aeroplane
उपस्थित	=	मौजूद, present
कबाड़ी	=	अनुपयोगी वस्तुओं को खरीदने और बेचने वाला, scrap vendor
कलगी	=	सिर का एक आभूषण crown of feather
कस्बा	=	नगर, small town
कुतरना	=	दांतों से किसी चीज़ को कांटना, bite off
कोल्हू	=	ईख या तेल पेरने का यंत्र milling machine
खिलाफ़	=	विरूध्द, against
खिसकना	=	सरकना, to give a slip off
खुजाना	=	खुजलाना, scratch
गर्म जोशी	=	जोश में काम करना, spirit
गिड़गिड़ाना	=	चिरौरी, मिन्नत करना, request
गुल्लक	=	पैसे रखने का ड़िब्बा, kiddy bank
चिक	=	पर्दा, curtain
चेतावनी	=	सावधान करने के लिए कही गयी बात, warning
जिल्द	=	पुस्तक का आवरण, cover
जिद्दी	=	हठी, stubborn
टटोलना	=	खोजना, feel about
टुकर-टुकर देखना	=	टुक टुक देखना stare

SCERT TELANGANA

तनिक	=	थोड़ा, a little
ताज	=	राज मुकुट, crown
तोंद	=	आगे को उभड़ा पेट का भाग,stomach
तूती बोलना	=	सुर में सुर मिलाना assent
थप-थपाना	=	थपकना, tapped
दिवालिया	=	जिसके पास ऋण चुकाने को कुछ न रह गया हो, bankrrupt
दुबक	=	दबकना, lurk
दुहाई देना	=	रक्षा के लिए की गई पुकार, call on
दुगुना	=	दो गुना, double
पगडंडी	=	संकरा मार्ग, foot path
पगुराना	=	पशुओं का जुगाली करना, chewing
पागुर	=	जुगाली, chewing
पढ़क्कू	=	पढ़नेवाला, studious
पोशाक	=	पहनावा, वस्त्र, dress
प्रकोप	=	विनाश, drought
फ़िक्र	=	चिंता, worry
बड़बड़ाना	=	धीरे धीरे बोलना, talking
भूकंप	=	धरती की सतह का हिलना, earthquake
मंतिख	=	तर्क शास्त्र, phylosophy
मनपसंद	=	मनचाहा, इच्छित, favourite
यकीन	=	विश्वास, belief
राजकोष	=	सरकारी खजाना, treasury
राज भंड़ार	=	राजा का भंडार, state store
रूआँसी	=	रोती सूरत बनाना, crying face
लू	=	गरम हवा का झोंका, hot wind
लोभी	=	लालची, greedy
विद्वान	=	ज्ञानी, scholar
सज्जन	=	शरीफ़, gentlemen
समुद्र	=	सागर, sea
सरासर	=	बिलकुल, absolute
सहलाना	=	सुहराना,किसी वस्तु पर धीरे हाथ फेरना, to caress

SCERT TELANGANA